02 अप्रैल, 2025
चैत्र, शुक्ल पक्ष, पंचमी
संवत 2082
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
बुधवार, वर्ष 10, अंक 162

* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

आनेवाले 25 वर्ष को ध्यान में रख कर हमें आगे बढ़ना है : हेमंत सोरेन

FLORENCE
GROUP OF INSTITUTIONS
(A Unit of :Haji Abdur Razzaque Educational Society)
ADMISSION OPEN
COLLEGE OF NURSING
2 YEARS M.Sc. Nursing
2 YEARS Post Basic B. Sc. Nursing
4 YEARS B.Sc. Nursing
3 YEARS GNM (General Nursing And Midwifery)
2 YEARS ANM (Auxiliary Nurshing And Midwifery)
COLLEGE OF PARA MEDICAL SCIENCE
4 YEARS BMLT
2 YEARS DMLT
2 YEARS OT ASSISTANT
2 YEARS ECG
2 YEARS OPHTHALMIC ASST.
2 YEARS CRITICAL CARE (ICU)
2 YEARS RADIO-IMAGING
2 YEARS ANESTHESIA TECH.
1 YEARS DRESSERS
COLLEGE OF PHARMACY
2 YEARS D-PHARM
4 YEARS B-PHRRM
Separate Hostel For Boys & Girls
9031231082, 7903999411, 6205145470
E-mail: fsnirba@gmail.com
Website: www.florenceinstirba.com

सरहुल के उमंग में डूबा झारखंड

- राज्यभर में निकाली गयी शोभायात्रा, हर तरफ उल्लास
- शोभायात्रा में दिखा आदिवासी संस्कृति का नजारा

फोटोः प्रदीप ठाकुर

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पूरा झारखंड मंगलवार को प्रकृति पर्व सरहुल के उल्लास में डूबा रहा। राज्यभर में शोभायात्रा निकाली गयी और सड़कों पर आदिवासी संस्कृति का नजारा दिखा। नयनाभिराम झांकियों ने पूरे परिदृश्य को आकर्षक बना दिया था। समूह नृत्य ने लोगों को थिरकने पर मजबूर कर दिया। राजधानी रांची के सिरमटोली स्थित सरना स्थल पर पाहन द्वारा पारंपरिक रीति-रिवाज से पूजा-अर्चना कर अच्छी बारिश की भविष्यवाणी की गयी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मौके पर दो दिनों के राजकीय अवकाश की घोषणा की और सिरमटोली रैंप विवाद के सिलसिले में दायर मामले में आगे की कार्रवाई रोकने का निर्देश दिया।

राजधानी रांची में सरहुल शोभायात्रा के दौरान सड़कों पर सतरंगी छटा बिखरी रही। प्रकृति के संरक्षण का संदेश देते हुए शोभायात्रा में शामिल लोगों का कारवां नगाड़ों और मांदर की थाप पर थिरक रहा था। शोभा यात्रा में झारखंडी संस्कृति की झलक दिखी। इससे भाइचारगी का भी संदेश दिया। हातमा से दोपहर एक बजे शोभायात्रा निकली।

जगलाल पाहन रथ से पहुंचे अलबर्ट एक्का चौक : सभी परंपराओं को पूरा करने के बाद जगलाल पाहन रथ पर सवार होकर अलबर्ट एक्का चौक पहुंचे। वहां उनका भव्य तरीके से स्वागत किया गया। सभी खोड़हा नेतृत्वकर्ताओं को सरना अंगवस्त्र देकर स्वागत किया गया। इसके बाद राजधानी के विभिन्न सरना स्थलों से जुलूस निकलना शुरू हो गया। सभी खोड़हा द्वारा सरना स्थल की तीन बार परिक्रमा की गयी।

पाहन ने इस वर्ष सामान्य से कम बारिश की भविष्यवाणी की : सरना स्थल पर पाहन ने प्रकृति, पूर्वज और देवी-देवताओं की पूजा की। सरना स्थल पर दो घड़ों में रखे पानी का आकलन कर जगलाल पाहन ने बताया कि इस साल सामान्य से कम बारिश होने की संभावना है। इससे पहले चरका मुर्गे की बलि भगवान सिंगबोंगा को, रंगवा मुर्गे की बलि जल देवता यानी इकिर बोंगा को, रंगली मुर्गे की बलि पूर्वजों को और काले मुर्गे की बलि अनिष्ट करने वाली आत्माओं की शांति के लिए दी गयी।

सीएम ने की पूजा, मांदर की थाप पर थिरके

सीएम हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन ने सरना स्थल पर पूजा-अर्चना की। इसके बाद मांदर और नगाड़ों की थाप पर जमकर थिरके। मौके पर कैबिनेट मंत्री चमरा लिंडा और शिल्पी नेहा तिर्की भी मौजूद रहीं। इससे पहले सीएम हेमंत ने करमटोली स्थित आदिवासी कॉलेज छात्रावास में सरहुल महोत्सव कार्यक्रम में हिस्सा लिया। मौके पर उन्होंने कहा कि पर्व-त्योहारों से हमारी परंपरा, सभ्यता-संस्कृति और आस्था जुड़ी है। इससे जीवन में उमंग, उत्साह और उल्लास का संचार होता है।

दो दिन के राजकीय अवकाश की घोषणा

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने घोषणा की है कि झारखंड में अब सरहुल के मौके पर दो दिनों का अवकाश रहेगा। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर यह घोषणा की। सीएम ने लिखा कि पिछले कई वर्षों से सरहुल के अवसर पर दो दिन की राजकीय छुट्टी की मांग उठ रही थी। आदिवासी समाज के इस महान पावन पर्व के महत्व को देखते हुए मैंने इस वर्ष से दो दिन की राजकीय छुट्टी घोषित की है। झारखंड की संस्कृति एवं परंपराओं की गौरवशाली धरोहर को हम सहेजते आये हैं और सदैव सहेजेंगे।

न्यूज रील्स

स्टेट बैंक की सेवाएं अचानक ठप पड़ीं, ग्राहक हुए परेशान

नयी दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक की सेवाएं मंगलवार को अचानक ठप पड़ गयीं और इस बैंक को बड़े आउटेज का सामना करना पड़ा। अचानक आयी इस दिक्कत के चलते ग्राहकों को पैसे ट्रांसफर करने, मोबाइल बैंकिंग करने और यूपीआइ तक की सेवाएं यूज करने में दिक्कत आयी। बैंक ने आधिकारिक बयान में इस दिक्कत का जिक्र किया था। बैंक ने बताया था कि वार्षिक बंदी गतिविधियों के चलते इसकी सेवाएं दोपहर एक बजे से लेकर शाम के चार बजे तक प्रभावित रहेंगी। इस दौरान ग्राहकों को एटीएम और यूपीआइ का इस्तेमाल करने की सलाह दी जाती है।

कपिल मिश्रा पर एफआइआर दर्ज करने का आदेश

नयी दिल्ली। दिल्ली सरकार में मंत्री और भाजपा नेता कपिल मिश्रा को राउज एवेंन्यू कोर्ट से मंगलवार को झटका लगा है। कोर्ट ने उनके और अन्य के खिलाफ 2020 के दिल्ली दंगों में उनकी कथित विभिन्न भूमिकाओं की जांच के लिए सुनवाई का आदेश दिया। साथ ही कोर्ट ने कपिल मिश्रा के खिलाफ एफआइआर दर्ज करने के लिए आवेदन स्वीकार कर लिया है। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट वैभव चौरसिया ने इसे प्रथम दृष्टया संज्ञेय अपराध पाया, जिसमें उन्होंने जांच के आदेश दिये हैं। न्यायाधीश ने कहा कि यह साफ है कि दंगों के दौरान कपिल इलाके में थे। इसमें आगे जांच की जरूरत है। न्यायाधीश यमुना विहार निवासी मोहम्मद इलियास द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रहे थे, जिसमें एफआइआर दर्ज करने की मांग की गयी थी, जिसका दिल्ली पुलिस ने विरोध किया और दावा किया कि दंगों में मिश्रा की कोई भूमिका नहीं थी।

हाइवे-एक्सप्रेस वे पर टोल टैक्स बढ़ा

नयी दिल्ली। हाइवे और एक्सप्रेस वे पर गाड़ी से सफर करने वालों के लिए बुरी खबर है। मंगलवार से उनको टोल टैक्स के लिए ज्यादा पैसा देना पड़ रहा है। दरअसल, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) ने देशभर के राजमार्ग खंडों पर टोल शुल्क में औसतन चार से पांच फीसदी की वृद्धि की है। राजमार्ग मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि देश भर के राष्ट्रीय राजमार्गों पर वाहन चालकों के लिए संशोधित टोल शुल्क मंगलवार से लागू हो गये हैं। एनएचएआइ ने सभी राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे के लिए टोल दरों में बढ़ोतरी को अलग से अधिसूचित किया है। अधिकारी के अनुसार, टोल शुल्क को संशोधित करना वार्षिक कवायद का हिस्सा है। हर साल इसे एक अप्रैल से लागू किया जाता है।

कोडरमा में धार्मिक जुलूस पर पथराव

- यज्ञ के लिए भिक्षाटन को निकली थीं महिलाएं
- इलाके में तनाव, ड्रोन से छतों की तलाशी ले रही पुलिस

आजाद सिपाही संवाददाता

कोडरमा। कोडरमा थाना अंतर्गत चेचाई में होने वाले यज्ञ को लेकर भिक्षा के लिए सात गांवों के भ्रमण पर निकली महिलाओं के जत्थे पर छतरबर में समुदाय विशेष के एक घर की छत से पथराव किया गया। मंगलवार सुबह करीब नौ बजे हुई इस घटना के बाद इलाके में तनाव पैदा हो गया। हालांकि पुलिस ने माहौल को नियंत्रित कर लिया।

ग्रामीणों ने बताया कि चेचाई देवी मंडप से कलश लेकर महिलाएं भिक्षा के लिए इलाके में निकली थीं। इसी दौरान वे छतरबर पहुंचीं, जहां पत्थरबाजी की घटना हुई। इसमें एक कलश फूट गया। 50- 60 महिलाएं जुलूस में थीं और घटना के बाद दूसरे इलाके के लिए महिलाएं निकल गयीं। वे करमा, झुमरी, करियावर मैसौंधा, पूतो और कानूनगो बीघा होते हुए वापस चेचाई पहुंचीं। पत्थरबाजी किसने की, पुलिस उसकी पहचान करने में जुटी हुई है। गांव में पुलिस फिलहाल कैंप कर रही है। मामले की सूचना मिलने पर एसडीओ रिया सिंह, एसडीपीओ अनिल सिंह, डीएसपी मुख्यालय रतिभान सिंह, सीओ होल्डर सेठी, कोडरमा थाना प्रभारी अरविंद कुमार, तिलैया थाना प्रभारी विनय कुमार, डोमचांच थाना प्रभारी ओम प्रकाश सहित बड़ी संख्या में पुलिस जवान पहुंचे। ये सभी गांव में मौजूद हैं। ड्रोन कैमरे से भी छतरबर में हर घर के छत की निगरानी की जा रही है। यह जानकारी दी गयी है कि जिस घर से पथराव हुआ, उसकी छत पर बड़ी मात्रा में ईंट और पत्थर रखे गये थे।

आज पेश होगा वक्फ संशोधन बिल

- लोकसभा में आठ घंटे तक होगी चर्चा
- भाजपा समेत सभी दलों ने जारी किया ह्विप

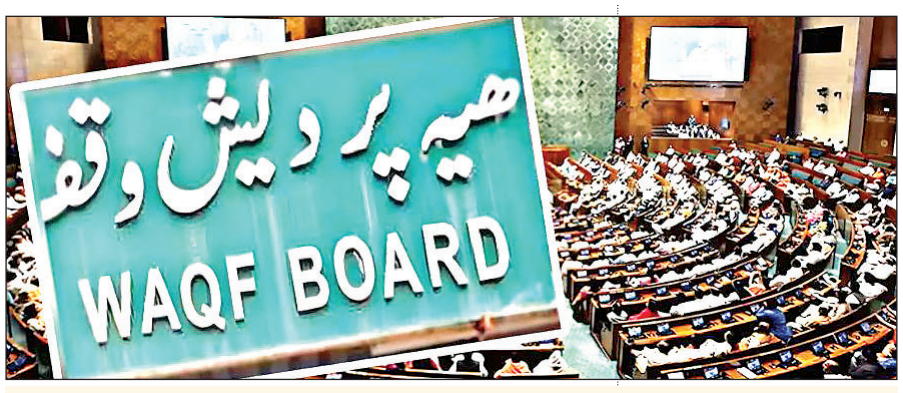

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। वक्फ संशोधन बिल दो अप्रैल को प्रश्नकाल के बाद दोपहर 12 बजे लोकसभा में पेश होगा। स्पीकर ओम बिरला ने इस पर आठ घंटे चर्चा का समय निर्धारित किया है। इसके बाद बिल लोकसभा में पास किया जायेगा। मंगलवार को बिजनेस एडवाइजरी कमेटी (बीएसी) ने जब इस बात की जानकारी दी, तब विपक्ष ने कहा कि चर्चा 12 घंटे होनी चाहिए। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि बिल पर चर्चा का समय बढ़ाया जा सकता है। हालांकि विपक्ष ने बीएसी की बैठक से वाकआउट कर दिया। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने सरकार पर अपने एजेंडे को थोपने और विपक्षी सदस्यों की बात नहीं सुनने का आरोप लगाया। समाजवादी पार्टी सुप्रीमो और सांसद अखिलेश यादव ने कहा कि हम बिल का विरोध करेंगे। वक्फ संशोधन बिल पर आज भी लोकसभा में हंगामा हुआ। प्रश्नकाल खत्म होते ही विपक्ष ने नारेबाजी शुरू कर दी। इसके बाद स्पीकर ने कार्यवाही दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी थी।

भाजपा, कांग्रेस ने जारी किया ह्विप

इधर भाजपा ने वक्फ संशोधन विधेयक पर चर्चा के दौरान अपने सांसदों को सदन में उपस्थित रहने के लिए ह्विप जारी किया है। सत्ता पक्ष के दो अन्य घटक दलों, जदयू और टीडीपी ने भी अपने सांसदों को सदन में मौजूद रहने के लिए ह्विप जारी किया है। इस बीच सूत्रों के अनुसार सरकार ने जदयू और टीडीपी के सुझाव मान लिये हैं। दोनों पार्टियों ने वक्फ संशोधन बिल पर तीन सुझाव दिए थे। सरकार ने सभी को मान लिया है। हालांकि अब तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। उधर कांग्रेस ने भी अपने सभी सांसदों को बजट सत्र के बाकी बचे तीनों दिन सदन में मौजूद रहने के लिए ह्विप जारी किया है।

अगले सप्ताह चुने जायेंगे भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष

- पार्टी के नये राष्ट्रीय अध्यक्ष की घोषणा इसी महीने होगी

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। भाजपा को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष इसी महीने मिल जायेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नागपुर दौरे के बाद चुनावी प्रक्रिया तेज हो गयी है। सूत्रों के मुताबिक 30 मार्च को मोदी और संघ प्रमुख मोहन भागवत की मुलाकात में नये अध्यक्ष के नाम पर चर्चा हुई है। मोदी के नागपुर से लौटने के बाद पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से भी बातचीत हुई है। प्रधानमंत्री ने वर्तमान अध्यक्ष जेपी नड्डा, अमित शाह, राजनाथ सिंह और संगठन महामंत्री बीएल संतोष से राज्यों के संगठनात्मक चुनाव पर चर्चा की। सूत्रों के मुताबिक प्रधानमंत्री ने नड्डा और बीएल संतोष से कहा है कि इसी महीने भाजपा अध्यक्ष का

चुनाव पूरा करें। भाजपा ने अब तक 13 राज्यों में प्रदेश अध्यक्ष चुन लिये हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए 19 राज्यों में चुनाव पूरे करने जरूरी हैं। सूत्रों के मुताबिक अगले हफ्ते तक झारखंड, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल समेत बाकी बचे अधिकांश राज्यों के प्रदेश अध्यक्षों के नामों की घोषणा कर दी जायेगी।

यूपी के सीएम ने प्रधानमंत्री पद की दावेदारी के बारे में दिया जवाब

मैं योगी हूं, हमेशा के लिए राजनीति में नहीं : योगी

आजाद सिपाही संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री पद की दावेदारी को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि मैं दिल से एक योगी हूं और राजनीति मेरा पूर्णकालिक व्यवसाय नहीं है। मैं मुख्यमंत्री पद पर उत्तर प्रदेश की जनता की सेवा करने के लिए हूं और मैं हमेशा के लिए राजनीति में नहीं आया हूं। मेरी पार्टी भाजपा ने मुझे जो जिम्मेदारी दी है, उसे मैं निभा रहा हूं। उन्होंने प्रधानमंत्री पद की दावेदारी को लेकर खंडन किया। उन्होंने कहा कि मैं कब तक राजनीति में रहूंगा, इसकी समय सीमा है। मैं हमेशा के लिए राजनीति में नहीं हूं। बता दें कि इन

दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तराधिकारी को लेकर चर्चाएं काफी तेज हैं और योगी को उनके समर्थकों के द्वारा प्रधानमंत्री पद के दावेदार के तौर पर देखा जा रहा है। सोशल मीडिया पर हो रही चर्चाओं में सीएम योगी और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को प्रधानमंत्री पद के दावेदार के तौर पर देखा जा रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राजनीति में धर्म का मिलन गलत नहीं है। ये हमारी गलती है कि हम धर्म को कुछ स्थानों के लिए सीमित कर देते हैं और राजनीति को कुछ लोगों के लिए छोड़ देते हैं। इससे समस्याएं उत्पन्न होती हैं। राजनीति का उद्देश्य स्वार्थों की पूर्ति करना नहीं है, बल्कि समाज की भलाई करना है। इसी तरह धर्म का उद्देश्य भी परमार्थ होता है। जब धर्म का प्रयोग स्वार्थ की पूर्ति के लिए होता है, तो मुश्किल आती है, लेकिन परमार्थ का उद्देश्य होने पर धर्म प्रगति के मार्ग खोलता है।

कोकर और गाड़ी होटवार के दो लड़के रीमिक्स फॉल में डूबे

- चार दिन पहले कोकर अयोध्यापुरी के दो सगे भाई डूबे थे

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। जिले के प्रसिद्ध रीमिक्स फॉल में मंगलवार को फिर एक हादसा हुआ। इसमें दो लड़के डूब गये। इनमें रांची के खेलगांव थाना के गाड़ी होटवार महुआटोली निवासी 15 वर्षीय रोलेन तिर्की (पिता महेंद्र तिर्की) और जुनास सांगा (पिता जेम्स जुनास सांगा, खोरहाटोली कोकर) शामिल हैं। ये दोनों सरहुल की छुट्टी में अपने पांच दोस्तों के साथ रीमिक्स फॉल घूमने आये थे।

रोलेन तिर्की खोरहा टोली कोकर स्थित डॉन बॉस्को स्कूल में नौवीं का छात्र था, वहीं जेम्स जुनास सांगा दीपाटोली के क्लूनी कॉन्वेंट स्कूल में कक्षा नौवीं में पढ़ाई कर रहा था। फॉल में नहाने के दौरान दोनों फिसल कर गहरे पानी में चले गये, जहां डूबने से दोनों की मौत हो गयी। घटना की सूचना पाकर मारंगहादा थाना की पुलिस वहां पहुंची और ग्रामीणों के सहयोग से पानी के अंदर चट्टान में फंसे दोनों शवों को बाहर निकाला गया।

चार दिन पूर्व भी कोकर के दो भाई डूब गये थे

रीमिक्स जल प्रपात में चार दिन पहले ही डूबने से कोकर के सगे भाइयों की मौत हो थी। लोगों का कहना है कि जिन्हें तैरना नहीं आता, उनके लिए रीमिक्स फॉल में नहाना बेहद खतरनाक है।

आजाद सिपाही
रांची, बुधवार, 02 अप्रैल, 2025
www.azadsipahi.in
02

वक्फ विधेयक पर होगी एनडीए की अग्निपरीक्षा

■ नीतीश और चंद्रबाबू नायडू की पार्टियों पर हैं सभी की निगाहें

■ संसद के दोनों सदनों में तैयार हो चुकी है टकराव की जमीन

आजाद सिपाही विशेष

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्ववाली एनडीए सरकार अपने तीसरे कार्यकाल में एक बेहद महत्वपूर्ण विधेयक पेश करने जा रही है, जिसका दूरगामी असर होगा और आजादी के बाद से देश में चल रही एक बेहद अलोकतांत्रिक परंपरा को खत्म करने का मार्ग प्रशस्त होगा। यह विधेयक है वक्फ संशोधन विधेयक। इस विधेयक को लेकर देश का सियासी माहौल पहले से ही गर्म है। सत्ताधारी एनडीए के सबसे बड़े घटक दल भाजपा का इस मुद्दे पर नजरिया पूरी तरह साफ है, लेकिन उसके बाकी सहयोगी दलों को लेकर संशय की स्थिति बरकरार है। एनडीए सरकार के दो प्रमुख सहयोगी, नीतीश कुमार और एन चंद्रबाबू नायडू ने वक्फ विधेयक पर अपना नजरिया अब तक स्पष्ट नहीं किया है। चिराग पासवान के नेतृत्व वाली लोजपा (आर) ने भी वक्फ बिल को लेकर अपनी स्थिति स्पष्ट नहीं की है। ऐसे में कहा जा सकता है कि यह विधेयक वास्तव में संसद में एनडीए की अग्निपरीक्षा लेगा। इस विधेयक पर विपक्ष के साथ टकराव की जमीन पहले से ही तैयार हो चुकी है और मुस्लिम तुष्टिकरण की पक्षधर कांग्रेस और उसकी सहयोगी पार्टियों ने इसका विरोध करने का एलान किया है। ऐसे में यह देखनेवाली बात होगी की एनडीए के नेता संसद में इस विधेयक को पारित कराने को लेकर क्या रणनीति अपनाते हैं। वक्फ विधेयक दो अप्रैल को संसद में पेश होना है और भाजपा ने अपने सभी सांसदों को सदन में मौजूद रहने के लिए ह्विप जारी कर दिया है, लेकिन एनडीए के बाकी दल अब तक चुप हैं। ऐसे में क्या होगा भाजपा का रवैया और क्या होगा वक्फ विधेयक का, बता रहे हैं **आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।**

राकेश सिंह

संसद के चालू बजट सत्र के दूसरे चरण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार वक्फ संशोधन बिल लाने की तैयारी में है। यह बिल दो अप्रैल को लोकसभा में पेश किया जायेगा।

संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री किरेन रिजिजू ने पिछले साल आठ अगस्त को इस बिल को लोकसभा में पेश किया था, जिसे विपक्ष के हंगामे के बाद संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेज दिया गया था। जगदंबिका पाल की अगुवाई वाली जेपीसी की रिपोर्ट के बाद इससे संबंधित संशोधित बिल को कैबिनेट ने पहले ही मंजूरी दे दी है।

सरकार यह बिल संसद में लाती है, तो इसे पारित कराना कम चुनौतीपूर्ण नहीं रहने वाला। यह बिल पहले ही जेपीसी से होकर आ रहा है।

क्या है संसद में संख्या बल

लोकसभा में अभी 542 सदस्य हैं और 240 सदस्यों के साथ भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है। भाजपा की अगुवाई वाले सत्ताधारी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के सदस्यों की संख्या 293 है, जो बिल पारित कराने के लिए जरूरी 272 के जादुई नंबर से अधिक है। विपक्ष की बात करें, तो कांग्रेस के 99 सदस्य हैं और इंडिया ब्लॉक में शामिल सभी दलों को मिला लें, तो भी संख्याबल 233 ही पहुंचता है। आजाद समाज पार्टी के एडवोकेट चंद्रशेखर, शिरोमणि अकाली दल की हरसिमरत कौर बादल भी सांसद हैं, जिनकी पार्टियां एनडीए या इंडिया ब्लॉक, किसी भी गठबंधन में नहीं हैं। कुछ निर्दलीय सांसद भी हैं, जो किसी भी गठबंधन के साथ खुल कर नहीं हैं। ऊपरी सदन राज्यसभा की बात करें, तो वहां इस समय 236 सदस्य हैं। इसमें भाजपा का संख्याबल 98 है। गठबंधनों के लिहाज से देखें, तो एनडीए के सदस्यों की संख्या 115 के करीब है। छह मनोनीत सदस्यों को भी जोड़ लें, जो आम तौर पर सरकार के पक्ष में ही मतदान करते हैं, तो नंबर गेम में एनडीए 121 तक पहुंच जा रहा है, जो विधेयक पारित कराने के लिए जरूरी 119 से दो अधिक है। कांग्रेस के 27 और इंडिया ब्लॉक के अन्य घटक दलों के 58 सदस्य राज्यसभा में हैं। कुल मिलाकर विपक्ष के पास 85 सांसद हैं। वाइएसआर कांग्रेस के नौ, बीजेडी के सात और एआइएडीएमके के चार सदस्य राज्यसभा में हैं। छोटे दलों और निर्दलीय मिलाकर तीन सदस्य हैं, जो न तो सत्ताधारी गठबंधन में हैं और ना ही विपक्षी गठबंधन में।

बिल पर सरकार बनाम विपक्ष क्यों

सत्तापक्ष का कहना है कि वक्फ संशोधन बिल के माध्यम से इसकी संपत्तियों से संबंधित विवादों के निपटारे का अधिकार मिलेगा। वक्फ की संपत्ति का बेहतर इस्तेमाल हो सकेगा और इससे मुस्लिम समाज की महिलाओं को भी मदद मिल सकेगी। भाजपा सांसद जगदंबिका पाल की अगुवाई वाली जेपीसी ने एनडीए के घटक दलों की ओर से प्रस्तुत किये गये 14 संशोधनों के साथ अपनी रिपोर्ट संसद में पेश कर दी थी। जेपीसी ने विपक्ष की ओर से प्रस्तावित किये गये 44 संशोधनों को खारिज कर दिया था।

क्या है एनडीए के सहयोगी दलों का रुख

वक्फ संशोधन बिल पर एनडीए में भाजपा के सहयोगी दलों जदयू और चिराग पासवान की पार्टी लोजपा (आर) ने सस्पेंस बढ़ा दिया है। दोनों दलों ने बिल को लेकर अपने पत्ते नहीं खोले हैं, लेकिन इशारों में ही विपक्ष की टेंशन बढ़ा दी है। चिराग और नीतीश की पार्टी ने कहा कि विपक्ष मुसलमानों को भ्रमित कर रहा है। इस तरह लोगों को डराना नहीं चाहिए। हालांकि जदयू के एमएलसी गुलाम गौस ने खुलकर बिल का विरोध किया है और मोदी सरकार से इसे वापस लेने की अपील की है। गुलाम गौस ने कहा कि मेरी राय है कि इस विधेयक को तत्काल वापस लिया जाये। यह देश हित और जनहित में होगा। किसान आंदोलन जब चला, तो बहुत से लोग हताहत हुए और अंत में देश हित में विधेयक को वापस लिया गया। अब जब किसान विधेयक वापस हो सकता है, तो फिर वक्फ बिल क्यों नहीं होगा। वहीं ललन सिंह ने इस पर कुछ नहीं कहा। उन्होंने कहा कि हम लोकसभा में ही इस बिल पर अपना रुख स्पष्ट करेंगे। हमें विपक्ष से सर्टिफिकेट लेने की जरूरत नहीं है। नीतीश कुमार को कांग्रेस के प्रमाण पत्र की जरूरत नहीं है। वहीं संजय झा ने कहा कि वक्फ पर कानून बनाना है, तो उसे पीछे से लागू न किया जाये। नीतीश कुमार जी ने कभी भी मुसलमानों का अहित नहीं होने दिया है। चिराग पासवान की पार्टी ने भी बिल पर हां या ना नहीं कहा है, लेकिन उसने विपक्ष पर भ्रम फैलाने का आरोप लगाया है। वक्फ संशोधन बिल को लेकर अमित शाह एनडीए के सहयोगी और बिहार में सरकार के साझेदार जदयू को साधने में जुट गये। शाह ने ललन सिंह और संजय झा के साथ बैठक की। बैठक में शाह ने जदयू सांसदों के साथ वक्फ संशोधन बिल को लेकर चर्चा की। वहीं एनडीए की एक और अहम सहयोगी तेलुगू देशम पार्टी ने वक्फ संशोधन बिल का समर्थन करने का फैसला किया है। टीडीपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रेम कुमार जैन ने मंगलवार को कहा कि पार्टी वक्फ (संशोधन) विधेयक के समर्थन में है। उन्होंने आश्वासन दिया कि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू मुसलमानों के पक्ष में हैं। बिल के बारे में बोलते हुए प्रेम कुमार जैन ने कहा कि पूरा मुस्लिम समुदाय वक्फ संशोधन विधेयक के पेश होने का इंतजार कर रहा है। हमारी पार्टी इसका समर्थन करेगी। चंद्रबाबू नायडू पहले ही कह चुके हैं कि हम मुस्लिम समुदाय के हितों के लिए काम करेंगे। कल बिल पेश किया जायेगा, उसके बाद ही हम इस पर कोई टिप्पणी करेंगे। मैं आपको भरोसा दिलाता हूं कि चंद्रबाबू नायडू मुसलमानों के पक्ष में हैं। लेकिन आगे क्या होता है इस पर सबकी निगाहें हैं।

वक्फ बिल पर प्रमुख आपत्तियां क्या

- वक्फ के किसी संपत्ति विवाद पर अब फैसले के लिए खिलाफ हाइकोर्ट जा सकते हैं। हालांकि पहले वक्फ ट्रिब्यूनल का फैसला ही आखिरी माना जाता था।
- अब दान किये बिना किसी संपत्ति पर वक्फ अपना अधिकार नहीं जता सकता, लेकिन इससे पहले दावे के साथ ही कोई भी संपत्ति वक्फ का अधिकार हो जाती थी।
- वक्फ बोर्ड में महिला और अन्य धर्म से दो सदस्य होने चाहिए। लेकिन पहले बोर्ड में महिला और अन्य धर्म के सदस्य नहीं होते थे।
- कलेक्टर वक्फ की संपत्ति का सर्वेक्षण कर सकेगा और उसे संपत्ति का निर्धारण करने का अधिकार दिया गया है।

कलश यात्रा के दौरान महिलाओं पर पथराव की घटना घोर निंदनीय: बाबूलाल

सीएम से कहा- हिंदू समाज के धैर्य की परीक्षा लेना बंद करें

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि कोडरमा में कलश यात्रा के दौरान महिलाओं पर पथराव की घटना न केवल घोर निंदनीय है, बल्कि राज्य सरकार और प्रशासन की पूरी तरह से विफलता का स्पष्ट प्रमाण भी है।

यह कितना शर्मनाक और दुर्भाग्यपूर्ण है कि देवियों की उपासना से जुड़ी एक पवित्र यात्रा में शामिल माताओं-बहनों को सुरक्षा तक नहीं मिल पाती। गिरिडीह में भी रामनवमी का भजन बजाने के दौरान समुदाय विशेष द्वारा पथराव किये जाने की सूचना है। जब पुलिसकर्मियों द्वारा शांति की अपील करने पर सरकार द्वारा उन्हें दंडित किया जायेगा, तो उपद्रवियों के हौसले बुलंद होना स्वाभाविक है।

झारखंड में स्थिति भयावह

आज झारखंड में स्थिति इतनी भयावह हो चुकी है कि हिंदू समाज अपने ही त्योहारों को शांतिपूर्वक नहीं मना सकता। बंगाल में जिस प्रकार से हिंदू पर्वों को निशाना बनाया जाता है, उससे भी बदतर हालात अब झारखंड में बनते जा रहे हैं। सीएम से कहा कि हिंदू समाज के धैर्य की कठोर परीक्षा लेना बंद करिए। पत्थरबाजों पर सख्त कार्रवाई कर उदाहरण प्रस्तुत करिये ताकि सभी पर्व त्योहार सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में संपन्न हो सकें।

मालगाड़ियों की टक्कर में दो की मौत, चार घायल

आजाद सिपाही संवाददाता

साहिबगंज। झारखंड के साहिबगंज में मंगलवार तड़के नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन (एनटीपीसी) की ओर से संचालित दो मालगाड़ियां आपस में टकरा गयीं। इस हादसे में दो लोको पायलट की मौत हो गयी और चार अन्य घायल हो गये।

जानकारी के अनुसार घटना तड़के साढ़े तीन बजे के आसपास की है। फरक्का-ललमटिया एमजीआर रेलवे लाइन पर बरहेट यार्ड के पास पहले से खड़ी मालगाड़ी से कोयला लदी दूसरी मालगाड़ी टकरा गयी। इस घटना में फरक्का से आकर बरहेट यार्ड में खड़ी मालगाड़ी के लोको पायलट बोकारो निवासी अंबुज महतो (32) और पश्चिम बंगाल के रिटायर लोको पायलट जीएस मॉल (62) की मौत हो गयी। वहीं चार कर्मी जितेंद्र कुमार (32), उदय मंडल (45), राम घोष (55) और टीके नाथ (48) घायल हो गये। घायलों को बरहेट सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से उन्हें बेहतर इलाज के लिए साहिबगंज रेफर कर दिया गया है।

मामले को लेकर एनटीपीसी के एजीएम शांतनु दास ने घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जानकारी ली। उन्होंने बताया कि घटना के संबंध में जांच प्रारंभ कर दी गयी है। जो भी दोषी होगा, उस पर कार्रवाई की जायेगी। इस संबंध में साहिबगंज एसपी अमित कुमार सिंह ने बताया कि घटना में दो लोगों की मौत हुई है। चार लोग घायल हैं।

गिरिडीह में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत, हत्या की आशंका

मां-बेटे का शव पेड़ से लटका मिला, बेटी का शव तालाब से बरामद

प्रथम दृष्टया मामला हत्या का, पुलिस कर रही जांच : एसडीपीओ

आजाद सिपाही संवाददाता

गिरिडीह। गिरिडीह जिले के लोकाय थाना क्षेत्र से एक दिल दहलाने वाली घटना सामने आयी है। जहां मां-बेटे का शव पेड़ से लटका मिला। वहीं, पेड़ के ही पास स्थित तालाब से बेटी का लहूलुहान शव बरामद किया है। यहां गौर करने वाली बात यह है कि तालाब में जिस बच्ची का शव मिला है उसकी आंखे फोड़ दी गयी हैं और उसके चेहरे पर जख्म के गंभीर निशान हैं। वारदात तिसरी प्रखंड के लोकाय थाना क्षेत्र के पनियाय गांव की है। गांव के चारो हेंब्रम की पत्नी रिनवा टूडू, उसके 5 वर्षीय पुत्र सचित हेमब्रम और 9 वर्षीय पुत्री सरिता हेमब्रम की नृशंस हत्या कर दी गयी। हत्या के बाद मां-बेटे का शव गांव के तालाब के पास स्थित एक पेड़ पर

महिला की साड़ी के फंदे से लटका दिया गया, जबकि उसकी पुत्री का शव तालाब में डूबा हुआ था। सूचना मिलते ही खोरीमहुआ एसडीपीओ राजेंद्र प्रसाद, इंस्पेक्टर पासकल टोप्पो, लोकाय थाना प्रभारी अमित कुमार, थानसिंहडीह ओपी प्रभारी नीरज कुमार, मनसाडीह ओपी प्रभारी अंकित कुमार, गांवा थाना प्रभारी अभिषेक सिंह दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और जांच-पड़ताल में जुट गये। मृत महिला के पति चारो हेंब्रम का कहना है कि सोमवार की रात करीब 10 बजे उसके घर में कोई घुसा था। यह देख वह अपने चाचा को बुलाने गया, इसी बीच उसकी पत्नी और दोनों बच्चे गायब कर दिये गये। बहुत ढूंढने के बाद नहीं मिलने पर सुबह पता चला कि उसकी पत्नी और पुत्र की लाश पेड़ पर टंगी है।

एसडीपीओ राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि प्रथम दृष्टया यह हत्या का मामला लग रहा है। अनुसंधान जारी है। डॉग स्क्वायड और फिंगरप्रिंट व टेक्निकल टीम पहुंच रही है। हर एंगल से मामले की जांच की जायेगी। हत्यारा जल्द ही पुलिस की गिरफ्त में होगा। पुलिस की शक की सुई परिजनों पर भी जा रही है। फिलहाल पुलिस सभी एंगल पर गहन जांच कर रही है। मृतका गांवा थाना क्षेत्र के पोलमा गांव की रहने वाली थी। बीते दिनों लक्ष्मीबथान में इलाज के अभाव में दम तोड़ देने वाली पानो हेम्ब्रम की वह भाभी थी।

घटनास्थल पर पहुंचे झामुमो-माले नेता, कहा- हत्या हुई है

घटना की जानकारी मिलने पर झामुमो नेता सह धनवार के पूर्व विधायक निजामुद्दीन अंसारी व माले नेता पूर्व विधायक राजकुमार यादव भी मौके पर पहुंचे निजामुद्दीन अंसारी ने कहा कि यह आत्महत्या नहीं हत्या है। फोरेंसिक टीम आ रही है, जल्द ही हत्यारा पकड़ा जायेगा। उन्होंने हत्यारों को फांसी की सजा देने की मांग की। वहीं राजकुमार यादव ने कहा कि यह बहुत ही निंदनीय घटना है। फोरेंसिक जांच के साथ-साथ एसआइटी का भी गठन हो। इस घटना में जो भी संलिप्त है जल्द से जल्द उसे गिरफ्तार किया जाये। इस मामले में दोनों नेताओं ने एसडीपीओ से भी बातचीत की।

देवी कूष्मांडा

सुरासम्पूर्णकलशं रूधिराप्लुतमेव च ।
दधानाहस्तपद्माभ्यां कूष्माण्डा शुभदास्तु मे ।।

अर्थ

अर्थः अमृत से भरे कलश को धारण करने वाली, कमल के फूल से युक्त तेजोमय मां कूष्मांडा शुभ फल प्रदान

पूजा विधि

जल, दूध, मौली, चंदन, चावल, फूल, कुमकुम, हल्दी, चढ़ाएं। घी का दीपक और धूप लगायें । घी से बने मालपुए, कद्दू के पेठे और मौसमी फल का भोग लगाकर आरती करें।

देवी स्कंदमाता

सिंहासनगता नित्यं पद्माश्रितकरद्वया।
शुभदास्तु सदा देवी स्कंदमाता यशस्विनी ॥

अर्थ

सिंह पर सवार दोनों हाथों में कमल का फूल धारण करने वाली यशस्विनी देवी स्कंदमाता हमारे लिए शुभदायी हों।

पूजा विधि

देवी का ध्यान कर के कलश पर चावल चढ़ायें और गंगाजल छिड़कें। चंदन, हल्दी, कुमकुम, अक्षत और कनेर के फूल चढ़ायें। धूप-दीप के साथ केले और अन्य फलों का भोग लगायें ।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
200000 Subscribers
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	34.8 °C	18.2 °C
सूर्यास्त (आज)	:	18.04 बजे
सूर्योदय (कल)	:	05.41 बजे

आजाद सिपाही
रांची, बुधवार, 02 अप्रैल, 2025
www.azadsipahi.in

अल्बर्ट एक्का चौक : सरहुल शोभायात्रा में दिखा अद्भुत और अलौकिक नजारा

आदिवासी कॉलेज छात्रावास में आयोजित सरहुल महोत्सव में शामिल हुए हेमंत

आनेवाले 25 वर्ष को ध्यान में रख कर हमें आगे बढ़ना है : मुख्यमंत्री

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि पर्व-त्योहारों से हमारी परंपरा, सभ्यता-संस्कृति और आस्था जुड़ी है। इससे जीवन में उमंग, उत्साह और उल्लास का संचार होता है। इसी कड़ी में हम सालों-साल से परंपरानुसार सरहुल पर्व मनाते आ रहे हैं। हमारे पूर्वजों ने इस प्रकति पर्व की परंपराओं को अक्षुण्ण एवं मजबूती दी है। हमें विरासत में मिली इस परंपरा को और आगे ले जाना है।

मुख्यमंत्री सोरेन मंगलवार को आदिवासी कॉलेज छात्रावास परिसर करमटोली में आयोजित सरहुल पूजा महोत्सव के अवसर पर छात्र-छात्राओं को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने यहां पारंपरिक विधि विधान से पूजा-अर्चना कर राज्य के विकास, सुख-समृद्धि एवं शांति की कामना की। मुख्यमंत्री ने परिसर में पौधरोपण (सखुआ का पौधा लगाकर) कर प्रकृति से जुड़े रहने का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने राज्य वासियों को सरहुल महापर्व की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि झारखंड के बेहतर भविष्य के लिए आने वाले 25 वर्षों को ध्यान में रखकर योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासी कॉलेज छात्रावास परिसर में हर वर्ष धूमधाम से सरहुल का त्योहार मनाया जाता है। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी मुझे यहां आयोजित सरहुल महोत्सव में शामिल होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। यहां आकर आप सभी के साथ खुशियों को बांटने का मौका मिल रहा है।

इस अवसर पर कृषि मंत्री शिल्पा नेहा तिर्की एवं विधायक कल्पना सोरेन ने भी पारंपरिक विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर राज्य के विकास तथा खुशहाली की कामना की।

अपनी परंपरा और सभ्यता-संस्कृति के लिए भी समय निकालें

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि यहां हम प्रकृति को संरक्षित रखने और अपनी परंपराओं को लेकर आगे बढ़ने का एक संकल्प लेते हैं। हमारा संकल्प पूरा हो, इस दिशा में हमें सदैव प्रयास करते रहना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हमारी जिंदगी काफी व्यस्त हो चुकी है। लोगों के पास वक़्त कम है, फिर भी विरासत में मिली अपनी परंपरा एवं सभ्यता-संस्कृति से जुड़े रहने के लिए वक़्त जरूर निकालें। यह हमारी आने वाली पीढ़ी की बेहतरी के लिए जरूरी है। इससे आपसी रिश्ते मजबूत होते हैं और पर्व-त्योहारों का जश्न मिलकर मनाने की अलग ही खुशी मिलती है।

आदिवासी छात्रावासों का हो रहा जीर्णोद्धार

मुख्यमंत्री सोरेन ने कहा कि विद्यार्थियों को बेहतर व्यवस्था देने के लिए सभी छात्रावासों का जीर्णोद्धार हो रहा है। इस कड़ी में आदिवासी कॉलेज छात्रावास करमटोली और महिला कॉलेज छात्रावास में मल्टी स्टोरी बिल्डिंग बनायी जायेगी। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे सिर्फ अपनी पढ़ाई की चिंता करें, बाकी सारी व्यवस्था सरकार करेगी। आप सही दिशा में आगे बढ़ें, सरकार आपके साथ खड़ी है।

राष्ट्रपति ने सरहुल पर्व पर दी शुभकामनाएं

रांची (आजाद सिपाही)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सरहुल पर लोगों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने उम्मीद जतायी कि लोग विकास के पथ पर आगे बढ़ते हुए प्राकृतिक विरासत को संरक्षित करने की सीख लेंगे। राष्ट्रपति मुर्मू ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, सभी देशवासियों को जनजातीय समुदाय द्वारा विशेष

उत्साह से मनाये जाने वाले सरहुल त्योहार की हार्दिक शुभकामनाएं।

इस पर्व पर, प्रकृति के असंख्य उपहारों के लिए कृतज्ञता व्यक्त की जाती है। नव वर्ष के आगमन के प्रतीक इस त्योहार पर मैं सबके लिए सुख-समृद्धि की कामना करती हूं। मेरी मंगल कामना है कि जनजातीय समुदायों से सीख लेकर, सभी देशवासी, प्राकृतिक विरासत का संरक्षण करते हुए विकास के पथ पर निरंतर आगे बढ़ें।

रैंप विवाद में दायर मामले में कार्रवाई पर सीएम की रोक

रांची (आजाद सिपाही)। सीएम हेमंत सोरेन ने रांची के सिरमटोली स्थित सरना स्थल के पास रैंप के विवाद को लेकर पुलिस बल के साथ धक्का-मुक्की और छीना-झपटी करने वाले अभियुक्तों के खिलाफ कार्रवाई पर रोक लगा दी है। सरकार ने डीजीपी को इससे संबंधित आदेश दिया है। उल्लेखनीय है कि दो दिन पहले रैंप हटाने की मांग को लेकर कुछ लोगों ने जुलूस निकाल कर उग्र प्रदर्शन किया था। इस दौरान बैरिकेड तोड़ने के साथ-साथ पुलिस बल के साथ धक्का-मुक्की और छीना-झपटी की गयी थी। घटना के बाद में चुटिया थाना में कांड संख्या 77/2025 सुसंगत धाराओं के अंतर्गत दर्ज किया गया था। सरकार ने डीजीपी को कहा है कि चूंकि यह घटना सरहुल पर्व की भावना से जुड़ा हुआ है। अतः इस प्राथमिकी के आधार पर अभियुक्तों के विरुद्ध किसी भी कार्रवाई पर रोक लगायी जाये। इसके बाद डीजीपी ने एसएसपी रांची को निर्देश दिया है कि इस कांड में कोई अग्रतर कार्रवाई नहीं की जाये।

पाहन ने इस वर्ष सामान्य से कम बारिश का लगाया अनुमान

सरना स्थल पर प्रकृति, पूर्वज और देवी देवताओं की पूजा की

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राजधानी रांची सहित पूरे राज्य में प्रकृति पर्व सरहुल का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान पाहन ने मंगलवार को सरना स्थल पर प्रकृति, पूर्वज और देवी देवताओं की पूजा की। सरना स्थल पर दो घड़े में रखे पानी का आकलन कर हातमा सरना समिति के पुरोहित (पाहन) जगलाल पाहन ने बताया कि इस साल सामान्य से कम बारिश होने की संभावना है।

इससे पहले पुजारी जगलाल पाहन ने सरना स्थल पर विधि विधान के साथ देवी-देवताओं,

प्रकृति और पूर्वजों की पूजा की। इस दौरान सफेद यानी चरका मुर्गे की बलि भगवान सिंगबोंगा को, रंगवा मुर्गे की बलि जल देवता यानी इकिर बोंगा को, रंगली मुर्गे की बलि पूर्वजों को और काले मुर्गे की बलि अनिष्ट करने वाली आत्माओं की शांति के लिए दी गयी। पूजा के बाद घड़े में रखे पानी से पाहन को स्नान कराया गया। थाली में उनके पैर धोये गये। इसके बाद पाहन ने बारिश की भविष्यवाणी की।

पुजारी जगलाल पाहन ने बताया कि मौसम को देखते हुए कृषि कार्य शुरू करें। मौसम की भविष्यवाणी की परंपरा आदिकाल से चलती आ रही है। जब साइंस डेवलप नहीं हुआ था, उस समय आदिवासियों के पूर्वज प्रकृति के तौर तरीकों का आंकलन कर अनुमान लगाते थे कि मानसून कैसा रहेगा। यह परंपरा सदियों से चलती आ रही है।

पाहन ने बताया कि सरहुल पर्व में तीन दिन का आयोजन होता है, जिसमें पहले दिन जनजातीय समाज के लोग उपवास रखते हैं। सुबह खेत एवं जलाशयों में जाकर केकड़ा एवं मछली पकड़ते हैं। पूजा के बाद रसोई में उसे सुरक्षित रख देते हैं। ऐसी मान्यता है कि फसल बोने के समय केकड़ा को गोबर पानी से धोया जाता है। इसके बाद उसी गोबर पानी से फसलों के बीज को भीगा कर खेतों में डाला जाता है।

पाहन ने बताया कि पूर्वजों की ऐसी मान्यता है कि केकड़ा के 8-10 पैरों की तरह फसल में भी ढेर सारी जड़े निकलेंगी और बालियां भी खूब होंगी। अच्छी फसल होगी। उन्होंने बताया कि पहले धरती पर पानी ही पानी था। केक-ड़े ने मिट्टी बनाई और धरती वर्तमान स्वरूप में आयी। उन्होंने कहा कि कितना भी अकाल पड़ जाये, जहां केकड़ा होगा वहां संकेत है कि पानी जरूर होगा।

रजिस्ट्री सं.डी.एल.–33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India
सी.जी.–डी.एल.–अ–28032025–262049
असाधारण
भाग II–खण्ड 3 – उप–खण्ड (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित

सं. 1431] नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 26, 2025/चैत्र 5, 1947

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय
अधिसूचना
नई दिल्ली, 26 मार्च, 2025

का.आ. 1449(अ). – केन्द्रीय सरकार ने, राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम, 1956 (1956 का 48) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3क की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 847 तारीख 17.02.2025, जो भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खण्ड 3, उपखंड (ii) में प्रकाशित की गई थी, द्वारा झारखंड राज्य के राँची जिले में NH33 के कि.मी. 113.73 से कि.मी. 139.225 (रांची) तक के राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण (चोड़ाकरने/चार लेन का बनाने, आदि), अनुरक्षण, प्रबंधन और प्रचालन के लिए उस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त अधिसूचना का सार उक्त अधिनियम की धारा 3क की उपधारा (3) के अधीन तारीख **"20.02.2025"** को **"राँची एक्सप्रेस"** और **"द टाइम्स ऑफ इंडिया"** दोनों में प्रकाशित किया गया था;

जबकि सक्षम प्राधिकारी को धारा 3–ग के तहत कोई भी आपत्ति प्राप्त नहीं हुई है।

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 3घ की उपधारा (1) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, सक्षम प्राधिकारी की उक्त रिपोर्ट प्राप्त हो जाने पर और उक्त अधिनियम की धारा 3घ की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि उक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि का पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए अर्जन किया जाना चाहिए;

और अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 3घ की उपधारा (2) के अनुसरण में यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन पर, उक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि सभी विल्लंगमों से मुक्त होकर आत्यन्तिक रूप से केन्द्रीय सरकार में निहित हो जाएगी।

अनुसूची

झारखंड राज्य के राँची जिले में NH33 के कि.मी. 113.73 से कि.मी.139.225 (रांची) के लिए अर्जन की जाने वाली संरचना सहित अथवा संरचना रहित विवरण।

[फा.स. NHAI/BOT/11012/14/2004/LA/3D]
शेख अमीनखान, निदेशक

जिला: राँची
प्रकाशन तिथि: 26.03.2025
https://egazette.gov.in/(S(wzqhwgcynloloyuzao5a3uec))/ViewPDF.aspx
https://bhoomirashi.gov.in/auth/revamp/three_d.cshtml?EncHid=1536391915
नोट:– इस अधिसूचना की वास्तविक प्रति सी.ल./पीआईयू/पीएमयू/आरओ/ईडी के कार्यालय में भी उपलब्ध है और भूमि मालिक वहां भी अधिसूचना देख सकते हैं।

मांदर और नगाड़ों की थाप पर झूमे लोग

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राजधानी रांची में मंगलवार को सरहुल की धूम रही। अल्बर्ट एक्का चौक पर शोभा यात्रा का अ्भुत और विहंगम नजारा दिखा। प्रकृति के संरक्षण का संदेश देते हुए शोभा यात्रा में शामिल लोगों का कारवां लगातार सिरम टोली सरना स्थल की ओर आगे बढ़ता जा रहा था। नगाड़ों और मांदर की थाप लोग जमकर थिरकते नजर आये। इससे पहले सीएम हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन ने सरना स्थल पर पूजा अर्चना की। इसके बाद मांदर और नगाड़ों की थाप पर जमकर थिरके। मौके पर कैबिनेट मंत्री चमरा लिंडा और शिल्पी नेहा तिर्की भी मौजूद रहीं।

दिखी झारखंडी संस्कृति की झलक : शोभा यात्रा में शामिल लोग झारखंडी संस्कृति की झलक दिखाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। भाइचारगी का भी संदेश दिया। हातमा से दोपहर एक बजे सरहुल की शोभा यात्रा निकली। इससे पहले पूर्व सीएंम चंपाई सोरेन हातमा पहुंचे। वहां पूजा-अर्चना की। महिलाओं ने उनके पांव पखारे। पांव पखारने वाली महिलाओं को चंपाई सोरेन ने 501 रुपये दिये। जगलाल पाहन को जब घड़े के पानी से स्नान कराने की परंपरा में भी चंपाई सोरेन मौजूद रहे।

रथ पर सवार होकर जगलाल पाहन अलबर्ट एक्का चौक पहुंचे : सभी परंपराओं को पूरा करने के बाद जगलाल पाहन रथ पर सवार होकर अलबर्ट एक्का चौक पहुंचे। वहां उनका भव्य तरीके से स्वागत किया गया। सभी खोड़हा नेतृत्वकर्ताओं को सरना अंगवस्त्र देकर स्वागत किया गया। इसके बाद राजधानी के विभिन्न सरना स्थलों से जुलूस निकलना शुरू हो गया। मांदर की थाप पर नृत्य-गीत गाते हुए सिरमटोली स्थित सरना स्थल पर पहुंचे। सभी खोड़हा द्वारा सरना स्थल की तीन बार परिक्रमा की गयी।

सरना ड्रेस का दिखा जबरदस्त क्रेज

शोभायात्रा में खास बात यह रही कि इसमें सरना ड्रेस का जबरदस्त क्रेज दिखा। कुछ साल पहले तक सरहुल सरहुल महोत्सव के दौरान महिलाएं लाल पाड़ वाली सफेद साड़ी पहनकर झूमतीं नजर आतीं थी। अब प्रकृति से जुड़ी तरह तरह की प्रिंट वाली साड़ियों का भी क्रेज दिखा। विभिन्न सरना समितियों ने शोभा यात्रा में शामिल लोगों का स्वागत किया। रांची के विधायक सीपी सिंह, आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो सहित अन्य नेताओं ने भी अल्बर्ट एक्का चौक पर लोगों का स्वागत करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी।

प्रकृति की रक्षा करना हम सब की जिम्मेदारी : सन्नी टोप्पो

मांडर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न जगहों पर सरहुल शोभायात्रा में शामिल हुए भाजपा नेता सन्नी टोप्पो

मांडर (आजाद सिपाही)। प्राकृतिक संरक्षण एवं प्राकृतिक प्रेम का संदेश देने वाले महापर्व सरहुल के पावन अवसर पर मांडर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा नेता सन्नी टोप्पो विभिन्न जगहों पर शोभायात्रा में शामिल हुए। शोभा यात्रा समितियों ने अपने लोकप्रिय नेता का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। उन्होंने जुलूस में शामिल लोगों के साथ जम का नृत्य किया एवं कहा कि प्रकृति संरक्षण का संदेश देने वाला यह महापर्व हम सबको आपस में जोड़ कर रखता है और प्रकृति से जुड़कर अपनी सभ्यता और संस्कृति की रक्षा कर-के उसे अक्षुण्ण बनाये रखने के लिए संकल्प लेने का संदेश देता है। श्री टोप्पो सरहुल के अवसर मांडर चान्हो के विभिन्न शोभायात्रा टोली के साथ नृत्य करते नजर आये। इस मौके पर हजारों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

केंद्रीय सरना समिति ने हर्षोल्लास के साथ मनाया सरहुल महोत्सव

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष फूलचंद तिर्की के नेतृत्व में आदिवासी समाज ने बड़े हर्षोल्लास के साथ सरहुल पूजा महोत्सव मनाया। इस पावन अवसर पर विभिन्न गांवों और टोलों से आये श्रद्धालु पारंपरिक परिधानों में सुसज्जित होकर, ढोल-नगाड़ों और मांदर की गूंज के साथ नृत्य और गायन करते हुए सरहुल की शोभायात्रा में शामिल हुए। यह यात्रा हतमा सरना स्थल से प्रारंभ होकर सिरम टोली सरना स्थल पर संपन्न हुई। इस महोत्सव के स्वागत में केंद्रीय सरना समिति द्वारा मार्ग पर विशेष स्वागत स्थल बनाया गया, जहां समिति के पदाधिकारियों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने श्रद्धालुओं का स्वागत किया। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

महोत्सव में केंद्रीय सरना समिति के संरक्षक भुवनेश्वर लोहरा, उपाध्यक्ष प्रमोद एक्का, महिला अध्यक्ष ऊषा खलखो, अमर तिर्की, अनिता गाड़ी, बल्कू उरांव, सोहन कच्छप सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सरहुल महोत्सव प्रकृति और समाज के प्रति आभार प्रकट करने का पर्व है, जो आदिवासी समुदाय की सांस्कृतिक एकता और परंपराओं को सुदृढ़ करता है। केंद्रीय सरना समिति इस महोत्सव के सफल आयोजन के लिए सभी श्रद्धालुओं एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त करती है।

सरहुल खुशियों का प्रतीक : डॉ तपन कुमार शांडिल्य

जनजातीय और क्षेत्रीय भाषा विभागों के संयुक्त तत्वावधान में मनाया गया सरहुल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। एक अप्रैल को डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची के प्रांगण में सरहुल महोत्सव का आयोजन किया गया। यह आयोजन विश्वविद्यालय के विभिन्न जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभागों के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। मौके पर प्रकृति पर्व सरहुल का आयोजन पूरे विधि-विधान और नृत्य संगीत के साथ किया गया। इस अवसर विशिष्ट अतिथिगणों में झारखंड ओपन यूनिवर्सिटी, रांची के कुलपति डॉ टीएन साहू, पूर्व कुलपति डॉ सत्यनारायण मुंडा, पूर्व कार्यकारी कुलपति डॉ यूसी मेहता, पद्मश्री मुकुंद नायक और पद्मश्री मधु मंसूरी हंसमुख और डॉ सर्वोत्तम कुमार विशेष तौर पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची के कुलपति डॉ तपन कुमार शांडिल्य ने कहा कि सरहुल झारखंड का सबसे बड़ा नृत्य उत्सव है। झारखंड के विषय में यह कहा जाता कि यहां चलना, नृत्य व बोलना ही गीत संगीत का परिचायक है। उन्होंने आगे कहा कि सरहुल पर्व के मौके पर निकाली गयी शोभायात्रा में शामिल सभी आयु वर्ग के लोग एक लय और ताल में नृत्य और एकता का संदेश देते हैं। इसके पूर्व स्वागत भाषण डॉ विनोद कुमार ने दिया। पूर्व कुलपति डॉ सत्यनारायण मुंडा ने भी सरहुल पर्व की महत्ता पर प्रकाश डाला। इस मौके पर सभी अतिथियों ने अखड़ा में लय और ताल के साथ सामूहिक नृत्य और गायन किया। मंच संचालन डॉ जय किशोर मंगल और डॉ डुमनी माई मुर्मू ने किया। मौके पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों, कर्मियों और जनजातीय और भाषा विभाग के विद्यार्थियों की मौजूदगी रही। यह जानकारी पीआरओ डॉ राजेश कुमार सिंह ने दी।

दक्षिण पूर्व रेलवे ने अखिल भारतीय रेलवे जिम्नास्टिक चैंपियनशिप का आयोजन किया

आजाद सिपाही संवाददाता

कोलकाता। गार्डन रीच में रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड के तत्वावधान में 28 से 30 मार्च तक बीएनआर इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 53वीं अखिल भारतीय रेलवे जिम्नास्टिक चैंपियनशिप आयोजित की गयी।

इस प्रतियोगिता में कोच और प्रबंधक सहित कुल 63 प्रतिभागियों और रेलवे बोर्ड के सदस्यों सहित 40 तकनीकी अधिकारियों ने भाग लिया। सात क्षेत्रीय रेलवे ने इस चैंपियनशिप में भाग लिया। उद्घाटन दिवस पर महुआ वर्मा, उपाध्यक्ष एसइआरएसए/पीसीपीओ, दक्षिण पूर्व रेलवे ने गार्डन रीच में सभी क्षेत्रीय रेलवे टीमों का स्वागत किया। अपने भाषण में उन्होंने मानसिक और शारीरिक क्षमता के विकास के लिए खेल की आवश्यकता पर जोर दिया। दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक अनिल कुमार मिश्रा ने इस अवसर पर समाज के प्रति खेल के योगदान पर जोर दिया और प्रतियोगियों को खेल की सर्वोत्तम भावना के साथ खेलने के लिए आमंत्रित किया। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम और प्रतिनिधित्व करने वाले क्षेत्रीय रेलवे के सदस्यों का परिचय हुआ। इस प्रतियोगिता में, सीएलडब्ल्यू की प्रणति नायक ने जजों पर सुनहरी छाप छोड़ी। पुरुष वर्ग में, उत्तर मध्य रेलवे के आशीष कुमार, दक्षिण पूर्व रेलवे के उज्ज्वल सी नायडू और सत्यजीत मंडल जैसे अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों ने असाधारण प्रदर्शन किया। दक्षिण पूर्व रेलवे ने असाधारण साहस और लचीलापन दिखाते हुए पुरुष वर्ग में प्रतियोगिता का टीम चैंपियन बना, जिसके बाद उत्तर रेलवे और उत्तर मध्य रेलवे रहे। यह कार्यक्रम 30 मार्च, को पुरस्कार वितरण और सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ। समापन कार्यक्रम में दक्षिण पूर्व रेलवे के एजीएम सौमित्र मजूमदार ने दैनिक जीवन में खेल के महत्व का उल्लेख किया और वकालत की कि प्रतियोगिता कड़ी होनी चाहिए, लेकिन स्वस्थ वातावरण में और सच्ची खेल भावना में होनी चाहिए।

बीएनआर इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में दक्षिण पूर्व रेलवे के उच्च अधिकारियों के साथ टीम एसइआर।

महावीर मंडल ने सरहुल शोभायात्रा का किया स्वागत

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। आदिवासियों के सबसे बड़े प्रकृति पर्व सरहुल पर मंगलवार को मेन रोड स्थित सर्जना चौक के पास केंद्रीय समिति श्री महावीर मंडल ने सरहुल शोभायात्रा का स्वागत किया। इस अवसर पर समिति की ओर से चना और पानी सहित सवामणी बुंदिया का भी वितरण शोभायात्रा में शामिल लोगों के बीच किया गया। इस मौके पर पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन भी श्री महावीर मंडल केंद्रीय समिति के स्वागत मंच पर पहुंचे। जहां उनका कान पर सरई फूल खोंसकर और अबीर लगाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर महावीर मंडल, केंद्रीय समिति के अध्यक्ष जय सिंह यादव, उपाध्यक्ष पवन गुप्ता, मंत्री सुभाष कुमार साहू, उप मंत्री संतोष गुप्ता, बलराम प्रसाद, उदय रवि दास, कोषाध्यक्ष प्रमोद सारस्वत, सुनील कुमार वर्मा, प्रेम सिंह, अशोक यादव, दीपक ओझा सहित अन्य मौजूद थे।

महत्वपूर्ण खबरें

राजीव रंजन मिश्रा ने शोभायात्रा का स्वागत किया

रांची (आजाद सिपाही)। मंगलवार को राजधानी रांची के विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों के द्वारा राजीव रंजन मिश्रा के नेतृत्व में स्वागत शिविर लगाकर सरहुल मोहत्सव के उपलक्ष्य में निकली गयी विशाल शोभायात्रा का स्वागत किया गया। शोभायात्रा में शामिल सभी सरना धर्म गुरु को राजीव रंजन मिश्रा, श्री राम बानर सेना के अध्यक्ष लंकेश सिंह एवं श्री महावीर मंडल रांची के उपाध्यक्ष राहुल सिन्हा चंकी के द्वारा माला और गमछा पहना कर स्वागत किया गया। स्वागत शिविर में इंदर सिंह, रंजीत चौरसिया, रंजीत उरांव, अविनाश आनंद, विशाल मिश्रा, गोपाल पारिक, रमेश केडिया सहित दर्जनों पदाधिकारी एवं सदस्य शामिल थे।

चुटिया में मंडा पर्व शुरू

रांची (आजाद सिपाही)। मंगलवार को ढकाहा विद्दू महली के द्वारा लगातार पांच दिनों तक प्राचीन श्री राम मंदिर से लेकर महादेव मंडा मंदिर तक डगर देकर सभी देवी, देवताओं को जगाते हुए साथ ही लोगों तक यह संदेश पहुंचते रहेंगे कि अब मंडा पर्व का शुभारंभ हो चुका है। आगामी 6 अप्रैल को पांच प्रमुख भोक्ता पुरोहित, राजा भोक्ता, पाट्ट भोक्ता, बाला भोक्ता व भंडारी का पूरे विधि विधान के साथ मुंडन संस्कार होगा तथा अगले दिन उतरी का कार्यक्रम होगा। कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष राजकुमार महतो, उदय पासवान, प्रमोद गोप, विजय साहू, कैलाश केसरी, रवि गोप, सरवन महतो, लालो महतो, विक्रम साहू, भुनेश गोप, विनीत राज, विशाल कुमार, आदित्य सिंह, दीपक ठाकुर, सवनक करमाकर, रौनीत महतो, राजा साहू, लकी नायक प्रमुख रूप से शामिल हुए।

सरहुल पर्व पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

रांची (आजाद सिपाही)। रांची में सरहुल के मद्देनजर पूरे शहर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये थे। सिरमटोली में केंद्रीय सरना स्थल पर रेपिड एक्शन पुलिस(रैफ), रेपिड एक्शन पुलिस(रैप), आइआरबी सहित अन्य सुरक्षाबलों को तैनात किया गया था। सिरमटोली में सिटी डीएसपी केवी रमन, सदर डीएसपी संजीव बेसरा, कई दंडाधिकारी को भी तैनात किया गया था। सरना स्थल के सामने एक मंच बनाया गया था, उस पर प्रशासनिक अधिकारी बैठे हुए थे और सुरक्षा का जायजा ले रहे थे। रैफ और रैप के पुलिसकर्मी मंच और फ्लाइओवर से सरना स्थल पर नजर रख रहे थे। चुटिया पुलिस भी पूरी तरह मुस्तैद थी। राजधानी में हर चौक-चौराहे पर काफी संख्या में जैप, इको, जैप की महिला बटालियन, फायर बिग्रेड, बज्र वाहन को तैनात किया गया था। सिरमटोली में प्रशासन की ओर से तीन ड्रोन से नजर रखी जा रही थी, साथ ही जिला प्रशासन की ओर से वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी कराया जा रहा था। मेन रोड में अलबर्ट एक्का चौक के समीप भी ड्रोन से जुलूस पर नजर रखी जा रही थी। डीआइजी सह एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि पूरे शहर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये थे।

श्रीश्री महाबली हनुमान भक्त मंडल ने तीसरी मंगलवारी शोभायात्रा निकाली

रांची (आजाद सिपाही)। श्रीश्री महाबली हनुमान भक्त मंडल ने तीसरी मांगलवारी शोभायात्रा निकाली, जो रातू रोड होटल बुलु करिस्टल के समीप से निकल कर रातू रोड होते हुए महावीर चौक पहुंची। बजरंगबली मंदिर मे झंडा पूजा किया गया। ढोल-ताशा के साथ एवं अखाड़े के सभी लोग तलवारबाजी एवं तरह-तरह का प्रदर्शन करते दिखे। जिसमें मुख्य रूप से अध्यक्ष अमित सोनी, कार्यकारी अध्यक्ष रंजीत सिंह, संरक्षक शंकर प्रसाद, प्रेम चौधरी, मंजीत सिंह, मंटू सिंह, नीरज कुमार, गौतम रीत राज, संतोष गुप्ता, मिक्की बर्मन संयोजक पवन मिश्रा सह संयोजक गुड्डू नायक, अधिवक्ता कोषाध्यक्ष आयुष राज वर्मा, वरीय उपध्यक्ष हरि गोप, अंकित आनंद, अंकित सिंह, आनंद कुजूर उपध्यक्ष, शुभम चौधरी, अभिषेक पासवान, मंत्री सुंदरम सिंह, महामंत्री बंटी सोनी सह मंत्री अंशु तिर्की, सागर सोनी, मनीष नायक, उत्तम नायक, कुमार गौरव, प्रचार मंत्री मोहित सोनी, जुलूस प्रभारी अंकित सोनी, संतु यादव, करण पाठक, आयुष सोनी मीडिया प्रभारी राजवीर चौधरी, सौरव राय मौजूद थे।

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन

रांची (आजाद सिपाही)। रोटी बैंक रांची के संस्थापक और संचालक विजय पाठक के जन्म दिवस पर सदर अस्तपताल ब्लड बैंक में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। विजय पाठक के साथ उनके छोटे पुत्र पीयूष पाठक एवं महावीर मंडल रांची के मंत्री सुभाष साहू, हर्ष सिन्हा, रोहन सिंह, सुधांशु सिंह, मनमोहन सिंह, ऋषभ शर्मा, आयुष राय ने रक्तदान किया। यह रक्तदान थैलेसीमिया एवं कैंसर पीड़ितों के लिए था। विजय पाठक ने कहा कि रक्तदान जीवनदान है, इसे करने से स्वयं स्वास्थ लाभ मिलता है। साथ में दूसरे को जीवनदान मिलता है। इसलिए हर मनुष्य को रक्तदान करना चाहिए। ब्लड बैंक के डॉ रंजू के द्वारा सभी रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र देकर एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। विदित हो विजय पाठक रोटी बैंक के माध्यम से पिछले 5 वर्षों से प्रत्येक दिन जरूरतमंदों को निशुल्क भोजन कर रहे हैं। जिसका एकमात्र सामाजिक उदेश्य कोई भूखा ना सोये।

आजाद सिपाही
रांची, बुधवार, 02 अप्रैल, 2025
www.azadsipahi.in
05

चाइबासा बाल सुधार गृह से 20 से अधिक बच्चे भागे

आजाद सिपाही संवाददाता

चाइबासा। चाइबासा के बाल सुधार गृह से 20 से अधिक बाल बंदी फरार हो गये। बताया जा रहा है कि फरार होने से पहले बाल बंदियों ने गार्ड और सुरक्षा कर्मियों पर जानलेवा हमला किया। इस दौरान उन्होंने सीसीटीवी कैमरा भी तोड़ दिया और गेट का ताला तोड़कर भाग निकले।

इस घटना के बाद अधिकारियों के बीच हड़कंप मच गया है। प्रशिक्षु आइपीएस निखिल राय, एसडीपीओ बहामन टुटी, एसडीओ

संदीप अनुराग टोपनो, सदर सीओ उपेंद्र कुमार और मुफ्फसिल थाना प्रभारी रंजीत उरांव ने घटनास्थल का दौरा किया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, बाल सुधार गृह के अंदर बच्चे शाम को खेल रहे थे। अचानक उनके बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया, जो बाद में कहासुनी और फिर मारपीट में बदल गया। इसी दौरान बाल बंदियों ने उत्पात मचाया और गेट तोड़कर फरार हो गये। फरार बाल बंदियों की संख्या में इजाफा भी हो सकता है, जिससे सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ गयी है। अधिकारियों ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है।

पंजाब की लगातार दूसरी जीत लखनऊ को 8 विकेट से हराया

प्रभसिमरन-श्रेयस की फिफ्टी, अर्शदीप सिंह को 3 विकेट

आजाद सिपाही संवाददाता

लखनऊ। पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) ने आइपीएल 2025 में लगातार दूसरी जीत दर्ज की है। पीबीकेएस ने मंगलवार को लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को 8 विकेट से रौंदा। एलएसजी ने लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में 172 रनों का लक्ष्य दिया, जिसे पीबीकेएस ने 16.2 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। प्रभसिमरन सिंह और श्रेयस अय्यर ने एलएसजी की बैंड बजायी। दोनों ने अर्धशतक ठोका। लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब ने कुछ खास आगाज नहीं किया। प्रियांश आर्य (8) तीसरे ओवर में दिग्वेश राठी का शिकार बन गये। इसके बाद प्रभसिमरन ने कप्तान अय्यर के साथ दूसरे विकेट के लिए 84 रनों की साझेदारी की। दिग्वेश ने 11वें ओवर में प्रभसिमरन को पवेलियन भेजा। उन्होंने 34 गेंदों में 69 रन बनाये। प्रभसिमरन के बल्ले से 9 चौके और तीन छक्के निकले। वहीं, अय्यर ने नेहल वढेरा के संग तीसरे विकेट के लिए 67 रनों की अटूट पार्टनरशिप की। अय्यर 30 गेंदों में 52 रन बना कर नाबाद रहे। उन्होंने तीन चौके और चार छक्के ठोके। अय्यर ने छक्का लगाकर टीम की जीत की नैया पार लगायी और 23वीं आइपीएल फिफ्टी कंप्लीट की। नेहल ने 25 गेंदों में तीन चौकों और 4 छक्कों की बदौलद नाबाद 43 रनों की पारी खेली।

इससे पहले लखनऊ ने निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट पर 171 रन जोड़े। एलएसजी के लिए निकोलस पूरन ने सबसे ज्यादा रन बनाये। उन्होंने 30 गेंदों में पांच चौकों और दो छक्कों की मदद से 44 रनों की पारी खेली। पंजाब की ओर से अर्शदीप सिंह ने तीन शिकार किए। लॉकी फर्ग्यूसन, ग्लेन मैक्सवेल और युचवेंद्र चहल को एक-एक विकेट मिला। टॉस गंवाकर पहले बैटिंग करने उतरी लखनऊ टीम की शुरूआत खराब रही। मिचेल मार्श पहले ओवर में बिना खाते खोले आउट हो गये। ऐसे में एडेन मार्क्रम ने पूरन के साथ दूसरे विकेट के लिए 31 रनों की पार्टनरशिप की। मार्क्रम ने 18 गेंदों में 28 रन जुटाये। कप्तान ऋषभ पंत (2) एक बार फिर फ्लॉप रहे। इसके बाद, पूरन ने आयुष बडोनी के साथ चौथे विकेट के लिए 54 रनों की साझेदारी की। पूरन 12वें ओवर में फिफ्टी से चूक गए। बडोनी ने डेविड मिलर (18 गेंदों में 18) के संग 30 रन जोड़े। उन्होंने अब्दुल समद के साथ छठे विकेट के लिए 47 रनों की पार्टनरशिप की।

बाबूलाल मरांडी ने मुख्य सचिव को लिखा पत्र, कहा -

प्लेसमेंट एजेंसियों पर एफआइआर कर ब्लैक लिस्ट करें

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने मुख्य सचिव अलका तिवारी को पत्र लिखा है। पत्र में कहा है कि झारखंड राज्य बिवरेज कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा वर्ष 2022 से राज्य में शराब दुकान संचालित किया जा रहा है, जिसमें 7 प्लेसमेंट एजेंसियां राज्य के विभिन्न जिलों में शराब दुकानों के संचालन एवं प्रबंधन के लिए लगभग 4500 मानव बल प्रदान कर रही हैं।

जेएसबीसीएल द्वारा वर्ष 2022 में राज्य के अंतर्गत दुकानों के संचालन एवं प्रबंध हेतु मानव बल की आपूर्त्ति हेतु निविदा निकालकर विभिन्न 7 एजेंसियों का चयन किया गया। लेकिन सबसे आश्चर्य की बात यह है कि दो प्लेसमेंट एजेंसियां मार्सन इनोवेटिव सिक्यूरिटी प्राइवेट लिमिटेड और विजन हॉस्पिटालिटी सर्विस एंड कंसलटेंट प्राइवेट लिमिटेड जिन्हें क्रमशः हजारीबाग एवं धनबाद जिला में मानव बल आपूर्त्ति के लिए चयन किया गया। इसने एग्रीमेंट करते समय फर्जी बैंक गारंटी जमा कर कार्यादेश प्राप्त कर लिया। जब विभागीय सचिव को इस फर्जीवाड़े के बारे में बताया गया, इसके बावजूद एजेंसियों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई।

हेमंत सरकार अबुआ सरकार नहीं : बाबूलाल

रांची। श्री मरांडी ने कहा कि सिरमटोली फ्लाइओवर रैंप निर्माण के खिलाफ झारखंड का आदिवासी समाज लंबे समय से चरणबद्ध आंदोलन कर रहा है, लेकिन अब तक स्थायी समाधान निकालने की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं हुई है। कहा कि सरना स्थल हमारी आस्था, संस्कृति और परंपरा की पहचान है, जिसे संरक्षित रखना हर आदिवासी का कर्तव्य है। बावजूद इसके, राज्य सरकार ने आदिवासियों की आवाज को अनसुना कर दिया, जिससे समाज में गहरा आक्रोश है।

पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई करे सरकार

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने गठबंधन सरकार को नौटंकीबाज करार दिया है। श्री मरांडी ने कहा कि फ्लाइओवर रैंप निर्माण का विरोध कर रहे आदिवासियों पर पहले मुकदमा फिर कार्रवाई नहीं करने का निर्देश देना नौटंकी है। कहा कि पहले तो सरहुल पर्व मनाने वालों को डराने के लिए उनपर एफआइआर करो। फिर सहानुभूति बटोरने के लिए इस एफआइआर पर किसी पर कोई कार्रवाई नहीं करने का निर्देश देकर विज्ञप्ति जारी कर दो। कहा कि सही में सरहुल पर्व की भावना का एहसास है तो सबसे पहले उन पुलिस वालों को निलंबित कर कठोर कार्रवाई करिये जिन्होंने ये एफआइआर की है।

शिकायतकर्ता के दिये साक्ष्य का दिया हवाला

बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि शिकायतकर्ता ने जो साक्ष्य उपलब्ध कराया है, उसमें पंजाब एवं सिंध बैंक, गीता कॉलोनी शाखा, नयी दिल्ली द्वारा एसबीसीएल को दिनांक 31 जनवरी 2024 को पत्र लिखकर सूचित किया है कि विजन हॉस्पीटालिटी सर्विस एंड कंसलटेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा जमा बैंक गारंटी फर्जी है।

इसी तरह बंधन बैंक कोलकाता द्वारा जेएसबीसीएल को दिनांक 02 मार्च, 2024 को पत्र लिखकर सूचित किया गया कि मार्सन इनोवेटिव सिक्यूरिटी प्राइवेट लिमिटेड। जिसे हजारीबाग जिला में मैन पावर का कार्य मिला है, इसकी बैंक गारंटी फर्जी है। लेकिन जेएसबीसीएल द्वारा न ही इसकी जांच करायी गयी और न ही कोई कार्रवाई की गयी।

अधिकारियों ने लीपापोती कर एजेंसियों को काम करने दिया

अधिकारियों द्वारा लीपापोती कर एजेंसियों को काम करने दिया गया। नियमतः इतने बड़े किये गये फर्जीवाड़े की जांच कराकर आरोपित एजेंसियों को काली सूची में डालना चाहिए था और और एफआइआर करानी चाहिए थी।

बैंक द्वारा लिखित सूचना दिये जाने के बावजूद जेएसबीसीएल के जिम्मेवार अधिकारियों एवं विभागीय सचिव ने इस पर कोई संज्ञान नहीं लिया और इन दो आरोपित एजेंसियों पर मेहरबानी दिखाते रहे। यह आर्थिक अपराध का एक बड़ा उदाहरण है।

बैंक द्वारा एक वर्ष से अधिक समय पूर्व ही जेएसबीसीएल सूचित करने के बावजूद अधिकारियों द्वारा एजेंसियों पर कोई कार्रवाई नहीं की गयी। इसका मतलब है कि जेएसबीसीएल के अधिकारी भी इस भ्रष्ट खेल में शामिल हैं। इसके लिए दोषी पदाधिकारियों पर कार्रवाई करते हुए निलंबित करना चाहिए।

भारतीय नववर्ष पर श्री साहित्य कुंज मंच की काव्य गोष्ठी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची, अखिल भारतीय साहित्य परिषद 'रांची' इकाई एवं श्री साहित्य कुंज 'राची' के संयुक्त तत्वावधान में भारतीय नववर्ष 'विक्रम संवत 2082' के अभिनंदन हेतु काव्य संध्या का आयोजन मोरहाबादी के आक्सीजन पार्क में आयोजित किया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार, इतिहासविद, अधिवक्ता असित कुमार ने किया। वहीं मुख्य अतिथ्य में रिटायर डीएसपी कामेश्वर कुमार और विशिष्ट अतिथि शिक्षाविद पकंज पुष्कर रहे। श्री साहित्य कुंज की अध्यक्ष प्रतिमा त्रिपाठी की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ। सरस्वती वंदना सिम्मी नाथ ने की। वहीं गोष्ठी का सफल संचालन भावना अंबष्ठा ने किया।

अखिल भारतीय साहित्य परिषद् रांची इकाई की अध्यक्ष मनीषा सहाय 'सुमन' ने कहा कि हम अपनी संस्कृति, संस्कार सनातन प्रतिबद्धता के प्रति जागरूक हों। पाश्चात्य संस्कृति ने हमें हर ओर से नैतिक पतन और बिखराव दिया है। अतः हमारे समाज और राष्ट्र को सुदृढ़ और संगठित बनाने के लिए सनातन विचारों का प्रवाह और प्रतिबद्धता दोनो ही जरूरी है।

कुंज की अध्यक्ष प्रतिमा त्रिपाठी ने अपने उद्बोधन में सभी को चैत्र नवरात्रि की शुभकामनाओं के साथ समाज के प्रति रचनाकार लेखकों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए भारतीयता पर गर्व करने का संदेश दिया। आयोजन की अध्यक्षता कर रहे असित कुमार ने कहा कि भारत विश्व की प्राचीनतम सभ्यता व संस्कृतिक धरोहर का राष्ट्र रहा है। यह गर्व का विषय है। इस काव्य गोष्ठी में पुष्पा सहाय,भावना अंबष्ठा, ऋतुराज वर्षा, मधुमिता साहा, सिम्मी नाथ, निर्मला कर्ण, सुनीता अग्रवाल, पूनम वर्मा, चेतना यादव, रंजन बरनवाल, राज जी यादव, पंकज पुष्कर, कामेश्वर कुमार, बालाशंकर, अमन निराला, रंजन वर्णवाल शिवांगी कुमारी आदि ने अपनी कविता पाठ से कार्यक्रम में चार चांद लगा दिया।

योगासन प्रतियोगिता में एसबीयू को मिले मेडल

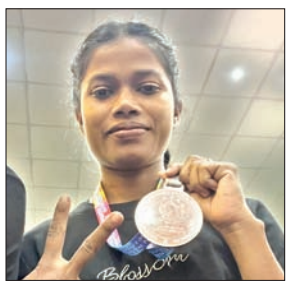

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। जेपी अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र, राउरकेला द्वारा आयोजित दो दिवसीय प्रथम ओपन राष्ट्रीय योगासन प्रतियोगिता (29-30 मार्च) में सरला बिरला विश्वविद्यालय के दो विद्यार्थियों ने मेडल जीता है। महिला ट्रेडिशनल वर्क में रूपा कुमारी (एमएससी योगिक साइंस) और पुरुष वर्ग में पंकज कुमार महतो (बीएससी योगिक साइंस) ने कांस्य पदक हासिल किया। पंकज ने

आर्टिस्टिक एकल प्रतियोगिता में भी रजत पदक जीता। इस योगासन प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों के 5 से लेकर 75 वर्ष तक के प्रतिभागी मौजूद रहे। प्रतियोगिता के समापन समारोह में प्रमुख जज एवं गेस्ट ऑफ ऑनर के तौर पर उपस्थित रहीं एसबीयू रांची की योग विज्ञान एवं नेचुरोपैथी विभाग की सह प्राध्यापिका अंजना कुमारी सिंह एवं विभाग के प्रयोगशाला सहायक पंकज केसरी को सम्मानित किया गया। एसबीयू के योग प्रतिभागियों के मेडल हासिल करने पर योग एवं नेचुरोपैथी विभाग की डीन डॉ नीलिमा पाठक, विभागाध्यक्ष डॉ अर्चना मौर्या समेत अन्य शिक्षकों ने हर्ष व्यक्त किया है। विद्यार्थियों की इस सफलता पर विवि के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान, महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक, कुलपति प्रो सी जगनाथन एवं माननीय राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

श्री चैती दुर्गा पूजा महासमिति ने मंगलवारी जुलूस निकाला

रांची (आजाद सिपाही)। श्री चैती दुर्गा मंदिर भुतहा तालाब पिछले दो मंगलवारी से भव्य शोभायात्रा निकाल रहा है। रामनवमी से पूर्व आखिरी मंगलवारी में भव्य शोभायात्रा के साथ ही 101 किलो शुद्ध घी से निर्मित लड्डू का भोग प्रसाद का वितरण किया जायेगा। 9 बजे मंदिर परिसर से ढोल नगाड़ों के साथ महाबली हनुमान जी के झंडे के साथ अंतिम मंगलवारी को निकाला गया। जिसमें भक्त लोग अस्त्र शस्त्र का प्रदर्शन करते हुए महावीर चौक पहुंचे। इस अंतिम मंगलवारी को सफल बनाने में महासमिति के मुख्य संरक्षक किशोर साहू, रमेश सिंह, अध्यक्ष शंकर दुबे, महामंत्री गोपाल पारीक, कोषाध्यक्ष संजय सिंह (लल्लू सिंह), प्रवक्ता नमन भारतीय, मिडिया प्रभारी सौरभ राय, रोहित सिंह का योगदान रहा।

विद्यापति स्मारक समिति ने सरहुल सेवा शिविर का किया आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। प्रकृति पर्व सरहुल के अवसर पर विद्यापति स्मारक समिति के द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कचहरी चौक पर सरहुल सेवा शिविर लगाया गया। सरहुल शोभायात्रा में शामिल लोगों को सम्मानित किया गया। लोगों में शरबत एवं चना का वितरण किया गया। सरहुल शोभायात्रा में आये लोगों को स्वागत के साथ ही सरहुल के नये फूल की फूलखोंसी की गयी। एक दूसरे को रंग गुलाल लगाकर प्रकृति के पर्व सरहुल की शुभकामनाएं दी गयी। इस अवसर पर विद्यापति स्मारक समिति ने पूरे झारखंड वासियों को सरहुल की शुभकामनाएं दी है। समिति ने बताया कि यह पर्व प्रकृति और मानव के बीच के अटूट रिश्ता को दर्शाता है और प्रकृति के संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश देता है। इस अवसर समिति के अध्यक्ष बच्चा राम झा ने कहा कि हम सभी लोगों को मिल जुलकर आपसी सौहार्द्र और एकजुटता के साथ इन परम्पराओं को आगे बढ़ाने की जरूरत है। इस मौके पर डॉ बच्चा राम झा, श्रीराम मिश्र, बीके झा, अमरेंद्र मोहन झा, दिलीप झा, श्रेष्ठ नारायण झा, कमलाकांत झा, निर्भयकांत झा, सतीश चंद्र झा, रंजीत लाल दास, शिवराम मिश्र , प्रवीण मिश्रा, संतोष झा, संजीव कुमार, मृत्युजय झा आदि मौजूद थे।

नहाय-खाय के साथ चैती छठ शुरू, खरना आज

रांची (आजाद सिपाही)। चैती छठ का चार दिवसीय अनुष्ठान चैत्र शुक्ल चतुर्थी तिथि मंगलवार को नहाय-खाय के साथ शुरू हो गयी। छठ व्रतियों ने स्नान कर घरों में गंगाजल लाकर पूजन करने के बाद अरवा चावल, सेंधा नमक, चने की दाल, लौकी की सब्जी, आंवला की चटनी आदि ग्रहण कर 4 दिवसीय अनुष्ठान का संकल्प लिया।

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

निविदा सूचना संख्या: ई-टेंडर/2025/10, दिनांक: 28.03.2025। भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से मंडल रेल प्रबंधक (अभियांत्रिकी), दक्षिण पूर्व रेलवे, खड़गपुर-721301 निम्नलिखित कार्यों के लिए मदों के सामने उल्लिखित तारीख को अपराह्न 3:00 बजे से पहले ई-निविदा आमंत्रित करते हैं और निविदा अपराह्न 3:30 बजे खोली जाएगी। **क्रम संख्या:** 1। **निविदा संख्या: ई-केजीपी-एचक्यू-10-2025। कार्य का विवरण:** डीईएन(मुख्यालय)/खड़गपुर के अधिकार क्षेत्र के अधीन खड़गपुर मंडल में ट्रैक नवीकरण एवं रखरखाव कार्य के सम्बन्ध में आरडीएसओ द्वारा अनुमोदित अनुसार 60 किग्रा./90 यूटीएस रेल (2346 अदद जॉइंट्स) तथा 60 किग्रा./60 ईआई-आर260 ग्रेड रेल (2463 अदद) के अलुमिनो थर्मिक वेल्डिंग पोर्शन का निर्माण एवं आपूर्ति तथा आईआर स्पेसिफिकेशन के अनुसार सिंगल शॉट क्रूसिबल द्वारा वेल्डिंग इन-सीटू (कुल 4809 जॉइंट्स)। **निविदा मूल्य:** ₹ 1,08,72,240.10। **बयाना राशि:** ₹ 2,04,400। **कार्य पूरा करने की अवधि:** 12 महीना। **क्रम संख्या:** 2। **निविदा संख्या: ई-केजीपी-एचक्यू-11-2025। कार्य का विवरण:** खड़गपुर मंडल में (1) स्क्रैप यार्ड खड़गपुर, (2) ट्रैफिक सेटलमेंट खड़गपुर एवं (3) शालीमार गंगा छोर पर आरसीसी ओवरहेड टैंक (क्षमता 1,00,000 गैलन तक) द्वारा अत्यंत पुराने/जीर्ण-शीर्ण स्टील टैंक की बदली (द्वितीय बुलावा)। **निविदा मूल्य:** ₹ 4,23,71,063.97। **बयाना राशि:** ₹ 3,61,900। **कार्य पूरा करने की अवधि:** 12 महीना। **क्रम संख्या:** 3। **निविदा संख्या: ई-केजीपी-एचक्यू-12-2025। कार्य का विवरण:** एडीईएन/तमलुक के अधिकार क्षेत्र के अधीन पांसकुड़ा-हल्दिया एवं तमलुक-दीघा खंड में एम्बैंकमेंट तथा कैनवास ड्रेन - 10208 मीटर का मज़बूतीकरण (द्वितीय बुलावा)। **निविदा मूल्य:** ₹ 29,21,62,779.82। **बयाना राशि:** ₹ 16,10,800। **कार्य पूरा करने की अवधि:** 18 महीना। **क्रम संख्या:** 4। **निविदा संख्या: ई-केजीपी-एचक्यू-13-2025। कार्य का विवरण:** एसएसई (पी.वे)/कांथी के अधिकार क्षेत्र के अधीन तमलुक-दीघा खंड के बीच ट्रैक रखरखाव की दिशा में विविध पी.वे. कार्य। **निविदा मूल्य:** ₹ 1,04,62,318.89। **बयाना राशि:** ₹ 2,02,300। **कार्य पूरा करने की अवधि:** 08 महीना। **क्रम संख्या:** 5। **निविदा संख्या: ई-केजीपी-ईस्ट-28-2025। कार्य का विवरण:** डीईएन/ईस्ट/खड़गपुर के अधिकार क्षेत्र के अधीन हावड़ा-खड़गपुर खंड में सम्पूर्ण स्लीपर नवीकरण (प्राथमिक) अर्थात टीएसआर (पी)-29.617 टीकिमी. का संपादन। **निविदा मूल्य:** ₹ 5,78,53,451.05। **बयाना राशि:** ₹ 4,39,300। **कार्य पूरा करने की अवधि:** 12 महीना। **क्रम संख्या:** 6। **निविदा संख्या: ई-केजीपी-ईस्ट-29-2025। कार्य का विवरण:** शालीमार में वर्तमान एआरएम बिल्डिंग का 60 शय्या वाले रनिंग रूम में रूपांतरण एवं जीर्णोद्धार। **निविदा मूल्य:** ₹ 3,31,24,165.26। **बयाना राशि:** ₹ 3,15,600। **कार्य पूरा करने की अवधि:** 09 महीना। **क्रम संख्या:** 7। **निविदा संख्या: ई-केजीपी-ईस्ट-30-2025। कार्य का विवरण:** डीईएन/ईस्ट/खड़गपुर के अधिकार क्षेत्र के अधीन सांतरागाछी में पुराने एफओबी की डिस्मैंटलिंग कार्य का सम्पादन। **निविदा मूल्य:** ₹ 35,17,528.24। **बयाना राशि:** ₹ 70,400। **कार्य पूरा करने की अवधि:**07 महीना। **क्रम संख्या:** 8। **निविदा संख्या: ई-केजीपी-साउथ-16-2025। कार्य का विवरण:** वरिष्ठ डीईएन/साउथ/खड़गपुर के अधिकार क्षेत्र के अधीन खड़गपुर-भद्रक खंड में 59.820 ट्रैक्शन किमी. तथा 10 पॉइंट्स एंड क्रॉसिंस का सम्पूर्ण बैलास्ट नवीकरण अर्थात टीबीआर का संपादन (तृतीय बुलावा)। **निविदा मूल्य:** ₹ 5,71,22,766.29। **बयाना राशि:** ₹ 4,35,600। **कार्य पूरा करने की अवधि:** 12 महीना। **क्रम संख्या:** 9। **निविदा संख्या: ई-केजीपी-वेस्ट-13-2025। कार्य का विवरण:** डीईएन/वेस्ट/खड़गपुर के अधिकार क्षेत्र के अधीन नीमपुरा-गोकुलपुरा खंड में समपार संख्या केवाई-12 के इंटरलॉकिंग के सम्बन्ध में 01 अदद फाटक गुमटी (जिसमें शामिल हैं 4.2 मी.x 3.1 मी., 3.2 मी. x 3.1 मी., 2.5 मी.x 3.1 मी. आकार के 3 रूम) का निर्माण। **निविदा मूल्य:** ₹ 18,42,325.08। **बयाना राशि:** ₹ 36,900। **कार्य पूरा करने की अवधि:** 09 महीना। **निविदा दस्तावेज की कीमत:** ₹ 0 (क्रम संख्या 1 से 9 प्रत्येक के लिए)। **खुलने की तारीख:** 15.04.2025 (क्रम संख्या 1 के लिए), 17.04.2025 (क्रम संख्या 2 से 7 प्रत्येक के लिए), 21.04.2025 (क्रम संख्या 8 के लिए) एवं 28.04.2025 (क्रम संख्या 9 के लिए)। **बोली शुरू होने की तारीख:** 01.04.2025 से 15.04.2025 को अपराह्न 3:00 बजे तक (क्रम संख्या 1 के लिए), 03.04.2025 से 17.04.2025 को अपराह्न 3:00 बजे तक (क्रम संख्या 2 से 7 प्रत्येक के लिए), 07.04.2025 से 21.04.2025 को अपराह्न 3:00 बजे तक (क्रम संख्या 8 के लिए) एवं 14.04.2025 से 28.04.2025 को अपराह्न 3:00 बजे तक (क्रम संख्या 9 के लिए)। निविदाओं के सम्पूर्ण विवरण/ब्योरा/स्पेसिफिकेशन के लिए इच्छुक निविदादाता वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देख सकते हैं और अपनी बोलियां ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। इन कार्यों के लिए किसी भी परिस्थिति में मैनुअल निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी। **वि.द्र.:** सभी निविदाओं में भाग लेने के लिए भावी बोलीदादाता वेबसाइट **www.ireps.gov.in** नियमित रूप से देख सकते हैं। **(PR-04)**

देशभर में सीइओ, डीइओ और इआरओ स्तर पर 4,719 बैठकें आयोजित की गयीं

राजनीतिक दलों के साथ इसीआइ का सबसे बड़ा जुड़ाव अभियान

इसमें 28,000 से अधिक पार्टी प्रतिनिधि शामिल हुए

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भारत निर्वाचन आयोग (इसीआइ) ने देशभर में निर्वाचन पंजीकरण पदाधिकारी (इआरओ), जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीइओ) और मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीइओ) के स्तर पर राजनीतिक दलों के साथ संरचित जुड़ाव की एक श्रृंखला आयोजित की। 25 दिनों की अवधि में, 31 मार्च 2025 तक, ऐसी कुल 4,719 बैठकें आयोजित की गयीं। इनमें सीइओ द्वारा 40 बैठकें, डीइओ द्वारा 800 और इआरओ द्वारा 3,879 बैठकें शामिल थीं, जिसमें देशभर में राजनीतिक दलों के 28,000 से अधिक प्रतिनिधि शामिल हुए।

ये बैठकें मुख्य चुनाव आयुक्त (सीइसी) ज्ञानेश कुमार द्वारा 4-5 मार्च 2025 को आइआइआइडीइएम, नयी दिल्ली में आयोजित मुख्य निर्वाचन पदाधिकारियों के सम्मेलन के दौरान चुनाव आयुक्त डॉ सुखबीर सिंह संधू और डॉ विवेक जोशी के साथ जारी निर्देशों के अनुसार आयोजित की गयीं। इन बैठकों का उद्देश्य संबंधित सक्षम प्राधिकारी यानी इआरओ या डीइओ या सीइओ द्वारा लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 और 1951 के मौजूदा कानूनी ढांचे; मतदाताओं के पंजीकरण नियम, 1960; चुनावों के संचालन नियम, 1961 और इसीआइ द्वारा समय-समय पर जारी किये गये मैनुअल, दिशा-निर्देश और निर्देशों के भीतर किसी भी लंबित मुद्दे को हल करना है।

आगे के आकलन के लिए सभी राज्य/केंद्र शासित प्रदेश के सीइओ से एक कार्रवाई रिपोर्ट मांगी गयी है और किसी भी मुद्दे को, यदि मौजूदा कानूनी ढांचे के भीतर हल नहीं किया जाता है, तो आयोग द्वारा उठाया जायेगा। राष्ट्रव्यापी बैठकों की तस्वीरें भारत निर्वाचन आयोग के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर देखी जा सकती हैं।

फिर टकराव की राह पर नेपाल

नेपाल में एक बड़ी आबादी का दो दशक के भीतर ही गणतांत्रिक व्यवस्था से मोहभंग होना बताता है कि इन लोगों की उम्मीदें किस तरह टूट चुकी हैं। वहां राजशाही को वापस लाने की मांग हो रही है। चिंताजनक बात यह है कि गणतंत्र और राजशाही समर्थक आमने-सामने हैं और इसका खामियाजा पूरे देश को हिंसा व अस्थिरता के रूप में भुगतना पड़ रहा है।

गंभीर स्थिति : नेपाल में इस समय विभाजन साफ तौर पर देखा जा सकता है। एक तरफ तमाम लोकतंत्र समर्थक दल हैं और दूसरी तरफ राजशाही समर्थक राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी। 2008 में जब व्यापक जन आंदोलन के बाद संविधान सभा का गठन किया गया और राजा के शासन का अंत हुआ, उसके बाद से राजशाही समर्थक कभी इतने मजबूत और आक्रामक नहीं रहे। बीते शुक्रवार को जिस तरह राजधानी काठमांडू में विरोध-प्रदर्शन हिंसक हो उठा और उसमें जानें गयी, वह स्थिति की गंभीरता को दिखाता है।

राजा की सक्रियता : नेपाल के पूर्व राजा ज्ञानेंद्र बीर बिक्रम शाह ने हाल के वक्त में अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। इसके पहले तक वह सार्वजनिक रूप से बहुत कम दिखा करते थे, लेकिन 9 मार्च को जब वह पोखरा से काठमांडू पहुंचे, तो उनके स्वागत में हजारों की भीड़ इकट्ठा हो गयी। इसके बाद भी वह कुछ मौकों पर जनता के बीच आये और लोगों ने उन्हें सपोर्ट किया। यह सब न तो अनायास लगता है और न ही इसे सामान्य माना जा सकता है।

नेपाल की जनता का गुस्सा भ्रष्टाचार को लेकर भी है। कोई भी ऐसी पार्टी नहीं रही, जिसे करप्शन के आरोपों का सामना न करना पड़ा हो। इसी दौरान, नेपाल की इकोनॉमी लगातार डांवाडोल होती चली गयी।

राजनीतिक अस्थिरता : नेपाल की जनता को क्यों फिर से अपने पूर्व राजा में उम्मीद दिखने लगी है? इसका जवाब है राजनीतिक दलों की विफलता। गणतंत्र लागू होने के बाद से यह देश 13 प्रधानमंत्री देख चुका है। किसी ने भी अपना कार्यकाल पूरा नहीं किया और गठबंधन की राजनीति ने कभी देश को स्थिरता नहीं दी।

भ्रष्टाचार के आरोप : नेपाल की जनता का गुस्सा भ्रष्टाचार को लेकर भी है। कोई भी ऐसी पार्टी नहीं रही, जिसे करप्शन के आरोपों का सामना न करना पड़ा हो। इसी दौरान, नेपाल की इकोनॉमी लगातार डांवाडोल होती चली गयी। वर्ल्ड बैंक की 2024 की रिपोर्ट कहती है कि सरकार का बजट सही तरीके से खर्च नहीं हो पा रहा है, और यह समस्या 2018 से चली आ रही है। टैक्स कम मिल रहा है और विकास कार्यों पर खर्च बहुत धीमा है। वित्तीय वर्ष 24 में सुधार के बावजूद जीडीपी ग्रोथ 3.9 है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि देश लोकतंत्र का रास्ता छोड़ दे।

अभिमत
आजाद सिपाही

कई बार लगता है, हमारे यहां जो विवाह की प्रथा है, वह कुल मिला कर स्त्री के परिवार के जीवन भर के शोषण से जुड़ी है। आखिर यूं ही तो भारत में विवाह का बाजार अरबों-खरबों का नहीं है। चलिए शुरुआत करते हैं विवाह से। देखने और लड़के-लड़की पसंद आ जाने के बाद पक्की या रोका की रस्म होती है। इसमें खूब खान-पान, पैसों, मिठाई, कपड़ों आदि का लेन-देन किया जाता है। फिर लगन, मेहंदी, हल्दी।

महिला सशक्तिकरण और दहेज का दानव

क्षमा शर्मा

पिछले दिनों दुर्भाग्य से एक हफ्ते के भीतर 3 निकट परिजनों की मृत्यु हुई- दो दिल्ली में और एक आगरा में। शोक से भरे माहौल में एक बात हर जगह समान दिखायी दी। अंतिम संस्कार के बाद जब सब लोग लौटते हैं, तो उनके भोजन का इंतजाम उस घर की स्त्री के परिवार वालों को करना पड़ता है। यदि पति की मृत्यु हुई है, तो पत्नी के मायके वाले, यदि किसी के बेटे की मृत्यु हुई है, तो बहू के मायके वाले। यदि किसी स्त्री की मृत्यु हुई है, तब भी भोजन का इंतजाम स्त्री के परिवार वालों को ही करना पड़ेगा।

ऐसा क्यों, पूछने पर बताया गया कि जिस परिवार में ऐसी दुखद घटना हुई है, वहां तो शोक है। इसलिए यह रिवाज है। यह कैसा रिवाज है? क्या उसके मायके वाले अपनी बेटी, बहन आदि के जाने से दुखी नहीं होंगे? उन पर शोक का पहाड़ नहीं टूटा होगा? मगर उनके दुखों से किसी को क्या लेना-देना। स्त्री का जाना भी कोई जाना होता है।

कई बार लगता है, हमारे यहां जो विवाह की प्रथा है, वह कुल मिला कर स्त्री के परिवार के जीवन भर के शोषण से जुड़ी है। आखिर यूं ही तो भारत में विवाह का बाजार अरबों-खरबों का नहीं है। चलिए शुरुआत करते हैं विवाह से। देखने और लड़के-लड़की पसंद आ जाने के बाद पक्की या रोका की रस्म होती है। इसमें खूब खान-पान, पैसों, मिठाई, कपड़ों आदि का लेन-देन किया जाता है। फिर लगन, मेहंदी, हल्दी। पहले मेहंदी, हल्दी घर में ही लग जाती थीं, लेकिन अब इसके लिए बाहर कोई अच्छा स्थान तलाशना पड़ता है। इन आयोजनों में भी खाने-पीने का दौर चलता है। अब आती है शादी की बात। जब से अपने यहां ब्रांड का प्रवेश हुआ है, तब से न केवल लड़के वालों को, लड़की की तरफ के रिश्तेदारों को भी भेंट में मशहूर ब्रांड्स के कपड़े उपहार आदि ही चाहिए। शादी भी किसी महंगे होटल, बैंक्वेट हाल या फार्म हाऊस में होनी चाहिए, जितने अधिक व्यंजन, उतनी ही अच्छी शादी। फिर जेवर, कपड़े, नकदी की बात हुई हो तो वह भी। फेरे से पहले लड़के वाले किसी मांग पर अड़ गये, तो वह भी पूरी करनी पड़ती है।

न जाने क्यों दहेज को सिर्फ नकदी मान लिया गया है। जबकि एक लड़की के विवाह का मतलब होता है, जीवन भर किसी न किसी रूप में दहेज देना। कई बार लोग दहेज न लेने की कसमें खाते हैं, बहुत से लोग ऐसा करते देखे भी जाते हैं, मगर समाज के बहुसंख्य तबके में कोई हलचल सुनायी-दिखायी नहीं देती।

दशकों पहले लड़की के लिए गहने, कपड़े ससुराल की तरफ से आते थे, लेकिन अब तो न केवल लड़की के लिए बल्कि उसके ससुराल के तमाम रिश्तेदारों के लिए गहने-कपड़े देने पड़ते हैं। कई बार बड़ी कार, हनीमून के लिए वर्ल्ड टूर के टिकटों की मांग भी की जाती है। जिस पर भी लड़की को ससुराल में कुछ सुनना नहीं पड़ेगा, इसकी कोई गारंटी नहीं। जितनी बार लड़की विदा होकर ससुराल जाती है, दामादजी उसे लेने आते हैं, उतनी ही बार उनकी जम कर खातिरदारी करनी पड़ती है। उपहार देने पड़ते हैं। साल भर के त्योहारों पर मिठाई, कपड़े और लड़के वालों के यहां चलने वाले रिवाजों के अनुसार सामान भेजना पड़ता है। शादी की वर्षगांठ हो तो भी उपहारों में कमी नहीं आनी चाहिए। अब चलिए इस दंपति के बच्चा हुआ। बहुत-सी जगह पर तो बच्चे के जन्म के लिए लड़की को उसके मायके ही भेज दिया जाता है। फिर से तरह-तरह के उपहार, गहने, कपड़े, मिठाई और भी न जाने क्या-क्या। इसे हमारी तरफ छोछक कहते हैं। फिर बीच-बीच में ये मांगें भी कि अब घर खरीदना है, तो पैसे चाहिए। बच्चों को किसी अच्छे स्कूल में एडमिशन कराना है, पति को कोई नया काम शुरू करना है, तो पैसे की जरूरत।

जब तक इन तथाकथित परंपराओं और रीति-रिवाजों से मुक्त नहीं होते, स्त्री सशक्तिकरण के बारे में बातें करना बेमानी है।

विवाह को कई दशक बीत गये। अब बच्चों के विवाह का अवसर आया तो मां के घर वालों के यहां से भात आयेगा। इसमें भी सारे रिश्तेदारों के लिए कपड़े, मिठाई, गहने, फल, नकदी आदि लानी पड़ती है। मान लीजिए दो बच्चे, तो दोनों के विवाह अवसर पर। तीन-चार तो उनके भी। अब तो शादी के 25 और 50 साल मनाने का रिवाज भी चल पड़ा है। इसमें भी बहुत कुछ देना पड़ता है। यहां तक कि किसी भजन संध्या का आयोजन हो, जागरण हो तब भी बोझ स्त्री के घर वालों के सिर आता है। उम्र बीतने के साथ जीवन के अंतिम पड़ाव की तरफ बढ़ते हैं। पति की मृत्यु हुई तो खाना आदि खिलाने की जिम्मेदारी स्त्री के परिवार की। पगड़ी रस्म आदि पर भी सब तरह की भेंट। और स्त्री की मृत्यु हुई तब भी। ये सब बातें देख कर क्या हमें जरा सा भी संकोच नहीं होता। विवाह लड़की और उसके परिवार के लिए इतनी आफत क्यों है। लाख दहेज निरोधी कानून बना लीजिए, रिवाज के नाम पर तरह-तरह से लड़की वालों को लूटना हमारे समाज की सच्चाई है। अफसोस यह है कि लड़कियां चाहे जितनी पढ़- लिख गयी हैं, आत्मनिर्भर बन रही हैं, लेकिन शादी की इन परंपराओं, रिवाजों से उन्हें आसानी से छुटकारा नहीं मिलता।

न जाने क्यों दहेज को सिर्फ नकदी मान लिया गया है। जबकि एक लड़की के विवाह का मतलब होता है, जीवन भर किसी न किसी रूप में दहेज देना। कई बार लोग दहेज न लेने की कसमें खाते हैं, बहुत से लोग ऐसा करते देखे भी जाते हैं, मगर समाज के बहुसंख्य तबके में कोई हलचल सुनाई-दिखाई नहीं देती। आखिर शादी किसी स्त्री और उसके परिवार वालों के सिर पर पड़ी इतनी आफत क्यों है? जन्म से पहले ही लड़कियों से छुटकारा पाने के गंभीर अपराध इन्हीं कारणों से किये जाते हैं। जब तक इन तथाकथित परंपराओं और रीति-रिवाजों से मुक्त नहीं होते, स्त्री सशक्तिकरण के बारे में बातें करना बेमानी है।

कोल्हान की खबरें

सरहुल पर्व प्रकृति से गहरे संबंध को दर्शाता है : अर्जुन मुंडा

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर /पोटका। पोटका विधान सभा क्षेत्र के हरिना गांव में आदिवासी समाज के द्वारा सरहुल पर्व हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया। मंगलवार को पर्व के दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा शामिल हुए।मौके पर पूर्व केंद्रीय मंत्री का आदिवासी परंपरा के अनुसार भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर श्री मुंडा ने जाहेर स्थान में नाइके बाबा व स्थानीय ग्रामीणों के साथ पूजा-अर्चना कर राज्य एवं देश की समृद्धि और खुशहाली के लिए कामना की। पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने सरहुल पर्व के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा सरहुल पर्व प्रकृति से गहरे संबंध को दर्शाता है। हमारे अस्तित्व का आधार प्रकृति है। इस

पर्व के माध्यम से हम पेड़-पौधों और पर्यावरण के प्रति अपनी आस्था और कृतज्ञता प्रकट करते हैं। श्री मुंडा ने सरहुल पर्व के पावन अवसर पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के लोग उपस्थित रहे। सभी ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ पर्व को मनाया।मौके पर सैकड़ो स्थानीय निवासियों और श्रद्धालुओं ने पूर्व केंद्रीय मंत्री के आगमन पर हर्ष व्यक्त की। सभी ने एक साथ सरहुल पर्व हर्ष उल्लास के साथ मनाया।

समीर मोहंती ने तालाब का किया शिलान्यास

आजाद सिपाही संवाददाता

बहरागोड़ा। झारखंड सरकार के कृषि,पशुपालन एवं सहकारिता विभाग द्वारा बहरागोड़ा प्रखंड के पुरानापानी पंचायत अंतर्गत करकट्टा गांव में स्थानीय विधायक समीर कुमार मोहंती की अनुशंसा पर तालाब जिर्णोद्धार कार्य की स्वीकृति मिली। मंगलवार को स्थानीय विधायक समीर कुमार मोहंती ने नारियल फोड़कर तालाब जिर्णोद्धार कार्य का विधिवत शिलान्यास किया। इस अवसर पर विधायक समीर कुमार मोहंती ने कहा कि चुनाव के दौरान जो भी वादे किये थे उसे एक-एक कर पूरा की जारही हैं। सभी गांव का विकास प्राथमिकता है। तालाब का जिर्णोद्धार से क्षेत्र के किसानों व ग्रामीणों को जल संरक्षण का लाभ मिलेगा। मौके पर उपस्तित ग्रामीणों ने तालाब जिर्णोद्धार योजना के लिए हेमंत सरकार और स्थानीय विधायक के प्रति आभार व्यक्त की। ग्रामीणों ने कहा इस योजना से जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा और ग्रामीणों की जरूरतें पूरी होंगी।

सरहुल महोत्सव प्रकृति की आराधना और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक : काले

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। शहर के पुराना सीतारामडेरा में भव्य सरहुल महोत्सव का आयोजन किया गया।मंगलवार को आदिवासी मुंडा समाज केंद्रीय समिति, केन्द्रीय सरहुल पूजा समिति, उरांव समाज एवं आदिवासी हो समाज के तत्वावधान में आयोजित सरहुल महोत्सव में भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अमरप्रीत सिंह काले शामिल हुए। श्री काले ने पारंपरिक नृत्य, गीत-संगीत और पूजा-अर्चना में शामिल होकर प्रकृति और समाज के प्रति कृतज्ञता प्रकट की। मौके पर हजारों की संख्या में उपस्थित समाज के महिला व पुरुष ने पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ सरहुल पर्व में भाग

लिया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अमरप्रीत सिंह काले ने कहा सरहुल प्रकृति की आराधना और राज्य के सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक है। यह पर्व हमें प्रकृति से जुड़े रहने और सामाजिक एकता को मजबूत करने का संदेश देती है। उन्होंने कहा सरहुल हमारी परंपराओं और आदिवासी संस्कृति के गौरवशाली उत्सव है।इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ नेता, बुद्धिजीवी एवं युवा बड़ी संख्या में शामिल हुए। आयोजन समिति ने सभी अतिथियों का हार्दिक स्वागत एवं आभार व्यक्त की। साथ ही समाज की एकजुटता व समृद्धि के लिए कामना की।

डायन-बिसाही के नाम पर वृद्धा की हत्या का मामला

पुलिस ने दो युवकों को पकड़ा

आजाद सिपाही संवाददाता

गम्हरिया। बीते दिनों गम्हरिया थाना अंतर्गत यशपुर रेलवे फाटक के पास एक अज्ञात महिला की शव बरामद होने की मामले को पुलिस ने गंभीरता से लिया। एसपी मुकेश कुमार लुणायत के निर्देश पर एसडीपीओ समीर सवैया के नेतृत्व में एसआईटी टीम का गठित की गयी। टीम ने जांच में मृतका की पहचान नारायणपुर निवासी 65 वर्षीय भवानी कैवर्त के रूप में की। जानकारी मिलने पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पोते लक्ष्मण कैवर्त व उसके सहयोगी चंदन कैवर्त को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में जानकारी मिली पोते को शक था दादी डायन-बीसाही का जादू करती थी। जिससे उसकी तबीयत खराब रहता था। इसी शक में उसने दोस्त के साथ मिलकर हत्या कर शव को रेलवे पटरी पर फेंक दिया था। छापेमारी दल में एसडीपीओ के साथ गम्हरिया थाना प्रभारी कुणाल कुमार सहित कई पुलिसकर्मी और सशस्त्र बल शामिल रहे।

राहरगोड़ा में हर्षोल्लास के साथ की गयी मां मंगला पूजा, भक्तों का लगा रहा तांता

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी राहरगोड़ा में माँ मंगला पूजा का भव्य आयोजन किया गया। मंगलवार को पुजारी राखाल मुखी के नेतृत्व में आयोजित मंगला पूजा में दूर दरार से आए सैकड़ों श्रद्धालुओं ने श्रद्धा भाव से शामिल हुए। सभी को मां मंगला की कृपा प्राप्त हुई।

इस अवसर पर सामाजिक सेवा संघ के अध्यक्ष सह झामुमो नेता राजेश सामंत ने सेवा भाव से सैकड़ों श्रद्धालुओं के बीच शरबत का वितरण किया। मौके पर पुजारी राखाल मुखी ने बताया पूजा की खास मान्यता के अनुसार उपवास रखने वाले श्रद्धालुओं के

बीच मां मंगला की सवारी होती है। वे ढोल-बाजे की धुन पर झूमने लगते हैं। उस दौरान भक्तों ने भक्ति भाव से पूजा-अर्चना कर मां मंगला की आशीर्वाद प्राप्त करते है।

वहीं जिन भक्तों की मन्नतें पूर्व में पूरी हुई थीं, उन्होंने बकरा, बतख और मुर्गे की बलि चढ़ाकर मां मंगला को धन्यवाद अर्पित करते है। इस सफल आयोजन के दौरान सामाजिक सेवा संघ के अध्यक्ष सह झामुमो नेता राजेश सामंत, पूजा के आयोजक राखाल मुखी, प्रसनो मुखी, छोटे सरदार, शक्ति मुखी, चुटकी मुखी, सोनू श्रीवास्तव, शेखर, बलबीर मंडल, सौरभ, राहुल, विश्वनाथ सामंत, पिंकी सिंह, अजय सामंत और अमन सामंत सहित कई अन्य भक्तों ने अहम भूमिका निभाये। पूजा में उमड़े भक्तों के उत्साह और आस्था ने आयोजन को भव्य और दिव्य बना दिया।

पूर्व सीएम रघुवर दास ने सरहुल पर की पूजा-अर्चना

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। झारखंड के पूर्व सीएम रघुवर दास ने सरहुल पर्व के अवसर पर जमशेदपुर के विभिन्न सरना स्थलों पर पारंपरिक विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर राज्यवासियों के लिए सुख-समृद्धि की कामना की। मंगलवार को पूर्व सीएम ने पुराना सीतारामडेरा और बिरसानगर जोन नंबर 6 में सरहुल पूजा में भाग लिया और समाज के लोगों संग पर्व को श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया।शाम को भालूबासा चौक में सरहुल शोभायात्रा का स्वागत करते हुए उन्होंने समाज के प्रमुख लोगों से मुलाकात कर पर्व की शुभकामनाएं दीं।

रंका में टाटा इंडिकैश एटीएम का शुभारंभ

रंका (आजाद सिपाही)। रंका प्रखंड मुख्यालय स्थित चेकनाका-सलेया रोड डेंटल क्लिनिक के पास नितिश कुमार दुबे (कंचनपुर) के घर में टाटा इंडिकैश एटीएम का शुभारंभ किया गया है। इसके संबंध में सतीश कुमार दुबे ने आजाद सिपाही को बताया कि यह एटीएम जनता की सुविधा के लिए खोला गया है। जिसमें बैलेंस इंक्वायरी, कैश विड्रॉल निकासी एवं मिनी स्टेटमेंट की निः शुल्क सेवा उपलब्ध है। इसमें किसी प्रकार का सेवा शुल्क नहीं लिया जाता है। उन्होंने ग्रामीण जनता से भीड़ से बचने और लाभ उठाने की अपील की है।

बाइक से व्यक्ति की मौत

मेराल (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के हासनदाग से करकोमा नहर की तरफ जाने के क्रम में अनबैलेंस होकर मोटरसाइकिल से गिरने से गंभीर रूप से घायल अधेड़ की मौत रांची के गुरु नानक अस्पताल में इलाज के दौरान हो गयी। लोगों ने कहा कि शिव मूरत चौधरी सरल एवं मृदु भाषी थे। उनका असमय चला जाना गांव समाज के लिए अपूरणीय क्षति है।

गढ़वा जिला स्थापना दिवस पर एसडीएम ने संगोष्ठी का आयोजन किया

गढ़वा जिला बनने के साक्षी रहे लोगों ने सुनाये संस्मरण

जिले के प्रबुद्ध लोगों ने 'सपनों का गढ़वा' विषय पर रखे सुझाव

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। मंगलवार को सदर अनुमंडल कार्यालय सभा कक्ष में गढ़वा जिला के स्थापना दिवस के अवसर पर 'सपनों का गढ़वा' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिले के प्रबुद्ध लोगों ने गढ़वा जिले के बनने के संस्मरणों एवं अब तक के परिवर्तनों को लेकर अपने विचार रखे। साथ ही उनकी नजर में गढ़वा में अभी क्या-क्या किया जाना बाकी है इस विषय को लेकर उनके क्या सपने हैं, इस पर भी विचार रखे गये। संगोष्ठी की अध्यक्षता अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार ने की।

संगोष्ठी में शहर के वरिष्ठ नागरिक सह समाजसेवी डॉ मुरली श्याम गुप्ता ने कहा कि वे ढिबरी

युग में पैदा हुए थे। तब लैंपपोस्ट होते थे, पर ब्लॉक, डिवीजन और बाद में जिला बनने पर उत्तरोत्तर विकास हुआ। इस दौरान लोगों ने बहुत बदलाव देखा है, लेकिन आज भी गढ़वा जिला को ट्रैफिक जिला न बनाए जाने को लेकर पीड़ा है। समाजसेवी डॉक्टर यासीन अंसारी ने कहा कि जब गढ़वा जिला बना तब वे सत्ताधारी पार्टी के जिला अध्यक्ष हुआ करते थे, जिला बनने से पूर्व गढ़वा में 90% से अधिक खपरैल के मकान होते थे, आज 2% से भी कम कच्चे मकान बचे हैं। गढ़वा तरक्की कर रहा है, यह तरक्की जारी रहे, यही कामना है।

लायन सुशील केसरी ने कहा कि गढ़वा ने काफी विकास किया है लेकिन जलस्तर के मामले में काफी नुकसान हुआ है, बालू उठाव रोकने तथा वृक्षारोपण की दिशा में सोचने की आवश्यकता है।

शिक्षक अरुण दुबे ने कहा कि सभी संसाधनों में सर्वोच्च मानव संसाधन होता है जिसके लिए हमें शिक्षा पर जोर देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि उन्हें गर्व है कि उनकी छात्रा नम्रता कुमारी गढ़वा की धरती से ही भारतीय प्रशासनिक सेवा तक पहुंची हैं। शिक्षा ही वह चीज है जिसके बढ़ाने से जिले में अपराधीकरण पर भी लगाम लग सकती है। इसके अलावा समाजसेवी दयाशंकर गुप्ता, वरिष्ठ पत्रकार नित्यानंद दुबे, सेवा निवृत शिक्षक द्वारिका प्रसाद पांडेय, प्रमोद सोनी, नीरज श्रीधर, अधिवक्ता अशोक पटवा, इंतियाज अंसारी, डॉ लालमोहन मिश्रा, बृजेश पांडे, आत्माराम पांडे, पूनम श्री आदि ने भी अपने विचार रखें।

संवेदक ने ट्रैक्टर ड्राइवर के साथ मारपीट की, विरोध में दो घंटे तक सड़क जाम

आजाद सिपाही संवाददाता

भवनाथपुर । भवनाथपुर कपूरी चौक से लेकर कैलान गांव होते हुए कांडी तक निर्माणाधीन कालीकरण पथ निर्माण के संवेदक द्वारा एक ट्रैक्टर ड्राईवर के साथ मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दिए जाने का मामला सामने आया है। उक्त ट्रैक्टर ड्राईवर सह मालिक कैलान निवासी अरुण यादव है। संवेदक द्वारा मारपीट की घटना आग की फैल गयी, देखते ही देखते कैलान गांव के ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचकर संवेदक के प्रति विरोध जताते हुए कालीकरण पथ निर्माण को बंद कराते हुए करीब दो घंटे तक सड़क पर बैठ रहे। घटना की जानकारी मिलते ही थाना प्रभारी रजनी रंजन, एसआई निरंजन शर्मा पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर आक्रोशित ग्रामीणों को समझाया तथा दोषी पर कार्रवाई का आश्वासन देते हुए जाम को हटवाते हुए पथ निर्माण कार्य को शुरू कराया। पीड़ित अरुण यादव ने बताया कि वह मंगलवार के सुबह करीब दस बजे वह अपने ट्रैक्टर से ईंट लेकर कैलान आ रहा था, तभी बन रहे कालीकरण पथ निर्माण के संवेदक राजा सिंह ने मेरा गाड़ी रोककर गाली गलौज करते हुए कहा कि तुमने पिच पर ट्रैक्टर क्यों चढ़ाया, जब मैं बोला की गाड़ी कहां चलायें, तो उक्त संवेदक ने मेरा गला पकड़ कर मेरे साथ मारपीट किया तथा धमकी भरे लहजे में कहा कि साले आज तुमको जिंदा नहीं छोड़ेंगे, साथ ही धमकी दिया कि अगर थाना पुलिस किया तो तुम्हे इसका बुरा परिणाम भुगतना पड़ेगा। जबकि संवेदक राजा सिंह ने बताया कि कालीकरण पथ निर्माण में सड़क पर पिचिंग किया जा रहा था, तभी अरुण यादव अपना ट्रैक्टर पिच पर चढ़ाते हुए आगे बढ़ने लगा, जब मैं उसे कहा कि आप बगल से जाइए, तो उसने कहा कि आगे से हट जाइए नहीं तो आपके उपर भी ट्रैक्टर चढ़ा देंगे। रोकने के बाद वह मुझसे उलझ गया और अपने क्षेत्र में पथ निर्माण कार्य बंद कराने की धमकी देते हुए चला गया। उधर पुलिस आवेदन के आलोक में मामले की

मां शायर देवी धाम महोत्सव : राम-हनुमान युद्ध का हुआ रोचक मंचन

आजाद सिपाही संवाददाता

मेराल। प्रसिद्ध मां शायर देवी धाम का पांचवा वार्षिक महोत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। मंदिर प्रांगण में चल रहे सांस्कृतिक कार्यक्रम के दूसरे दिन महावीर मंडली बाजार टोला के कलाकारों ने राम-हनुमान युद्ध का सचित्र मंचन कर दर्शकों को हतप्रभ कर दिया। कलाकारों द्वारा भक्त और भगवान के बीच युद्ध का ऐसा अभिनय किया गया कि पूरा पंडाल प्रभु श्री राम की जयकारों से गूंज उठा। राम-हनुमान युद्ध नाटक प्रस्तुति में डायरेक्टर नरेंद्र प्रसाद पटवा के निर्देशन में भास्कर गुप्ता ने भगवान राम, कृष्ण प्रसाद

शौंडिक ने भक्त हनुमान, रमेश प्रसाद ने नारद, रामजी ठाकुर ने विश्वामित्र, रामप्रवेश ठाकुर ने लक्ष्मण, अनिल मेहता ने अंजनी तथा नरेंद्र पटवा ने भगवान शंकर का शानदार अभिनय कर दर्शकों का खूब मनोरंजन कराया। मंदिर संचालन समिति के अध्यक्ष संजय भगत द्वारा समस्त कार्यक्रम का संचालन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य संरक्षक प्रेमचंद प्रसाद, कार्यकारी अध्यक्ष विजय प्रसाद गुप्ता, कृष्ण प्रसाद कुशवाहा, महेंद्र प्रसाद, रामेश्वर शर्मा, मनोज जायसवाल सहित बड़ी संख्या में दर्शक शामिल थे।

छठ महापर्व को लेकर साफ-सफाई शुरू

केतार। लोक आस्था का महान छठ महापर्व चार दिनी सूर्य उपासना नहाय खाय से शुरू होकर शुक्रवार को सूर्य अर्घ्य दान के साथ समापन होगा। चैती छठ व रामनवमी को लेकर चारो ओर भक्ति वातावरण देखने को मिल रहा है। छठ महापर्व को लेकर श्री सूर्यनारायण मंदिर परिसर मुकुंदपुर की साफ-सफाई पूरी कर ली गयी है। बताते चलें कि पहाड़ी वादियों में तीन ओर से घिरा मुकुंदपुर स्थित प्रसिद्ध नारायण वन मंदिर में छठ व्रत करने के लिए स्थानीय छठ व्रतियों के अलावा बाहर से भी छठ वर्ती आते है। मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष योगेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि इस मंदिर परिसर में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार का समस्या नहीं हो, इसलिए उचित व्यवस्था कर लिया गया है।

एमएस पब्लिक स्कूल का हुआ उद्घाटन

आजाद सिपाही संवाददाता

केतार। केतार बाजार में बुधवार को एमएस पब्लिक स्कूल का उद्घाटन प्रमुख चंद्रावती देवी, मुखिया प्रमोद कुमार, थाना प्रभारी अरुण कुमार रवानी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। स्कूल के डायरेक्टर पंकज कुमार ने बताया की स्कूल के सभी शिक्षक शिक्षिका प्रशिक्षित है। यहां सीबीएससी पैटर्न पर आधारित शिक्षा मिलेगी। स्कूल में आधुनिक सुविधा से लैश कक्षाएं, पुस्तकालय, कंप्यूटर क्लास डॉसिंग क्लास सहित अन्य सुविधा उपलब्ध है। इस मौके पर प्रमुख प्रतिनिधि सुरेंद्र प्रसाद, शिक्षक सह समाजसेवी बबलू सिंह, संतोष ठाकुर, पवन सिंह सहित छात्र छात्राएं, शिक्षक, अभिभावक उपस्थित थे।

गुलाब इंटरनेशनल स्कूल में कल से क्लास शुरू

केतार प्रखंड के बलिगढ पंचायत के मोटंगवा गुलाब इंटरनेशनल स्कूल में क्लास शुरू होने के उपलक्ष्य में स्कूल के डायरेक्टर शैलेंद्र सिंह उर्फ छोटन सिंह धर्मपत्नी और स्कूल के सचिव एकता सिंह के साथ विधिवत पूजा अर्चना किया। वहीं गुलाब इंटरनेशनल स्कूल के डायरेक्टर शैलेंद्र सिंह ने बताया की 3 अप्रैल से कक्षा शुरू कर दिया जायेगा। अभिभावकों से अपने बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए विद्यालय में नामांकन करवाने की आग्रह किया है।

डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती मनाने को लेकर बैठक

श्री बंशीधर नगर (आजाद सिपाही)। प्रखंड के महदेइया ग्राम स्थित नव प्राथमिक विद्यालय में आगामी 14 अप्रैल को संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती मनाने को लेकर प्रबुद्ध लोगों की बैठक मानिक राम की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में सर्वसम्मति से बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती भव्य तरीके से मनाने का निर्णय लिया गया। बैठक में आगामी 14 अप्रैल को प्रातः 6 बजे महदेइया स्थित बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नगर उंटारी बाबा बंशीधर मंदिर परिसर स्थित बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद पैदल मार्च करते हुये पाल्हे ग्राम तक जाने तथा वापसी में चितविश्राम होते हुये जगजीवन मोड़, पिपरडीह, जमुआ ग्राम का भ्रमण करते हुये पुनः महदेइया पहुंचकर प्रभातफेरी संपन्न करने का निर्णय लिया गया। बैठक में जिपस पति प्रमोद कुमार, माणिक राम, सुदेश्वर राम, जितेंद्र कुमार, सूर्यदेव राम, दिनेश राम, जयराम, जितेंद्र कुमार, अमर राम, महेंद्र राम, सुरेंद्र कुमार, अखिलेश राम, श्रीकेश्वर निराला, विक्रम कुमार, मनीष कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

रेड क्रॉस सोसाइटी कार्यसमिति की बैठक

गढ़वा (आजाद सिपाही)। रेड क्रॉस सोसाइटी गढ़वा जिला के कार्यसमिति की बैठक स्थानीय सदर अस्पताल गढ़वा के सभागार में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता रेड क्रॉस के चेयरमैन डॉक्टर एमपी गुप्ता और संचालन रेड क्रॉस के सचिव डॉ जेपी सिंह ने की। बैठक में सर्वसम्मति से गत बैठक की पुष्टि की गयी। बैठक में चेयरमैन डॉ एमपी गुप्ता ने बताया कि गढ़वा रेडक्रॉस सोसाइटी को वर्ष 2024-25 में सबसे ज्यादा रक्तदान शिविर लगाने के लिए एड्स कंट्रोल सोसाइटी झारखंड द्वारा प्रशस्तिपत्र एवं मोमेंटो मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी गढ़वा के द्वारा प्राप्त हुआ है। आगामी 7 अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर प्रातः 10 बजे पुराने समाहारणालय में रेडक्रॉस का कार्यालय का शुभारंभ किया जायेगा, ततपश्चात उसी समय वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जायेगा जिसमें ब्लड प्रेसर, शुगर, आदि जांच सह जागरूकता कार्यक्रम भी किया जायगा। बैठक में रेड क्रॉस के चेयरमैन डॉ एम पी गुप्ता, वाइस चेयरमैन विनोद कमलापुरी, सचिव डॉ ज्वाला प्रसाद सिंह, सहसचिव नन्द कुमार गुप्ता, विजय केशरी, रघुवीर प्र कश्यप, रामनारायन प्रसाद, उमेश अग्रवाल, मुकेश ठाकुर, बिनोद कुमार गुप्ता इन्वेस्टमेंट आदि सदस्य उपस्थित थे।**

थाना प्रभारी ने तीन अनाथ बच्चों को खाने-पीने की सामग्री उपलब्ध करायी

थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर अभिजीत गौतम मिश्रा की अनूठी पहल, पेश की मानवता का मिसाल

आजाद सिपाही संवाददाता

भंडरिया। भंडरिया प्रखंड क्षेत्र के जनेवा पंचायत के बायाखुरा गांव के तीन अनाथ बच्चों को भंडरिया थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर अभिजीत गौतम मिश्रा की अनूठी पहल गरीब असहाय परिवार के 6 माह के दुधमुहें बच्चे को पीने का दूध और उसके लिए भोजन उपलब्ध कराकर मानवता का मिसाल कायम की। जानकारी के अनुसार दो माह पूर्व दुधमुहें बच्चे की मां की मौत मिर्गी बीमारी के कारण पानी में गिर जाने से मौत हो गयी थी, तब से बच्ची की देखरेख अलग-बगल के महिलाओं के

द्वारा किया जा रहा है। परिवार इतना गरीब है कि घर में खाने कि लाले पड़े हुए हैं दाने बने का मोहताज है घर में बच्चे के पिता के अलावा 3 साल व 5 साल के छोटे-छोटे दो लड़के हैं परिवार की स्थिति की जानकारी मिलने पर थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर अभिजीत गौतम मिश्रा के द्वारा तीनों बच्चों को खाने पीने की सामग्री और दुधमुहें बच्चे को दूध समेत कपड़ा दिया गया है। सरकार की उदासीनता के कारण मृतक महिला के परिवार वालों को किसी भी तरह का सरकारी लाभ नहीं मिल पाया है। पंचायत की मुखिया प्रवणता देवी के द्वारा गरीबों को देखते हुए पोस्टमार्टम के समय ही आर्थिक मदद की गयी थी, साथ ही सरकार के द्वारा मिलने वाले लाभ दिलाने की बात कही गयी थी जो की कहने की बात रह गयी। इस संबंध में थाना प्रभारी ने कहा कि तत्काल बच्ची को सभी जरूरत के सामग्री उपलब्ध करा दिये हैं। इसकी समस्या को लेकर बीडीओ अमित कुमार से मेरी बात हुई है। इस संबंध प्रखंड बिकास पदाधिकारी अमित कुमार से पूछने पर उन्होंने बताया कि जानकारी नहीं थी उस गरीब परिवार को तत्काल खाने-पिने का समान उपलब्ध करा दिया जायेगा। अगर राशन कार्ड नहीं होगा, तो तत्काल राशन कार्ड मुहैया करा दिया जयेगा।

आरके पब्लिक स्कूल मझिआंव में सम्मान समारोह आयोजित

छात्रों की बेहतरी के लिए गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा देने के निरंतर प्रयास किये जा रहे हैंः अलखनाथ पांडेय

आजाद सिपाही संवाददाता

मझिआंव। आरके पब्लिक स्कूल उंचरी मझिआंव में वार्षिक परीक्षा परिणाम वितरण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के निदेशक और गढ़वा जिला के प्रसिद्ध शिक्षाविद् अलखनाथ पांडेय ने मुख्य रूप से विद्यालय की उपलब्धियों पर चर्चा की और अभिभावकों को विद्यालय में उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं से अवगत कराया।

उन्होंने बताया कि विद्यालय में स्मार्ट क्लासेस, अत्याधुनिक लैब्स, बच्चों के लिए खेलकूद की पर्याप्त सुविधाएं, और योग्य शिक्षकों से पढ़ाई की व्यवस्था की गयी है। उन्होंने कहा कि हमारे विद्यालय में बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं मौजूद हैं, जो एक अच्छे स्कूल में होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि बच्चों की शिक्षा के लिए हर प्रकार की उचित व्यवस्था की गयी है, ताकि वे अपनी प्रतिभा को पहचान सकें और अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकें।

उन्होंने ने बच्चों के बेहतर विकास के लिए सुझाव देते हुए कहा कि उन्हें मोबाइल से दूर रखें और प्रतिदिन उनकी प्रगति की जांच करें। इसके अलावा, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ कृष्ण मुरारी पांडेय, सेवानिवृत्त प्राध्यापक, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिलचर (असम), ने भी बच्चों को अपनी मेहनत और समर्पण से उत्कृष्टता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

इसके पश्चात कक्षा नर्सरी से लेकर कक्षा 7 तक के छात्रों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को मेडल और प्रशस्ति पत्र प्रदान किये गये। इसके अलावा, कक्षा 10 के प्री-बोर्ड परीक्षा में सफल छात्रों को भी सम्मानित किया गया। सम्मानित छात्रों में प्रीति कुमारी, बादल कुमार, कुमकुम कुमारी, अर्चना कुमारी, कायनात नाज, सलोनी कुमारी, और हंजला कौशर के नाम शामिल हैं।

प्रखंड प्रमुख अजय साव के पिता का निधन, शोक

सगमा (आजाद सिपाही)। सगमा प्रखंड के ब्लॉक प्रमुख के पिता लगभग सत्तर वर्ष का तड़के सुबह गाय का दूध बाल्टी में लेकर घर की ओर जा रहे थे, तभी अचानक दूध का बाल्टी हाथ से गिर गया, देखते देखते वे भी जमीन पर गिर गये। इसे देखते ही परिवार के लोगों ने किसी प्रकार संभालते हुए घर के अंदर के ले गये। डॉक्टर ने कहा कि इन्हे तुरंत अन्य अस्पताल लेकर जाइए मगर गढ़वा पहुंचने के पहले रास्ते में ही उनकी मौत हो गयी। ढाढ़स देने वाले लोगों में मुख्यरूप से बीरबल मुखिया इंद्रजीत कुशवाहा, जिप प्रतिनिधि नंद गोपाल यादव, पूर्व मुखिया इसहाक अंसारी, धीरज जयसवाल, सुमन नाथ मिश्र सहित अन्य ने दिया।

श्री राम लला मंदिर के प्रांगण में राम कथा का आयोजन

श्रीराम कथा सुनकर ही सच्चे कल्याण की प्राप्ति संभव : अलखनाथ

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। शहर के सोनपुरवा स्थित श्रीराम लला मंदिर के प्रांगण में आयोजित श्रीराम कथा के शुभारंभ के अवसर पर श्रीराम लला मंदिर समिति गढ़वा के अध्यक्ष गढ़वा जिला के जाने-माने शिक्षाविद और वरिष्ठ समाजसेवी अलखनाथ पांडेय ने श्रीराम लला मंदिर समिति के सभी पदाधिकारी गण और सदस्य गण के साथ संयुक्त रूप से कथा का शुभारंभ किया।

इस शुभ घड़ी के अवसर पर श्रीराम लला मंदिर समिति के अध्यक्ष अलखनाथ पांडेय ने कहा कि राम कथा में सुनाए जा रहे बहुत अच्छे प्रसंग के बारे में विस्तार से बताया जा रहा है।

उन्होंने राम कथा को श्रवण कर उसमें कहीं गयी हर बातों को अपने जीवन में उतारने के लिए कथा श्रवण करने वाले सभी लोगों

से अपील किया। साथ ही श्रीराम कथा वाचक आचार्य संजय शास्त्री के मुखारविंद से बहुत ही अच्छे प्रसंग सुनाया गया। आचार्य संजय शास्त्री ने कहा कि ये शास्त्र की मर्यादा है। शास्त्र कहता है कि जो गुरु जी गुरु मंत्र देते है पति-पत्नी को वह मंत्र भी एक दूसरे को नहीं बताना चाहिए। गुरु जी का दिया हुआ मंत्र गुप्त रखना चाहिए। माता पार्वती देवर्षि नारद जी से कहती हैं कि मेरे स्वामी भोलेनाथ देवाधि देव महादेव मेरे से कोई बात नहीं छुपाते हैं। हर बात मुझसे कहते हैं। आज समाधि में भगवान राम और कृष्ण का दर्शन हुआ यानि कि मुझसे बहुत प्रेम करते हैं। माता पार्वती जी के बात सुनकर देवर्षि नारद जी ने कहा कि ये तो बहुत अच्छी बात है कि देवाधिदेव महादेव आप से कोई बात नहीं छुपाते, तब तो आप से ये भी बात बतायेंगे होंगे कि 24 घंटे अपने गले में मुंड की माला धारण किए रहते है उस माला में किसके मुंड लगे हुए है।

देवाधिदेव महादेव ने कहा कि देवी मैं उस अमृत कथा का पान किया हूं जो हर किसी को दुर्लभ है। उस अमृत कथा का नाम है अमर देवी मैं उस अमृत कथा का पान किया हूं जो हर किसी को दुर्लभ है। उस अमृत कथा का नाम है अमर कथा। मौके पर श्रीराम लला मंदिर समिति के सभी पदाधिकारी गण जिसमें अध्यक्ष अलखनाथ पांडेय, उपाध्यक्ष सुदर्शन सिंह, नंदकुमार गुप्ता, विनोद कमलापुरी, मनोज केसरी, सचिव धनंजय सिंह, सहसचिव सत्यनारायण दुबे, कोषाध्यक्ष धनंजय गौड़, कार्यालय मंत्री धनंजय ठाकुर, कार्यक्रम संस्थापक किशोर सिंह, मुख्य पुजारन माता सरस्वती कुंवर, पुजारी बैजनाथ तिवारी, संरक्षक द्वारिका प्रसाद केसरी, नवीन चंद सिंह, राजमोहन पाल, राकेश पाल, ध्रुव केसरी, दिलीप कमलापुरी, श्यामा पांडेय, जितेंद्र कमलापुरी सहित कई श्रद्धालु उपस्थित थे।

लगमा ठाकुरबाड़ी मंदिर में 24वां मानस महोत्सव 4 से

बाल स्वामी जी महाराज को कार्यक्रम के लिए निमंत्रण देते समिति के लोग।

6 अप्रैल को होगा भव्य श्री राम जन्मोत्सव और भंडारा का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

मेराल। लगमा गांव स्थित ठाकुरबाड़ी मंदिर में 24वां तीन दिवसीय मानस महोत्सव 04 अप्रैल से प्रारंभ होगा। इसकी जानकारी देते हुए सत्संग समिति नगमा के संयोजक द्वारिका नाथ पांडे ने बताया कि 24वां मानस महोत्सव का विराट आयोजन 4 अप्रैल को ध्वज स्थापन के साथ प्रारंभ होगा, 5 अप्रैल को अखंड मानस पाठ एवं नौ विद्वान आचार्यों द्वारा दुर्गा सप्तशती का पाठ, हवन पूजन तथा 06 अप्रैल रविवार को रामनवमी के दिन 10 बजे से 'श्री राम जन्मोत्सव' अयोध्या से पधारे संत शिरोमणि बाल स्वामी अवधेंद्र प्रपन्नाचार्य जी महाराज के सानिध्य में संपन्न होगा। इसके बाद उन्हीं के साथ आये आचार्यों, सांस्कृतिक मंडली द्वारा दोपहर 1 बजे तक सोहर एवं बधाई गान चलेगा। साथ ही हजारों श्रद्धालुओं के बीच विशाल भंडारा का आयोजन किया जायेगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में गढ़वा एसडीएम संजय कुमार सहित पलामू प्रमंडल से कई गणमान्य विशिष्ट विभुतियों की उपस्थिति होगी। उन्होंने लोगों को अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर पावन अनुष्ठान और रामनवमी शोभायात्रा को सफल बनाने का आग्रह किया है।

लवाहीकलां में लक्ष्मी नारायण महायज्ञ 4 से

डंडई (आजाद सिपाही) । डंडई प्रखंड के क्षेत्र लवाहीकलां पंचायत भवन के समीप 4 अप्रैल से प्रारंभ होने वाले पांच दिवसीय लक्ष्मी नारायण महायज्ञ की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। महायज्ञ के आचार्य 1008 श्री स्वामी शत्रुध्यानाचार्य महाराज जी पिछले 15 दिनों से संध्या समय श्रद्धालुओं को कथा श्रवण करा रहे हैं। उन्होंने जानकारी देते हुए मंगलवार को बताया कि 4 अप्रैल को कलश यात्रा व 5 अप्रैल को अग्नि मंथन के साथ महायज्ञ का शुभारंभ किया जायेगा। यज्ञ में अयोध्या वृंदावन से चलकर आए विद्वान पंडितों के द्वारा कथा श्रवण किया जायेगा। इस अवसर पर 4 अप्रैल से 9 अप्रैल तक रामलीला का भी मंचन होगा। जिसमें हजारों श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। वहीं यज्ञ में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए प्रतिदिन भंडारा का आयोजन किया जायेगा। पूरे आयोजन को सफल बनाने के लिए युवा, बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे सभी अपनी-अपनी जिम्मेदारियों को निभाने में जुटे हैं। आयोजन समिति के सदस्यों ने सभी श्रद्धालुओं से यज्ञ में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की है। यज्ञ के सफल आयोजन के लिए कमेटी के अध्यक्ष सुदर्शन प्रसाद, सचिव बैजनाथ प्रसाद, कोषाध्यक्ष लाल बिहारी पासवान, संरक्षक घुरबीगन बैठा, मुखिया बच्चा लाल गुप्ता, उपाध्यक्ष महेंद्र नाथ पांडेय, उपसचिव मंगरु बैठा, महामंत्री बसंत प्रसाद वर्मा, संयोजक नवरंग पासवान, दिलीप पटवा सहित गांव के लोग यज्ञ की तैयारी में जुटे हुए हैं।

आजाद सिपाही
रांची, बुधवार, 02 अप्रैल, 2025
www.azadsipahi.in
08

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया सरहुल

विधायक के प्रयास से बास्की में शुरू हुई विद्युतापूर्ति

खूंटी (आजाद सिपाही)। तोरपा के झामुमो विधायक सुदीप गुड़िया के प्रयास से तोरपा प्रखंड के बास्की गांव में बिली आपूर्ति शुरू हो गयी। विधायक ने मंगलवार को कमड़ा पंचायत के बासकी ग्राम में ट्रांसफार्मर का उद्घाटन किया। ज्ञात हो की गांव का ट्रांसफार्मर काफी दिनों से खराब था। इसके कारण ग्रामीण अंधकार में रहने के लिए विवश थे। विधायक के प्रयास से ग्रामीणों की समस्या का समाधान किया गया। इस पर ग्रामीणों ने सुदीप गुड़िया कें प्रति आभार प्रकट किया। मौके पर झामुमो के तोरपा प्रखंड अध्यक्ष रूबेन तोपनो, पंकज सिंह, शिवनारायण सिंह, मनोज सिंह, राजनाथ सिंह, धर्मनाथ सिंह सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

धूमधाम से मनाया गया सीआरपीएफ 94 बटालियन का स्थापना दिवस

खूंटी (आजाद सिपाही)। 94 बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल का 38वां स्थापना दिवस मंगलवार को सीआरपीएफ के तजना स्पोर्ट्स कंपलेक्स खूंटी स्थित मुख्यालय में धूमधाम से मनाया गया। इस वाहिनी की स्थापना एक अप्रैल 1988 को भुवनेश्वर ओड़िशा में हुई थी। बटालियन के स्थापित होने के बाद यह बटालियन देश के विभिन्न राज्यों जैसे नागालैंड, पंजाब, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, जम्मू-कश्मीर और दिल्ली में तैनात रही है। मार्च 2010 से यह बटालियन नक्सल विरोधी ऑपरेशन ड्यूटी के लिए झारखंड के खूंटी जिले में तैनात है। अपनी कार्य योजना को धरातलीय रूप देकर इस वाहिनी ने कई यह अभूतपूर्व सफलताएं अर्जित की हैं। स्थापना दिवस के अवसर पर कमांडेंट विनोद कुमार ने सीआरपीएफ के शहीदों को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने क्वार्टर गार्ड में सलामी ली और जवानों के साथ सैनिक सम्मेलन के माध्यम से बटालियन के गौरवमयी इतिहास और उपलब्धियां के बारे में जानकारी दी। कमांडेंट ने पेंशन कर्मियों और शहीदों के परिजनों को सम्मानित किया और उपहार भेंट किया। साथ ही उनकी समस्याओं के बारे में चर्चा की। अपराह्न में वॉलीबॉल मैच का आयोजन किया गया, जिसमें विजेता झैर उप विजेता टीम को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में कमांडेंट के अलावा उप कमांडेंट अंजन कुमार मंडल, चिकित्सा पदाधिकारी डॉ विनय कुमार यादव, सूबेदार मेजर सहित इस वाहिनी के जवान उपस्थित थे।

नवाडीह प्रज्ञा पीठ का 44वां स्थापना दिवस संपन्न, हरिकीर्तन का आयोजन

खलारी (आजाद सिपाही)। सोमवार को नवाडीह प्रज्ञा पीठ का 44वां स्थापना दिवस श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर प्रांगण में प्रति वर्ष की भांति 24 घंटे के अखंड हरि कीर्तन का आयोजन किया गया, जिसका समापन मंगलवार को दोपहर 12:35 बजे विधिवत रूप से संपन्न हुआ। कीर्तन में पंडित लोकनाथ पाठक ने पुरोहित की भूमिका निभाई, जबकि जजमान के रूप में मधु यादव एवं उनकी पत्नी ने भाग लिया। इस अखंड कीर्तन में अंबिका गुप्ता की कीर्तन मंडली और पतरातु कीर्तन मंडली का विशेष योगदान रहा, जिन्होंने भक्ति संगीत से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। भक्तों ने भजन-कीर्तन के माध्यम से भगवान का स्मरण किया और पूरे क्षेत्र में आध्यात्मिक उल्लास का संचार हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में शिवनंदन यादव, मधु यादव, कलिंदर ठाकुर, परमानंद गुप्ता, बिरजू गुप्ता, जितेंद्र यादव, गोविंद प्रसाद साहू, नरेश यादव, वासुदेव ठाकुर, प्रेम गुप्ता, आनंद गुप्ता, दीपक गुप्ता, नवीन यादव, मोनू गुप्ता, ग्रामीण महिला मंडली तथा अमर ज्योति क्लब नवाडीह के सदस्यों का विशेष योगदान रहा। इन सभी के सहयोग से कार्यक्रम का सफल संचालन हुआ और भक्तों ने भक्ति भाव से इसमें भाग लिया।

बुंडू में निकाला गया मंगलवारी जुलूस

बुंडू (आजाद सिपाही)। राम नवमी को लेकर बुंडू में महावीर मंदिर लाठी संघ एवं बजरंग दल लाठी सेवा संघ के द्वारा मंगलवारी जुलूस निकाला गया। यह बुंडू नगर पंचायत के विभिन्न चौक चौराहों से गाजे-बाजे के साथ निकली गयी। दोनों लाठी सेवा संघ के द्वारा पारंपरिक हथियार के साथ एक दूसरे के साथ खेल कर लोगों का मनोरंजन किया और जय श्री राम और जय बजरंगबली तारों का उद्घोष करते हुए सैकड़ो लोग चल रहे थे। यात्रा को अपने-अपने घरों और छतो से देखने के लिए लोग निकले।

सरहुल पर्व पर निकाली गयी शोभायात्रा

खलारी (आजाद सिपाही)। खलारी प्रखंड क्षेत्र में प्रकृति पर्व सरहुल धूमधाम से मनाया गया। कमाती धौड़ा सरना स्थल पर पाहनों के द्वारा विधिवत पूजा अर्चना किया गया। प्रखंड के कमाती धौड़ा सरहुल कार्यक्रम में मुख्य रूप से कांके विधायक सुरेश बैठा एवं बीडीओ संतोष कुमार, अंचलाधिकारी प्रणव अंबष्ट और इंस्पेक्टर जयदीप टोप्पो मौजूद थे। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के सरना स्थलों से भव्य शोभायात्रा निकाली गयी। इस दौरान महावीर नगर के कमाती धौड़ा स्थित सरना स्थल पर पहान विनोद मुंडा के द्वारा विधिवत पूजा अर्चना किया गया। इस बार खलारी प्रखंड क्षेत्र के लपरा, हेसालोंग, हुटाप, अंबाटोंगरी, खलारी बाजारटांड़ पेट्रोल गोदाम, मायापुर, बुकबुका सरना समिति सहित विभिन्न जगहों से सरहुल शोभा यात्रा में शामिल हुए। सरहुल शोभा यात्रा का मिलान खलारी ओवरब्रिज के समीप हुआ। मौके पर रंथु उरांव, इंदिरा तुरी देवी, जिप सदस्य सरस्वती देवी, मुखिया पारसनाथ उरांव, तेजी किस्पोट्टा, सुनीता देवी, पुतुल देवी, दीपमाला कुमारी, सोनी देवी सहित सहित काफी संख्या में महिला पुरूष शामिल हुए।

बटुका खपिया में धूमधाम से की गयी सरहुल पूजा

पिपरवार (आजाद सिपाही)। कोयलांचल के निकट बुंडू पंचायत स्थित बटुका खपिया में सरहुल पूजा धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर पाहन वीर मोहन गंझू के द्वारा सरना स्थल पूरे विधि विधान से पूजा अर्चना करने के बाद वहां से पाहन को ग्रामीणों ने गाजे बाजे के साथ सरना स्थल तक लाया। उसके बाद मंडाटांड़ में मेला में परिवर्तित हो गया। बटुका खपिया के युवक युवतियां ढोल और मांदर के थाप पर थिरक उठे। पूजा को सफल बनाने मे मुख्य रूप से पूर्व पंचायत समिति मोहन कुमार, पाहन वीर मोहन गंझू, बालेश्वर महतो, पूर्व मुखिया बैजनाथ महतो, पूजा समिति के अध्यक्ष मनेश उरांव,सचिव मुकेश उरांव, कोषाध्यक्ष चैता उरांव, संयोजक विनोद उरांव, वीरेंद्र उरांव, दीपक साहू, उपेंद्र यादव, उदयनाथ महतो, राजमणि तिर्की, रामचंद्र उरांव सहित कई लोगों का अहम योगदान रहा।

हाथियों के आतंक से ग्रामीणों ने प्रशासन को दी चेतावनी

गजराजों से निजात नहीं मिली तो करेंगे रेलवे ट्रैक जाम

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। जंगली हाथियों द्वारा कर्रा प्रखंड के ग्रामीण इलाकों में लगातार किये जान-माल के नुकसान से त्रस्त गांव वालों ने चेतावनी दी है कि यदि गजराजों के आतंक से उन्हें निजात नहीं दिलाई गयी, तो वे रेल रोको, सड़क जाम और वन विभाग के अधिकारियों का घेराव सहित अन्य आंदोलनात्मक कदम उठायेंगे। जरियागढ़ थाना क्षेत्र के मुरेचकेल गांव में मंगलवार को खुदी साहू की अध्यक्षता में विभिन्न गांवों के ग्रामीणों की हुई बैठक में एक स्वर से वन विभाग और प्रशासन की कायशैली की निंदा की। बेठक को संबोधित करते हुए जिला परिषद सदस्य जारोंग आइंद ने कहा कि कर्रा प्रखंड के ग्रामीण इलाकों में पिछले 40-45 वर्षों से जंगली हाथियों का आतंक जारी है। उन्होंने कहा कि अब तक सैकड़ों बार प्रशासन और वन विभाग से हाथियों के खूनी खेल से मुक्ति दिलाने की गुहार लगा चुके हैं, पर विभाग अब भी उदासीन बना हुआ है। बैठक को संबोधित करते हुए भाजयुमो के मंडल अध्यक्ष विनय गुप्ता ने कहा कि नगड़ा पतराटोली गांव में एक जंगली हाथी ने उमेश बारला नामक 33 वर्षीय आदिवासी युवक को हाथियों ने कुचल कर मार दिया, लेकिन न तो वन विभाग के अधिकारी और न ही बीडीओ या सीओ अथवा विधायक नगड़ा गांव पहुंचे। उन्होंने कहा कि 25 हजार रुपये देकर वन विभाग खामोश हो गया। अधिकार पाने के लिए संगठित होना जरूरी है। नीलांबर सिंह ने कहा कि जरियागढ़ थाना क्षेत्र में आतंक मचा रहा हाथी पागल हो गया है।

जरियागढ़ रेलवे स्टेशन को चालू करने की मांग

बैठक में लोगों वर्षों से बंद पड़े जरियागढ़ रेलवे स्टेशन को फिर से चालू कराया जाये। बैठक की अध्यक्षता करते हुए खुदी साहू ने कहा कि स्टेशन कें बंद होने से आसपास के 20-25 गांवों के लोगों की परेशानी बढ़ गयी। बैठक में आदि उपस्थित थे। बैठक में ग्रामीणों ने जरियागढ़ को प्रखंड बनाने की भी मांग की। बैठक में भाजपा के मंडल मंत्री नीलांबर सिंह, नारायण नायक, कृष्णा पाहन, शंकर दास, रामकिशन सिंह, रंजीत सिंह सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

खूंटी में भगवान सिंडबोंगा की पूजा-अर्चना की

खूंटी (आजाद सिपाही)। जिला मुख्यालय खूंटी और आसपास के गांवों समेत सरना धर्म सोतो समिति के डोगड़ा, दुलवा, बंदगांव, बालो, कमड़ा, बिरबांकी, खजूरदाग, उलिहातू, कोचांग आदि में मंगलवार को सरहुल त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पाहनों और सरना धर्म गुओं की अगुवाई में गांवों के सरना स्थलों में भगवान सिंडबोंगा की पूजा-अर्चना कर पुरखों को याद किया गया और खुशहाली की कामना की गयी। मौके पर लोगों ने एक दूसरे को सखुआ (साल) का फूल लगाकर प्रेम और भाईचारा का संदेश दिया। मौके पर धर्मगुरु बगरय मुंडा ने लोगों को प्रकृति पर्व सरहुल की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सरहुल को प्रेम और भाईचारा के साथ मनाना चाहिए। इस आयोजन में सुगुन दास मुंडा, सुधा मुंडू, मथुरा कंडीर, महादेव मुंडा, चंद्र प्रभात मुंडा, सनिका बोदरा, विश्राम टुटी, सुभासिनी पूर्ति, मंगा ओड़ेया, डॉ सीताराम मुंडा, जीतू पहान, सोमा मुंडा, सनिका तिडू, सोमा पहान, फागु सिंह मुंडा, जेठा पहान,मंगरा पहान, सुगना पहान आदि ने योगदान दिया।

कल्याणपुर में सरहुल पूजा महोत्सव का आयोजन

पिपरवार (आजाद सिपाही)। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के कल्याणपूर सरना क्लब मे सरहूल पूजा महोत्सव का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम की अध्यक्षता फूलदेव टाना भगत और संचालन निर्मल उरांव एवं करण कुमार महतो ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सिमरिया विधायक कुमार उज्जवल दास और विशिष्ट अतिथि मे टंडवा प्रमुख रीना कुमारी, जिला परिषद सदस्य नेहा उरांव सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे। इस समारोह का उद्घाटन अतिथियों के द्वारा विधिवत रूप से फीता काटकर किया गया, जिसके बाद सभी अतिथियों का स्वागत बुके देकर किया गया। वक्ताओ ने कहा कि सरहुल पर्व को हमलोग प्राकृतिक त्योहार के रूप में मनाते हैं। इस मौके पर टण्डवा प्रखंड प्रमुख रीना कुमारी, जिला परिषद नेहा उरांव, पूर्व मुखिया सरोज देवी, भाजपा पिपरवार मंडल अध्यक्ष धीरेन्द्र शर्मा, सांसद प्रतिनिधि रविंद्र कुमार सिंह, लक्ष्मण मंडल, सुनील चौरसिया, मुखिया रीना देवी, शिवशंकर साव सहित काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

खूंटी में दिखने लगा रामनवमी का उत्साह

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। रामनवमी का त्यौहार आने में अभी भले ही चार दिन बाकी हैं, लेकिन पूरा खूंटी जिला रामनवमी को लेकर भगवामय हो गया है। जिला मुख्यालय सहित गांव गांव में महावीर झंपता का और झंडे लहरा रहे है। मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की जयंती के अवसर पर छह अप्रैल को जिला मुख्यालय सहित सभी प्रखंडों और गांव में रामनवमी की शोभायात्रा निकली जायेगी। इसके पूर्व पांच अप्रैल को विभिन्न जगहों पर अष्टमी का जुलूस भी निकाला जायेगा। केंद्रीय रामनवमी महासमिति खूंटी की अगुवाई में रामनवमी की शोभायात्रा निकाली जायेगी। खूंटी के अलावा तोरपा, कर्रा, रनिया, मुरहू, अड़की प्रखंड मुख्यालय में भी रामनवमी की तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं।

चमरी बारला के घर के तीन सदस्यों की जान ले चुकी हैं हाथियां, मुआवजा की मांग

अभी तक सरकार की ओर से उन्हें मात्र 25 हजार रुपये दिये गये हैं।

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। जरियागढ़ थाना क्षेत्र के नगड़ा गांव में जंगली हाथियों की चपेट में आकर अपनी जान गंवाने वाले उमेश बारला की मां चमरी बारला बताती हैं कि जंगली हाथी अब तक उसके परिवार के तीन सदस्यों की जान ले चुके हैं। 24 मार्च को एक जंगली हाथी ने चमरी के बेटे को कुचलकर मार डाला था। चमरी बताती है 1987 में उनकी दो बेटियों 12 वर्षीय डुभन बारला और 15 वर्षीय यमुना बारला को जंगली हाथियों ने मार डाला था। इसके बावजूद अभी तक उसे पूरा मुआवजा तक नहीं मिला। उमेश की पत्नी सेनेन्न टोपनो और भाई मणि बारला ने कहा कि अभी तक सरकार की ओर से उन्हें मात्र 25 हजार रुपये दिये गये हैं।

सीसीएल प्रबंधन ने बचरा छठ घाट की करायी सफाई

पिपरवार (आजाद सिपाही)। सीसीएल पिपरवार कोयलांचल क्षेत्र में होने वाले चैती छठ पूजा को लेकर सारी तैयारी जोर-शोर से की जा रही है। मंगलवार को सीसीएल पिपरवार एरिया प्रबंधन के द्वारा चैती छठ पूजा को लेकर बचरा छठ घाट की साफ सफाई कराया गया। प्रबंधन के द्वारा मशीन भेज कर पूरे छठ घाट की साफ सफाई कराया गया। छठ घाट में फैले गंदगी को वहां से हटाते हुए सफाई किया गया। इसके अलावे नदी में जल स्रोत कम होने के कारण पानी को एकत्रित करने के लिए गड्ढा भी किया गया। इस मौके पर मुखिया रीना देवी, नागेश्वर राम, उमेश कुमार सिंह, महावीर रजवार, भोला मियां सहित कई लोग मौजूद थे।

पारंपरिक रीति-रिवाज से की गयी पूजा-अर्चना

बुंडू (आजाद सिपाही)। पूरे पांच परगना क्षेत्र में सरहुल का पर्व धूमधाम से मनाया गया। बुंडू, तमाड़, अड़की, सोनाहातु और राहे में धूमधाम से सरहुल का पर्व मनाया गया। पारंपरिक रीति रिवाज से सखुआ पेड़ की डाली को पहान द्वारा पूजा-अर्चना कर दिन भर नगाड़े की ताल पर विभिन्न जगहों पर नाच-गान चलता रहा। तमाड़ के विधायक बुंडू में कई जगह में शरीक हुए। तमाड़ हाई स्कूल मैदान आदिवासी संगठन द्वारा परंपरागत तरीके से सरहुल मनाया गया। पांच परगना के हृदय स्थल आदिवासी कॉलेज छात्रावास में करीब 30 गांव के आदिवासी संगठन पहुंच कर सरहुल मनाया। कॉलेज के छात्रों द्वारा परंपरागत तरीके से स्वागत किया गया। मानव सेवा संस्था के सुप्रिमो रोशन महतो के नेतृत्व में मौसी बाड़ी परिसर में चना गुड़ का वितरण किया गया। वहीं समाजसेवी राम दुर्लभ सिंह मुंडा और बंटी मुंडा के नेतृत्व में विभिन्न पुजा स्थलों में जाकर लोगों की हौसला अफजाई किया।

तमाड़ में निकाली गयी सरहुल की भव्य शोभायात्रा

तमाड़ (आजाद सिपाही)। सरहुल पूजा महोत्सव हाई स्कूल तमाड़ मैदान में हुई, पहान श्याम लाल मुंडा द्वारा पुजा अर्चना बाद संपन्न हुआ। प्रसाद वितरण के साथ ही विभिन्न नृत्य दलों द्वारा पारंपरिक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। इस अवसर पर हम प्रकृति के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं और अपनी धरम, संस्कृति को और अधिक समृद्ध बनाने का संकल्प लेते हैं। वन जंगल है तो पर्यावरण संरक्षित है। इस तरह के सामूहिक आयोजन से आपसी भाईचारे और प्रेम को बढ़ावा मिलता है। शाम को पुष्प विसर्जन के लिए गिडिबा स्थल तमाड़ से टांड़ तक शोभायात्रा निकाली गयी, जिसमें लोग नाचते गाते शामिल हुए। इस आयोजन में प्रमुख नृत्य दलों में मुचिडीह, खुदीमाड़ी अंड़की, मसोगा, ईंदीपीड़ी, लोहड़ी टिम्पूर, मारांपीड़ी, मोदीडीह आदि शामिल हुए। कार्यक्रम की सफल आयोजन मे दमयंती मुंडा, भगीरथ सिंह मुंडा, श्रवण सिंह मुंडा महेंद्र नाथ शाहदेव शकुंतला खंडित, धीरेंद्र सिंह मुंडा, गोविंद सिंह मुंडा, ठाकूर मुंडा, सत्यनारायण सिंह मुंडा आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

एनके एरिया ने किया 23 लाख 83 हजार 324 टन कोयला उत्पादन

आजाद सिपाही संवाददाता

खलारी। सीसीएल एनके एरिया ने इस वित्तीय वर्ष 2024 - 25 में कठिन परिस्थितियों में भी काफी अच्छा कोयला उत्पादन किया है। इस संबंध में महाप्रबंधक दिनेश कुमार गुप्ता ने डकरा ऑफिसर्स क्लब में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी देते हुए बताया कि एनके एरिया को मिले उत्पादन लक्ष्य 38 लाख के मुकाबले एरिया ने 23 लाख 83 हजार 324 टन कोयला का उत्पादन किया। जबकि एरिया ने 36 लाख 21 हजार 733 घन मीटर ओबी का उत्पादन किया है। वही कोयला डिस्पैच में भी कमी रही, एरिया ने वित्तीय वर्ष 2024 25 में 14 लाख 8 हजार टन कोयला का डिस्पैच कर सकी। महाप्रबंधक दिनेश कुमार गुप्ता ने बताया कि विकट परिस्थितियों के बावजूद एरिया के कुशल कामगारों ने कड़ी परिश्रम कर कोयला उत्पादन को 24 लाख के करीब पहुंचाने का काम किया है। एनके एरिया की टीम इसके लिए बधाई के पात्र हैं। आंकड़ा जारी करते हुए महाप्रबंधक ने बताया कि डकरा से पांच लाख 69 हजार 632, चूरी से पांच लाख 64 हजार 272, केडीएच से 9 लाख 41 हजार 768, पुरनाडीह से 2 लाख 5 हजार 592 और रोहिणी से एक लाख दो हजार 60 टन कोयला का उत्पादन हुआ है। उन्होंने बताया कि 2025-26 में 34 लाख टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य मिला है, जिसे एक सही कार्ययोजना के साथ सभी के सहयोग से हासिल किया जायेगा। साथ ही जमीन की समस्याओं पर भी कार्य किया जायेगा। प्रेस कांफ्रेंस के मौके पर महाप्रबंधक संचालन के के झा, मुख्य कार्मिक अधिकारी ज्योति कुमार, श्रमिक प्रतिनिधि प्रेमकुमार, सुनील कुमार सिंह, शैलेश कुमार , डीपी सिंह, पिंकू सिंह, शैलेंद्र सिंह, रमेश कुमार मौजूद थे।

राष्ट्रीय योगासन खेल चैंपियनशिप में साउथ प्वाइंट पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने कई स्वर्ण पदक जीते

आजाद सिपाही संवाददाता

बुंडू। जय प्रकाश अस्पताल और अनुसंधान केंद्र द्वारा आयोजित प्रथम ओपन राष्ट्रीय योगासन खेल चैंपियनशिप 2024-25 का आयोजन योगासन खेल संघ सुंदरगढ़ एवं मार्शल आर्ट अकादमी राउरकेला द्वारा संयुक्त रूप से 29 और 30 मार्च 2025 को राउरकेला, ओड़िशा में आयोजित किया गया। प्रतियोगिता में बुंडू के साउथ प्वाइंट पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिसमें रिम्मी राज कुमारी ने पारंपरिक योगासन में दो स्वर्ण पदक जीते। कलात्मक एकल पारंपरिक योगासन में काव्या ने एक स्वर्ण पदक जीता और एक

कांस्य पदक अपने नाम किया। कलात्मक एकल में आयुषी कुमारी ने स्वर्ण पदक, कलात्मक निर्देशक में आरोही कुशवाहा ने कांस्य पदक, कलात्मक युगल में सिया बिद और पूजा कुमारी ने कांस्य पदक जीते। कलाकार जोड़ी में श्रेया चटर्जी ने कांस्य पदक जीता। कलात्मक एकल में खुशी कुमारी ने रजत पदक, आंवी अग्रवाल और तृषा चटर्जी ने कांस्य पदक, लयबद्ध जोड़ी में हर्षिता प्रसाद ने कांस्य पदक जीता। पारंपरिक योगासन में अंशुमान कुंडू ने रजत पदक जीता। कुल मिलाकर साउथ प्वाइंट पब्लिक स्कूल ने चार स्वर्ण, दो रजत, 8 कांस्य पदक अपने नाम किया। विद्यालय की योग टीम की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए स्कूल के प्राचार्य सुभाष कुमार पाटनी ने सभी विजेताओं को बधाई दी। उन्होंने योग शिक्षक बबलू कुमार के अथक प्रयास की सराहना करते हुए टीम को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

श्रद्धा और हर्षोल्लास से मनाया गया बाहा बोंगा महोत्सव

बाहा पर्व आस्था और प्रकृति-पूजक रक्षक का प्रतीकः मंत्री रामदास सोरेन

आजाद सिपाही संवाददाता

ईचागढ़। सरायकेला-खरसवां जिले के चांडिल गोलचक्कर स्थित दिशोम जाहेरगाढ पर झारखण्ड दिशोम बाहा (सरहुल) महोत्सव भव्य रूप से प्रकृति की उपासना का महापर्व बाहा (सरहुल) श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ सर्वप्रथम नायके बाबा द्वारा विधिवत रुप से पूजा-अर्चना शुरूआत किया गया। सभी लोग नतमस्तक होकर देवी-देवताओ के आशीष के रुप मे सखुआ फूल अर्थात सारजोम बाहा ग्रहण किया और कुल देवता यानि (मारांग बुरू जाहेर आयो मोडे को तुरूय को) आशीर्वाद भी प्राप्त किये। नायके बाबा के हाथो से महिलाओं ने सारजोम बाहा को अपने जुड़ो और पुरूषो ने अपने कानो पर सारजोम बाहा से सजाया, सभी लोगो ने सामूहिक रूप से सुखी समृद्धि की कामना भी किये। चांडिल गोलचक्कर जाहेरथान में बहागीत से बाहामय हो गया। खासकर जनजातीय समाज के युवक-युवतियो बढ-चढकर भाग लेकर अपनी आपसी एकता और अखंडता प्रकृति प्रेम को प्रदर्शित किया। इस मौके पर मंत्री रामदास सोरेन, ईचागढ विधायक सविता महतो, पारगाना रामेश्वर बेसरा कार्यक्रम मे शामिल हुए और अन्य गण्यमान्य समाजिक, वरिष्ठ लोग भी शिरकत साथ मे अदिवासी-मुलवासी समाज और विभिन्न राज्यो से हजारो-हजार की संख्या मे अपने पारंपरिक-परिधान मे पंहुचे थे। इस आयोजन में माझी बाबा तारांचाद टुडू, गुरुचरण किस्कू, चारूचांद किस्कु, दिलिप किस्कू, संतोष किस्कू, सुगी हांसदा, बैधनाथ टुडू, सुदामा हेम्ब्रम, दिनेश मुर्मु, अजय टुडू,आदि लोग कार्यक्रम को सफल बनाया ।

नहाय-खाय के साथ चैती छठ महापर्व शुरू

इटकी में नहाय खाय का अनुष्ठान करती छठव्रती।

इटकी (आजाद सिपाही)। इटकी और आस पास के गांवों में मंगलवार को नहाय खाय के साथ चैती छठ पर्व शुरू हो गया है। दर्जनों छठव्रती पोखर, नदी और तलाब जलाशयों में पहुंचे । इसके बाद स्नान ध्यान कर भगवान भाष्कर की पूजा अर्चना के बाद मिट्टी के चूल्हे में चना दाल, कद्दू और अरवा चावल का भात बनाऐं। भोग लगाकर खुद ग्रहण किया और दूसरों को भी खिलाया। बुधवार को छठव्रती खरना करेंगे। तीन मार्च गुरुवार को छठव्रती अस्ताचली सूर्य देव को पहला अर्घ देंगे। जबकि चार मार्च शुक्रवार को प्रात: उदयमान भगवान भाष्कर को अर्घ देंगे।

अच्छी बारिश की कामना के साथ पाहनो ने की इष्ट देवता की पूजा

रातू बड़काटोली से झखराटांड़ तक निकली विशाल शोभायात्रा

जुलूस में पारंपरिक एकता की झलक दिखी

आजाद सिपाही संवाददाता

रातू। प्रकृति पर्व सरहुल पूजा पर पाहनो ने इष्ट देवता की पूजा कर अच्छी बारिश की कामना की। सरहुल पूजा महोत्सव सरना समिति की ओर से दिन के 12 बजे बड़का टोली से विशाल शोभायात्रा निकाली गयी। सरहुल पूजा समिति के अध्यक्ष व पूर्व जिप सदस्य अमर उरांव के नेतृत्व में निकाली गयी जुलूस में रातू बड़काटोली के अलावा हुरहुरी, बाड़ी टोला, टीपु टोला, काठी टांड, झखराटांड, जामुन टोला, कुंबाटोली, तिलता आदि दर्जनों गावो के हजारों लोग शामिल हुए। यहां पारंपरिक एकता की झलक देखने को मिली। शोभायात्रियों के बीच पेयजल, चना और गुड़ बांटे गये। जुलुस में सीएचसी की ओर से चिकित्सा की व्यवस्था की गयी थी। सुरक्षा के भी कड़े प्रबंध किये गये थे। इसकी कमान डीएसपी अरविंद कुमार और थानेदार रामनारायण सिंह ने संभाली । पूजा व जुलुस में शांति बनी रही। कही से किसी अप्रिय घटना की सुचना नहीं है। देर शाम झखराटांड में जुलूस समाप्त कर दी गयी।इधर तिगरा सरना समिति व दलादिली में भी सरहुल पूजा महोत्सव की धूम रही। सरहुल पूजा व जुलूस की सफलता में पंचायत प्रतिनिधियो व समाज के प्रबुद्ध लोगों का सराहनीय योगदान रहा।

ओरमांझी : सरहुल पूजा धूमधाम से की गयी

ओरमांझी (आजाद सिपाही)। प्रखंड के लगभग सभी गांवों में सरना धर्म को मानने वाले लोग अपने अपने सरना स्थल में पुजारी पाहन, पईन भरा के साथ पारस्परिक रीति रिवाज के साथ पूजा किया गया। पूजा के बाद सरना स्थलों पर ढोल, नगाड़े, मांदर और थापर के धुन पर युवक, युवतियां, बड़े बुजुर्ग सभी झूमते, नाचते, गाते नजर आये। गांगु टोली ओरमांझी में नोना पाहन, सुनिल पाहन, कृष्ण पाहन, दशरथ पाहन, मुना पाहन, राजधानी पाहन, राजू मुंडा, राजेश मुंडा, पन्ना, विक्की, कपीशर मुंडा, विनोद मुंडा, राज कुमार पाहन आदि उपस्थित थे।

इटकी में श्रीरामचरितमानस पाठ सह प्रवचन शुरू

इटकी (आजाद सिपाही)। इटकी के श्री जगन्नाथ मंदिर परिसर के पंडाल में रविवार को कलश स्थापना के साथ श्रीराम चरित मानस पाठ सह राम कथा का 76वां अधिवेशन शुरू हो गया है। पंडित शत्रुध्न पांडे द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच भगवान श्रीराम, माता जानकी, भाई लक्ष्मण और बीर हनुमान की प्रतिमा को पंडाल में स्थापित किया। इसके बाद विधि विधान के साथ पूजा अर्चना किया और राम चरित मानष पाठ का शुभारंभ किया गया। इधर वृदांवन से पहुंची श्रीराम कथा वाचिका गोपी लाडली और आचार्य जितेंद्र शास्त्री द्वारा रात आठ बजे से श्री राम चरित मानस पर प्रवचन का भी शुरूआत की गयी। श्रीराम चरित मानस पाठ का छह अप्रैल को पूणार्हुती की जायेगी।

सिकिदिरी में पहान ने पूजा अर्चना कर अच्छी फसल और अच्छी बारिश की कामना की

सिकिदिरी (आजाद सिपाही)। प्राकृतिक का महापर्व सरहुल जो चैत्र शुक्ल शुक्ल तृतीया को प्रतिवर्ष मनाया जाता है। इस वर्ष मंगलवार के दिन नवागढ, के रंगामाटी, बड़कीगोड़ाग, नवागढ, कुच्चू, टाटी, हेसातु और हरातु पंचायत में हर्षोल्लास के साथ मनायी गयी। विशेष कर नवागढ रसना में पहान ने पूजा अर्चना कर इस वर्ष अच्छी फसल व अच्छी बारिश की कामना की। साथ में खक्सीटोली और आसपास के महिला पुरुषों ने पारंपरिक बाध्य यंत्रों के साथ नाचगान कर आनंद मनाया। सरना स्थल में आने वाले हर व्यक्ति को कोई असुविधा न हो इसके लिए मनरतन करमाली, कुलदीप मुंडा, विजय बेदिया, परमेशवर बेदिया, रूसवा मिर्धा, दीपेंद्र बेदिया, कलेश मुंडा, विड़ंबर बेदिया, वीरेंद्र, श्रवण, सुलेन, रंजीत, शिबू, एतवा बेदिया, ओम कुमार संगवार, पंचम भोगता, सोनू करमाली, सोमरा बेदिया, जगदीश, अनिल, अजय, गौतम, दीलीप, बीगल, गोंदा आदि का अहम योगदान रहा।

बेड़ो के मासु गांव में हुई सरहुल पूजा

बेड़ो (आजाद सिपाही)। प्रखंड के मासु गांव में प्रकृति पर्व सरहुल पूजा के अवसर पर बुधवार को सरहुल पूजा महासमिति मासु के तत्वावधान में पंचम पहान ने सरई फूल, अरवा चावल, अरवा सुता, दूध, पानी, सिंदूर, धूप लकड़ी, महुवा फूल के द्वारा विधिवत पूरे विधि विधान के साथ पूजा अर्चना किया गया। जहां पहान ने गांव में खुशहाली के साथ अच्छी वर्षा की कामना किया। मौके पर समाजसेवी संजय उरांव ने कहा कि प्रकृति पर्व सरहुल आदिवासी समाज का सबसे बड़ा त्योहार के रूप में मनाया जाता है। यह पर्व आपसी भाईचारा और प्रेम का संदेश देता है। उन्होंने पुरखों द्वारा दिये गये परंपरा को बचाने का आह्वान किया। साथ ही सभी को मिलकर प्रकृति का संरक्षण करने की अपील की। मौके पर महतो एतवा उरांव, नंदू भगत, बंधना टाना भगत, सुखदेव भगत, लक्ष्मण टाना भगत, सनम उरांव, प्रेम, विदेश, महादेव, गणेश, बुधराम, शिवराज, माया, सहित ग्रामवासी मौजूद थे।

अनगड़ा में भव्य सरहुल शोभायात्रा निकाली गयी

आजाद सिपाही संवाददाता

अनगड़ा। अनगड़ा चौक में मंगलवार को भव्य सरहुल शोभायात्रा निकाली गयी। इसमें हजारों की संख्या में सरना धर्मावलंबी महिला-पुरुष पारंपरिक वेश भूषा बाजे गाजे के साथ शामिल हुए। इस अवसर पर अनगड़ा चौक में पाहन मिलन समारोह का भी आयोजन किया गया। इससे पहले नारायण सोसो, अनगड़ा एवं जानुम सरना स्थल में विधिवत पाहन पूजा के उपरांत जुलूस निकाला गया। जहां अनगड़ा चौक में जुलूस का मिलन हुआ। मौके पर मधुसूदन मुंडा, लोकनाथ पाहन, मुन्ना मुंडा, जगेश्वर महतो, दिनेश्वर महतो, पुशनाथ मुंडा, महावीर मुंडा, सोहन मुंडा, राजेश उरांव, आशीष उरांव आदि मौजूद थे। इस अवसर पर केंद्रीय सरना समिति द्धारा प्रखंड मुख्यालय में सरहुल मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में आशीष मुंडा, महावीर मुंडा, पुशनाथ मुंडा, कालीचरण मुंडा, केशव केसरिया आदि उपस्थित हुए। इधर जिरकी (मुसंगू) मैदान में सरहुल मिलन सह पाहन मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाजसेवी बुधराम बेदिया, बदरी पाहन, आशिर्वाद बेदिया, सारथी देवी, जियालाल, शुक्रमनी देवी, विमल बेदिया आदि शामिल हुए।

महापर्व मंडा को लेकर भोक्ताओं का हुआ प्रवेश

लापुंग । लापुंग प्रखंड के ककरिया में होने वाले प्रसिद्ध महापर्व मंडा पूजा को लेकर भोक्ताओं को आज पुरे विधी विधान के साथ मंदिर में प्रवेश कराया गया। पट भोक्ता महेंद्र लोहरा की अगुवाई में पहले दिन 31 भोक्ताओं ने प्रवेश किया। इस दौरान पुजारी सुरेश देवघरीया ने सारे अनुष्ठान कराया।

इटकी में सरहुल पूजा धूमधाम से की गयी

इटकी। इटकी सरना स्थल झखड़ा में सोमवार को प्रकृति पर्व सरहुल हर्षोल्लास के साथ धूमधाम से मनाया गया। इसके लिए सरहुल पूजा समिति के सदस्यों के द्वारा सरना स्थल को आकर्षक ढंग से सजाया गया। सुबह पहान अशोक उरांव, पानभरा बिजो उरांव, मुर्गी झोलवा सतीष उरांव व पडहा राजा अमन उरांव के द्वारा पूजा के सभी अनुष्ठान विधिवत व पारंपरिक ढंग से किया गया। परंपरा के अनुसार 12 पड़हा के लिए 12 मुर्गी को चरा कर बलि दी गयी। जिसमें सर्वप्रथम सफेद, रंगवा और तंबाही मुर्गी, उसके बाद अन्य मुर्गियों की बलि देकर भगवती से रोग, दुख, सुख समृद्धि और अन्य आपदाओं से निवारण के लिए अनुष्ठान को पूर्ण किया गया। पहान के अनुसार दूध डबकी को देख कर इस वर्ष पूर्व और दक्षिण से बारिश आने की संभावना व्यक्त किया। मौके पर सरहुल पूजा समिति के द्वारा अपने लोगों के बीच वस्त्र का भी वितरण किया गया। मौके पर सरहुल पूजा समिति के अध्यक्ष बीरा उरांव सुधीर उरांव, सुका उरांव, विजय उरांव, मुन्ना उरांव, साधु उरांव, बंधन उरांव, रंजीत उरांव सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

बेड़ो में निकला अंतिम मंगलवारी जुलूस

आजाद सिपाह संवाददाता

बेड़ो में निकली अंतिम मंगलवारी जुलूस में शामिल रामभक्त।

बेड़ो। विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के तत्वावधान में मंगलवार को रामनवमी को लेकर अंतिम मंगलवारी जुलूस निकाला गया। जुलूस ऐतिहासिक झंडा मिलन स्थल कारगिल चौक से राम भक्तों के द्वारा विधिवत पूजा -अर्चना कर निकाला गया। जो कारगिल चौक से शुरू होकर मंगलवारी जुलूस देवी मंडप चौक, बाजार टांड़ व जिला परिषद स्थानों का भ्रमणकर महावीर चौक स्थित बजरंग बली मंदिर पहुंच कर संपन्न हुआ। जहां रामभक्तों द्वारा बजरंग बली का झंडा लगाया गया। इस दौरान भक्तों के जयश्री राम और जय हनुमान के गगनभेदी जयघोष से पूरा प्रखंड मुख्यालय गुंजायमान रहा। जुलूस का नेतृत्व विश्व हिंदू परिषद के प्रखंड अध्यक्ष शशि टाइगर यादव ने किया। जुलूस में हरिचरण महतो,सत्यनारायण साहू, ज्वाला सिंह, धीरज कुमार, विकास सोनी, प्रेम महतो, दीपक सिंह यादव, लक्ष्मी गुप्ता, अपूर्व खन्ना, सुरजीत भगत, ब्रजेश और सतवीर लाल खन्ना, मनोज, राजेश समेत सैकड़ों रामभक्तों ने सराहनीय योगदान दिया।

प्रकृति पर्व सरहुल पर मिलन समारोह सह शोभायात्रा का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

नामकुम। प्रकृति पर्व सरहुल के अवसर पर मंगलवार को नामकुम में मिलन समारोह सह भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। इस मौके पर सरहुल पूजा समिति नामकुम पूर्वी क्षेत्र, रिंगरोड रामपुर बाजार गड़के और केंद्रीय सरहुल पूजा समिति नामकुम प्रखंड द्वारा सरहुल मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों के साथ-साथ अन्य समुदायों के लोगों की भी उत्साहजनक भागीदारी रही। शोभायात्रा में 48 खोड़हा दलों के लोग पारंपरिक वेशभूषा में मांदर और ढोल की थाप पर थिरकते हुए चले। यात्रा के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये थे और जगह-जगह शोभायात्रा का पारंपरिक रूप से स्वागत किया गया। इस अवसर पर पाहन अनिल लकड़ा ने विधिवत सरहुल पूजा अर्चना संपन्न करायी। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित खिजरी विधायक राजेश कच्छप और खूंटी विधायक रामशरण मुंडा का स्वागत सर्वप्रथम कमेटी द्वारा पौधा देकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर अतिथियों ने संयुक्त रूप से कहा कि सरहुल प्रकृति का पर्व है। जब पेड़-पौधे नये पत्तों से सुसज्जित हो जाते है, तब यह त्योहार मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज हजारों वर्षों साल से वृक्ष से जुड़े है और इसे सरहुल पर्व के रूप में मनाते आ रहे है। इधर संस्कृति और परंपराओं का प्रदर्शन शोभायात्रा के दौरान पारंपरिक नृत्य और वाद्य यंत्रों की धुनों ने सभी को मोहित किया। पूरे आयोजन के दौरान आदिवासी समाज के लोग ढोल-नगाड़ों की ताल पर झूमते-गाते रहे और प्रकृति पर्व का आनंद लिया। इस अवसर पर सभी अखाड़ों को परंपरागत रूप से सम्मानित किया गया। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में नामकुम थाना प्रभारी मनोज कुमार, नामकुम बीडीओ विजय कुमार एवं नामकुम सीओ कमल किशोर सिंह उपस्थित रहे। इसके अलावा प्रमुख आशा कच्छप, रामपुर अध्यक्ष प्रकाश लकड़ा, नामकुम अध्यक्ष बिरसा पाहन, सचिव गंगा लकड़ा, पूर्व मुखिया महादेव मुंडा, मुखिया नन्हे कच्छप, निशा उरांव, चामू बेक, मुन्ना बड़ाईक, किरण, आरती कुजूर, अशोक, सोनल कच्छप, रामावतार केरकेट्टा, संजय, आकाश, सुनील, बादल, बिरीश सहित बड़ी संख्या में आदिवासी सरना समुदाय के लोग उपस्थित थे।

भसनंदा में बजरंगबली मंदिर की 10वीं वर्षगांठ धूमधाम से मनायी गयी

बेड़ो (आजाद सिपाही)। प्रखंड के भसनंदा गांव के टंगरा स्थित बजरंग बली मंदिर का दो दिवसीय 10वें वर्षगांठ के अवसर पर मंगलवार को भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा मंदिर परिसर से निकलकर पूरे गांव की परिक्रमा करते हुए बारीडीह गांव स्थित मसरी बेड़ा नदी पहुंची। जहां पुजारी किशोर पाठक ने यजमान पुना मुंडा सपत्नी अनिता देवी को वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच मां गंगा का आवाहन कर विधिवत रूप से मां गंगा की पूजा अर्चना की तथा कलश लेकर पहुंचे महिलाओं के कलश में गंगाजल उठाया। जिसके बाद कलश यात्रा वापस मंदिर परिसर पहुंचा, जहां कलश स्थापना की गयी।

अध्यात्म ही मुक्ति का मार्ग है : जैलेंद्र

नवनिर्मित श्री बजरंगबली मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा पर 251 महिलाओं ने निकाली कलश यात्रा

आजाद सिपाही संवाददाता

अनगड़ा। सिकिदिरी के चाडू में मंगलवार को नवनिर्मित श्री बजरंग बली मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर 251 महिलाओं ने कलश यात्रा निकाली। मुख्य अतिथि भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष जैलेंद्र कुमार और पूर्व सांसद रामटहल चौधरी ने महिलाओं को कलश देकर इसका शुभारंभ किया। जैलेंद्र कुमार ने कहा कि अध्यात्म ही मुक्ति का मार्ग है। इसके लिए ईश्वर की साधना ही एक मात्र विकल्प है। महिलाओं ने टोटी झरना नदी से कलश में जल लेकर ग्राम भ्रमण किया। इसके बाद मंदिर परिसर पहुंचकर कलश स्थापित किया गया। पुरे विधि विधान से पूजा अर्चना कर बजरंगबली की प्राण प्रतिष्ठा की गयी। मौके पर जिप सदस्य सरिता देवी, पंसस अनिल महतो, पूर्व मुखिया नीलमोहन पाहन, रणधीर चौधरी, राजधाम साहू, उप मुखिया प्रीतम महतो आदि उपस्थित थे।

दो पक्षों में विवाद, चले लाठी-डंडे और पत्थर

जब आदिवासी समाज के लोग सरहुल जुलूस को लेकर जाते समय दूसरे समुदाय के झंडे पर डीजे गाड़ी सट जाने को लेकर हुआ विवाद

24 घंटे के अंदर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अड़े रहे ग्रामीण।

पिठोरिया (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के बालू गांव में दो पक्षों के बीच मामूली विवाद को लेकर झड़प देखते ही देखते दोनों समुदाय के बीच खूनी संघर्ष हो गयी। बताते चलें कि मामला मंगलवार की है जब आदिवासी समाज के लोग सरहुल जुलूस को लेकर सरना स्थल पर जाकर पारंपरिक पूजा कर घर लौट रहे थे, उसी समय दूसरे समुदाय के झंडे पर डीजे गाड़ी सट जाने को लेकर कहा सुनी हुई। इसके बाद एक की ओर से दूसरे पक्षों पर जमकर पत्थर बाजी की गयी और महिलाओं के साथ पत्थर और लाठी-डंडे से वार किया गया और कई महिलाओं की साड़ी तक खोलने का प्रयास किया गया। सूचना मिलते ही पिठौरिया थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच कर दोनों पक्षों को समझने की प्रयास कर रही है। प्रशासन के आश्वासन के बाद मामले को शांत की गयी। क्षेत्र में फोर्स किया तैनाती की गयी है।

नगड़ी प्रखंड में सरहुल पर्व पर निकाली शोभायात्रा

पिस्कानगड़ी (आजाद सिपाही)। नगड़ी प्रखंड में सरहुल का त्योहार आदिवासी रीति रिवाज के साथ धूमधाम से मनाया गया। प्रखंड के सभी 13 पंचायत के ग्रामीण क्षेत्र के आदिवासी सरना स्थल पर प्रकृति, पूर्वज और देवी देवताओं की पूजा अर्चन की गयी। सरना स्थल पर दो घड़े में रखे पानी का आकलन कर किया गया। इससे पहले विभिन्न गांवों के पुजारी पाहन ने सरना स्थल पर विधि विधान के साथ देवी देवताओं, प्रकृति और पूर्वजों की पूजा की। मौके पर आदिवासी संस्कृति की बेहतरीन छटा देखने को मिला। शोभायात्रा का भव्य स्वागत नगडी के श्रीरामनवमी पूजा केंद्रीय महा समिति अंजुमन इस्लामिया नगडी देवरी कमेटी नवजवान कमिटी देवरी नौवजवान कमिटी सहित विभिन्न सामाजिक संस्थाओं दारा शिविर लगा कर शोभायात्रा यात्रा में शामिल लोगों का स्वागत किया गया। मौके पर 21 आदिवासी पड़हा पिस्कानगडी के अध्यक्ष विजय धान सुनील कच्छप पंचम प्रेम किस्स्पोट्टा प्रभात तिर्की लखन तिर्की विगल उरांव, सुरेश उरांव, अभिषेक कच्छप, शनिका महतो, करमा मुण्डा, लोरेंस पाहन, करण कच्छप विवेक उरांव सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

बेड़ो में सरहुल पर्व पर प्रकृति की आराधना कर मांगी सुख-समृद्धि, शोभायात्रा आज

बेड़ो (आजाद सिपाही)। प्रखंड मुख्यालय स्थित बड़ा व छोटा सरना स्थल में मंगलवार को ग्रामीण महिला और पुरुषों ने विधि पूर्वक पारंपरिक रीति-रिवाज से सरहुल पर मां सरना की पूजा अर्चना किया। इसके पश्चात लोगों ने क्षेत्र में सुख, शांति, समृद्धि की कामना की। जहां गांव के बुधवा पहान, पंचम पुजार, राकेश भगत व अनिल उरांव ने सरना स्थल पर पारंपरिक तरीके से पूरे विधि- विधान से पूजा-अर्चना किया। वहीं सखुआ फूल से पूजा कर नये फल फूल-कटहल, जोकी, डहू, फुटकल आदि को प्रसाद के रूप में सरना मां के चरणों में निवेदित किया। उसके बाद उसे ग्रहण किया गया। पाहन की अगुवाई में अच्छी वर्षा, अच्छी फसल तथा आमजनों की कुशलता के लिए प्रार्थना की गयी। मौके पर संरक्षक राकेश भगत ने कहा कि प्रकृति का महापर्व सरहुल आदिवासियों का सबसे बड़ा त्योहार है। उन्होंने कहा कि प्रकृति की हरियाली की तरह लोगों का जीवन भी हरा-भरा बना रहे। लोग इसकी कामना करते हैं। इधर सरहुल पूजा महासमिति के अध्यक्ष सुका उरांव ने बताया कि सरहुल पूजा महासमिति के अगुवाई में सरना स्थल में पूजा अर्चना कर वन विभाग रोड से बुधवार को अपराह्न एक बजे भव्य शोभायात्रा निकाली जायेगी।

रामकथा सुनने से सभी पापों का नाश होता है : शैलप्रिया

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। श्रीराम मंदिर जोन्हा में चल रही नौ दिवसीय श्रीराम कथा के तीसरे दिन अयोध्या की कथावाचिका सुश्री शैलप्रिया ने श्रोताओं को प्रभु श्रीराम जन्म की कथा का रसपान कराया। प्रसंग सुनकर श्रोता भाव विभोर हो उठे। माहौल भक्तिमय हो गया। कथा में राम जन्म होते हीं श्रीराम के जयकारों से पुरा पंडाल गुंज उठा। शैलप्रिया ने कहा कि राम कथा सुनने से सभी पापों का नाश होता है। मनुष्य जीवन प्राणी को बार-बार नहीं मिलता है, इसलिए कलयुग में दया, धर्म और भगवान के स्मरण से ही भवसागर पार हो सकते हैं। मनुष्य जीवन के महत्व को समझते हुए भगवान की भक्ति में अधिक से अधिक समय देना चाहिये। कहा कि भगवान का

जन्म असुरों और पापियों का नाश करने के लिए हुआ था। भगवान राम ने बाल्यावस्था से ही असुरों का नाश किया। उन्होंने कहा कि मयार्दा पुरुषोत्तम श्री राम का जीवन चरित्र अनंत सदियों तक चलता रहेगा। राम कथा में पिता, माता और भाई के प्रति प्रभु राम का जो स्नेह प्रेम रहा वह सदा- सदा के लिए अमर है। कहा कि राजा दशरथ के संतान न होने के कारण अपने कुलगुरु वशिष्ठ के पास जाते हैं, जहां वशिष्ठ द्वारा श्रृंगी ऋषि से शुभ पुत्र कामेष्टि यज्ञ करवाते है। यज्ञ कुंड से अग्नि देवता प्रकट होकर राजा दशरथ को खीर प्रदान करते हैं, जिसके बाद राजा दशरथ द्वारा तीनों रानियों कौशल्या, कैकई और सुमित्रा को खीर देते है। उस खीर के खाने से तीनों रानियों को भगवान राम सहित भरत, लक्ष्मण और शत्रुघ्न का जन्म होता है। कहा कि धर्म-कर्म पर ही संसार आश्रित है। मौके पर आयोजन समिति के अध्यक्ष संतोष साहू, बलराम साहू, प्रदीप साहू, सीताराम साहू, उदय साहू, निवारण साहू, किशोर, विकास साहू, अजय मंडल, प्रकाश साहू, चंद्रभूषण भुईयां, पंकज गुप्ता, परमेश्वर माली, नेपाली साहू, महिपाल पातर, रिजेश, कृष्णा साहू, मनोज आदि उपस्थित थे।

सरहुल महोत्सव : शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में निकाला गया जुलूस

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में मंगलवार को हर्षोल्लास प्राकृति का महापर्व सरहुल मनाया गया। केंद्रीय सरहुल संचालन समिति गुमला के नेतृत्व में लोहरदगा रोड स्थित उरांव क्लब दुंदरिया से सरहुल जुलूस निकाला गया। इसके अलावे शहर के चारों दिशाओं से जुलूस निकली और आपस में जाकर मिल गयी। सरहुल जुलूस में झारखंडी कला संस्कृति का समावेश देखा गया। सरहुल जुलूस दुंदुरिया उरांव क्लब से आरंभ हुई। जुलूस में शहर और आस पास के गांव से खोड़हा दल शामिल हुए। जुलूस के दौरान शहर के मुख्य मार्ग सरहुल की पारम्परिक गीत और संगीत से गुंजने लगा। महिलाओं के गीत पर पुरुष नगाड़ा और मांदर बजाकर नाच रहे थे। वहीं युवक युवतियां, बड़े और बच्चे एक दूसरे के हाथों में हाथ डालकर मांदर की थाप पर नाचते हुए आगे बढ़ रहे थे। गुमला के मेन रोड में जबरदस्त उत्सव का

नजारा था। सरहुल जुलूस दुंदरिया से आरंभ होकर लोहरदगा रोड होते हुए महावीर चौक, मेन रोड, टावर चौक, पालकोट रोड, घाटो बगीचा, सिसई रोड से थाना रोड होते हुए सरना क्लब दुन्दरिया में जाकर समाप्त हुआ। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों से आये सांस्कृतिक दल अपनी सुविधा के अनुसार जुलूस में शामिल हुए और सुविधा के अनुसार अपने गांव की ओर प्रस्थान कर गये। जुलूस में केंद्रीय सरहुल संचालन समिति के दीपनारायण उरांव, मंत्री चमरा लिंडा, पूर्व विधायक कमलेश उरांव, पूर्व विधायक शिव शंकर उरांव, पूर्व सांसद सुदर्शन भगत, सागर उरांव, केंद्रीय महावीर मंडल के अध्यक्ष अरूण साहु, शशि प्रिया बंटी, दामोदर कसेरा, अमित पोद्दार, रमेश कुमार चीनी, अनूप चंद्र अधिकारी, केशव साय, विकास सिंह, चैतु उरांव, भैया राम उरांव, गुलाम सरवर अंसारी, सुनिल उरांव, प्रदुम्न भगत, जितिया उरांव, अमित उरांव, हंदु भगत, झड़ी उरांव, राजनील तिग्गा, भोला चौधरी, निर्मल गोयल, संजीव उर्वशी, बिपिन सिंह, रूपक कुमार, हरजीत सिंह, कृष्णा उरांव, बद्री गुलशन सहित भारी संख्या में लोग शामिल थे।

सरहुल पर्व को लेकर शहर और आसपास के जनजातीय बाहुल्य गांवों में उत्साह का माहौल था। शहर मुख्यालय के सरना स्थलों में पहान पुजार द्वारा आस्था और विश्वास के साथ पारंपरिक विधि विधान के साथ पूजा की गयी और क्षेत्र के सुख शांति व समृद्धि के लिए धर्मेश से सामूहिक प्रार्थना की गयी।

सरकार को राष्ट्रीय अवकाश घोषित करना चाहिए : सुखदेव भगत

गुमला (आजाद सिपाही)। सरहुल महोत्सव पर सरकार को राष्ट्रीय अवकाश घोषित करना चाहिए। उक्त मांग लोहरदगा लोकसभा क्षेत्र के सांसद सुखदेव भगत ने गुमला में सरहुल के अवसर पर कहीं। उन्होने कहा कि सरहुल आदिवासी समाज का सबसे बड़ा पर्व है। पूरे देश में रथ यात्रा, रामनवमी व सरहुल आदि त्योहारों में भव्य शोभा यात्रा निकाली जाती है। लेकिन सरहुल पर्व पर राष्ट्रीय अवकाश नहीं होता है। जिसको लेकर वे संसद सत्र में भी आवाज उठा रहे है। श्री भगत ने कहा कि सरहुल पर्व केवल सूर्य व पृथ्वी का उपासना का पर्व नहीं है बल्कि पर्यावरण संरक्षण का महापर्व है और वर्तमान में पर्यावरण संरक्षण पूरे देश की जरूरत है। श्री भगत ने कहा कि पहान पूजार पूजा कर बारिश का आकलन करते हैं ताकि अच्छी वर्षा हो। उन्होंने सरहुल पूर्व पर सभी लोगों को बधाई दी। इस अवसर पर वे उरांव क्लब दुन्दरिया में पूजा अर्चना की और केंद्रीय सरहुल संचालन समिति ने उनको बैच पहनाकर स्वागत किया।

आदिवासी उत्थान कल्याण समिति ने सरहुल शोभायात्रा निकाली

घाघरा (आजाद सिपाही)। प्रखंड के नवडीहा में आदिवासी उत्थान कल्याण समिति द्वारा सरहुल पूजा पर शोभायात्रा का आयोजन किया गया। शोभायात्रा की शुरूआत नवडीहा सरना स्थल पर पहान पूजार द्वारा विधिवत पूजा अर्चना करायी गयी। साथ ही पंचायत क्षेत्र से आये खोड़हा दल पारंपरिक वेशभूषा में सुशोभित होकर शोभायात्रा में शामिल हुए। जो नवडीहा मुख्य पथ होते हुए करंजटोली स्थित देशवाली स्थल तक पहुंचे। जहां सभा में तब्दील हो गया। पंचायत क्षेत्र से सभी खोड़हा दल मंच के समीप पारंपरिक वेशभूषा में सुशोभित वाद्यय यंत्र के साथ नृत्य गीत का मंचन किया। मौके पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए भीनेश्वर भगत, समीर भगत, संदीप भगत सहित अन्य वक्ताओं ने कहा कि सरहुल पूजा प्राकृतिक की पूजा है। हम सभी को प्राकृतिक की रक्षा करने की जरूरत है। जल जंगल जमीन की रक्षा करने की जरूरत है। और सभी को संकल्प लेने की जरूरत है कि सभी पेड़ पौधे जीव जंतु की रक्षा करें। आदिवासी संस्कृति और सभ्यता को आगे बढ़ाने की जरूरत है।मौके पर भीनेश्वर भगत, समीर भगत, सज्जाद खान, संदीप भगत, दिलीप किंडो, जोगेंद्र भगत, उमेश उरांव, धनीराम उरांव, राजकुमार उरांव, भीनेश्वर भगत सहित सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

आदिवासी प्रकृति के संरक्षक और पूजक हैं : बंधन तिग्गा

डुमरी (आजाद सिपाही)। डुमरी में सरहुल पूजा महोत्सव मंगलवार को धूमधाम से मनाया गया। सरहुल पूजा महोत्सव में मुख्य रूप से मुख्य अतिथि आदिवासी धर्मगुरु बंधन तिग्गा, विशिष्ट अतिथि थाना प्रभारी अनुज कुमार, मुखिया प्रदीप मिंज, चेतनलाल मिंज, रेखा मिंज, ज्योति बहेर देवी थे। मुख्य अतिथि आदिवासी धर्मगुरु बंधन तिग्गा ने कहा कि आदिवासी समाज प्रकृति के संरक्षक और पूजक है हम सभी लोगों को आज के दिन पर्यावरण का बचाने का संकल्प लेने की आवश्यकता है। इसी संकल्प को लेकर आज हमलोग प्रकृति का पर्व सरहुल मना रहे हैं। इसके पूर्व में समिति के मीडिया प्रभारी प्रेम प्रकाश भगत द्वारा अतिथियों का स्वागत कर मंच तक लाया गया। साथ ही सरना पूजा स्थल ले जाकर पुजार बीरबल बैगा की अगुवाई में पूजा पाठ कराया गया।

उसके बाद सराई फूल खोसी और प्रसाद वितरण किया। बाद में सरना स्थल से प्रखंड सरहुल पूजा समिति के बैनर तले शोभायात्रा निकाली गयी, जो शोभायात्रा सरना स्थल से डुमरी बस्ती, दुर्गा मंदिर परिसर, क्रूस चौक नवाडीह, मुख्यालय परिसर से रविंदर नगर होते हुए टांगर डीह ग्राम स्थित झखराकुंबा पहुंच कर सभा में तब्दील हो गया। शोभायात्रा में सभी लोग डीजे साउंड और पारंपरिक भेष भूषा में गाजा बजा के साथ नाचते गाते हुए चल रहे थे। इस दौरान दूसरे समुदाय के लोगों के स्टॉल लगा कर शरबत पीला कर एकता का परिचय दिया। अंत में झखरा कुंभा परिसर में सामूहिक नाच के बाद विभिन्न गांवों से आये नृत्य मंडली को समिति की ओर से पारितोषिक वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में 25 गांव से लगभग 5 हजार की संख्या में लोगो आये थे। मौके पर समिति अध्यक्ष जून उरांव, जगरनाथ भगत, बीरेंद्र भगत, हेमंत भगत, सुरेन्द्र उरांव, अनिल भगत, रविशंकर भगत, श्रीराम उरांव, वासुदेव भगत, गोपाल भगत सहित कई लोग उपस्थित थे।

कामडारा के सरना स्थलों में की गयी पूजा-अर्चना

कामडारा (आजाद सिपाही)। कामडारा प्रखंड मुख्यालय पर मंगलवार को सरहूल पर्व को लेकर सरना धर्म समन्वय समिति और राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा के तत्वावधान पर सरहूल शोभायात्रा निकाली गयी। इसके पहले कामडारा के सरना पूजा स्थल पर दिन के 11 बजे के आसपास अनिश पहान और विजय सुरीन के द्वारा विधिवत पूजा अर्चना की गयी। वहीं पूजा स्थल पर रखे घड़ा के जलस्तर का आकलन करने उपरांत पहान ने बताया गया कि इस वर्ष अच्छी बारिश और फसलों का उपज होगा। इसके बाद लोगों ने एक दूसरे को सरहूल की शुभकामनाएं दी और सरना स्थल से पारंपरिक वाद्य यंत्र व सरना झंडा के साथ नाचते-गाते हुए शोभायात्रा निकाली गयी। जो खूंटी-सिमडेगा मुख्य पथ होते हुये कामडारा मिशन तक गयी। इसके बाद शाम लगभग चार बजे के आसपास पुनः सरना स्थल पर लौट के सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जिला परिषद सदस्य दीपक कंडूलना, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष अजीत केरकेट्टा, पिंटू केरकेट्टा, चैतू सिंह, मरकस तोपनो, राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा के निरल आईंद, धोगो केरकेट्टा, सिरील नाग सहित अन्य ग्रामीण महिला-पुरुष हजारों की संख्या मे शामिल हुए।

विश्व भारती संघ और बजरंग दल ने गुड़-चना का किया वितरण

गुमला (आजाद सिपाही)। प्रकृति पर्व सरहुल के अवसर पर विश्व भारती संघ एवं बजरंग दल के तत्वाधान में हनुमान मंदिर बस डिपो दुंदुरिया में स्टॉल लगाकर सरहुल शोभा यात्रा में शामिल लोगों के लिए चना गुड़ और शरबत का व्यवस्था किया गया। मुकेश सिंह और बिंदेश्वरी प्रसाद ने बताया सरहुल प्रकृति से जुड़ा एक पर्व है। इसमें सखुआ पेड़ की पूजा की जाती है। खासकर यह त्योहार झारखंड राज्य में मनाया जाता है जो कि जनजाति समुदायों का प्रमुख त्योहार माना जाता है। झारखंड के अलावा, इस त्योहार को बिहार, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ के आदिवासी क्षेत्रों में बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। मौके पर बिंदेश्वरी प्रसाद, प्रमोद सिंह,पप्पू शर्मा, अमृत सिंह, मुकेश सिंह, तिजेश्वर मिश्रा, मनोज मिश्रा, सोनू गुप्ता, मनीष मिश्रा, मंटू गुप्ता, गौरव कुमार, शुभम गुप्ता सहित अन्य कार्यकर्ता गण उपस्थित थे।

गुमला चैंबर ने शोभायात्रा के अगुवाओं का किया अभिनंदन

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। मंगलवार को सरना समाज के लोगों का पवित्र त्योहार सरहुल के मौके पर सरना समाज के विभिन्न समितियों द्वारा कई शोभा यात्रा निकाला गया। इस शोभा यात्रा का गुमला चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष राजेश सिंह के अध्यक्षता में मेन रोड में स्टॉल लगाकर स्वागत किया गया। शोभा यात्रा में शामिल लोगों को चना और शर्बत देकर स्वागत किया गया। शोभा यात्रा का नेतृत्व कर रहे अगुवा लोगों का भी चैंबर पदाधिकारियों ने माला पहना कर अभिनंदन किया और बधाई दिया। मौके पर चैंबर अध्यक्ष राजेश सिंह के साथ क्षेत्रीय उपाध्यक्ष रमेश कुमार चीनी, सचिव बबलू वर्मा, सह सचिव प्रणय साहू, निवर्तमान अध्यक्ष दामोदर कसेरा, मीडिया प्रभारी मोहम्मद इम्तियाज, पूर्व अध्यक्ष अमित पोद्दार दीपक गुप्ता कार्यकारिणी के मुन्नीलाल साहू बाबू गुडलक, ब्रिज फोगला आदि उपस्थित थे।

महिला समिति को रमेश कुमार ने साड़ी भेंट की

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। प्रकृति पर्व सरहुल पर चैंबर के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष रमेश कुमार चीनी और पूर्व अध्यक्ष शशिप्रिया बंटी ने खोड़हा दल की महिला समिति के बीच 50 साड़ी का वितरण किया। दोनों ने केंद्रीय सरहुल संचालन समिति के पदाधिकारी दीपनारायण उरांव व सागर उरांव की मौजूदगी में महिलाओं को साड़ी भेंट करते हुए सरहुल की बधाई दी। साथ ही कहा कि इस पर्व के दौरान साल के वृक्षों की विशेष पूजा की जाती है। क्योंकि इन्हें प्रकृति का प्रतीक माना जाता है। इसे धरती की पूजा और नवजीवन का उत्सव भी कहा जाता है। हम सभी सरहुल के खुशियों में उत्साहित है और परंपरा के अनुसार सभी पर्व मिलकर मनाते है।

बिशुनपुर में धूमधाम के साथ निकला मंगलवारी जुलूस

आजाद सिपाही संवाददाता

बिशुनपुर। प्रखंड मुख्यालय में विभिन्न अखाड़े एवं रामनवमी पूजा समिति के द्वारा धूमधाम के साथ मंगलवारी जुलूस निकाला गया जो कार्तिक उंराव चौक बिशनपुर से प्रारंभ होकर रति टाना भगत चौक बिशुनपुर, ब्लॉक चौक, बैंक चौक होते हुए नवागढ़ शहर का स्थित नकटी देवी मंदिर तक गया। इस मौके पर लोगों ने लगाये जय श्री राम, बजरंगबली की जय के नारों से पूरा प्रखंड मुख्यालय राम मय हो गया। वही जुलूस में शामिल लोगों के द्वारा अस्त्र शस्त्र चालान कभी प्रदर्शन किया गया। इस मौके पर अनीश सिंह, प्रमोद सिंह, बच्चन कुमार, विजय ठाकुर,बिंदेश्वर साहू, आशीष साहू, रामखेलावन साहू, गणेश महतो सहित कई लोग उपस्थित थे।

खाई में गिरा ऑटो, छह लोग घायल

गुमला (आजाद सिपाही)। गुमला करमटोली रोड स्थित बांस डीह घाटी में मंगलवार की अपराह्न 4 बजे ऑटो के खाई में गिरने से 6 लोग घायल हो गये। जिसके बाद ऑटो में आग लग गयी। लोगों की भीड़ घटना स्थल पर लग गयी काफी मशक्कत के बाद ऑटो में फंसे सभी घायलों को बाहर निकाला गया। इसके बाद सभी को सदर अस्पताल भेजा गया। सभी का सदर अस्पताल में इलाज चल रहा है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक कुकरूंजा गांव से एक ऑटो में 6 लोग सवार होकर गुमला सरहुल शोभा यात्रा में भाग लेने आ रहे थे। तभी बांसडीह मोड में ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया और घसीटते हुए खाई में जाकर गिर गया। घटना में कुकरुंजा गांव निवासी पांचो देवी, सुक्खू उरांव, ईश्वर उरांव, लोपा कोरबा सुकरी देवी और ऑटो चालक घायल हो गये। ग्रामीणों ने बताया कुकु रूंजा गांव से तीन ऑटो में सवार होकर सभी लोग गुमला रहे थे। सबसे आगे चल रहे डाला टेंपो में छह लोग सवार थे। सवारी टेंपो नहीं होने के कारण लोग खड़े होकर गुमला रहे थे। लोगों ने बताया टेंपो खाई में गिरने के बाद भी स्टार्ट था जिस कारण ऑटो में आग लग गयी। वहीं सदर अस्पताल में इलाजरत पाचो देवी की स्थिति चिंताजनक बतायी जा रही है, उसके सिर और चेहरा में गंभीर चोट लगी है।

मृतक के परिजनों से मिले कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष

घाघरा (आजाद सिपाही)। कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष अरुण कुमार पांडे ने सेहल पंचायत के बरांग गांव निवासी संजय गोप और संजय उरांव के मौत के बाद उनके परिजनों से मिलकर हिम्मत दिया, साथ ही हर संभव मदद करने का भरोषा दिलाया। बताते चलें कि विगत 25 मार्च को लोहरदगा में सड़क दुर्घटना के कारण मौत हो गयी थी। जिसकी सूचना मिलने के बाद कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष अरुण कुमार पांडे कई प्रतिनिधियों के साथ उनके घर पहुंचे और परिजनों से मुलाकात की। इस मौके पर सेहल पंचायत की मुखिया समरी देवी, पूर्व मुखिया घोड़ा उरांव, वार्ड सदस्य सतीश उरांव, बरवा उरांव, शंकर सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

जारी प्रखंड कांग्रेस कमिटी की बैठक

जारी (आजाद सिपाही)। जारी प्रखंड कंग्रेस कमिटी का बैठक डुंबरटोली गांव मे प्रखंड अध्यक्ष राजेश टोप्पो अध्यक्षता मे हुआ। वहीं मौके पर उपस्थित जारी प्रखंड प्रभारी अनिल साहू ने कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि बूथ से लेकर प्रखंड तक के कार्यकर्ता जागरूक रहें और जनता के पास जाय, जनता का काम करें। साथ ही कहा जनता के संपर्क में रहे और सरकार के द्वारा जो महत्वपूर्ण योजना है उनकी जानकारी दे और उस योजना का लाभ दिलाने का काम करें। मौके पर अमरुस एक्का,ईश्वर कुजूर, अलबेल मनीष एक्का, तेलेस्फोर टोप्पो, हेरमन लकड़ा,रूजवेल कुजूर,राजेश तिग्गा, रिजवान अंसारी, निरंजन टोप्पो आदि उपस्थित थे।

स्पोर्ट्स

मानव ठक्कर अब दुनिया में 47वें स्थान पर पहुंच गये हैं, जो उनके करियर की अब तक की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है।

भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी मानव ठक्कर आइटीटीएफ वर्ल्ड रैंकिंग के टॉप 50 में पहुंचे

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी मानव ठक्कर ने अपने करियर की बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए पहली बार आईटीटीएफ वर्ल्ड रैंकिंग के टॉप 50 में जगह बना ली है। वह अब दुनिया में 47वें स्थान पर पहुंच गये हैं, जो उनके करियर की अब तक की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है।

इस बीच, स्नेहित सुरवज्जुला ने पहली बार शीर्ष 100 में जगह बनाते हुए 89वां स्थान हासिल किया है। एक मार्मिक मोड़ में, शरत कमल,

जिन्होंने प्रतिस्पर्धी टेबल टेनिस से संन्यास की घोषणा की थी, ने विश्व नंबर 80 पर अपने शानदार करियर का समापन किया। अपने अंतिम मैच में कमल पर सुरवज्जुला की जीत ने अनुभवी के करियर का प्रतीकात्मक अंत कर दिया।

चेन्नई में डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर में भारत का अभियान रविवार को समाप्त हो गया, जब ठक्कर को पुरुष एकल सेमीफाइनल में फ्रांस के विश्व नंबर 54 थिबॉल्ट पोरेट से 3-1 से हार का सामना करना पड़ा। डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर सेमीफाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय पुरुष के रूप में इतिहास रचने वाले ठक्कर ने जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में एक उच्च-ऊर्जा मैच में कड़ी टक्कर दी।

वंदना कटारिया ने की अंतरराष्ट्रीय हॉकी से संन्यास की घोषणा

नयी दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी की दिग्गज खिलाड़ी वंदना कटारिया ने आधिकारिक रूप से अंतरराष्ट्रीय हॉकी से संन्यास की घोषणा कर दी है, जिससे एक असाधारण करियर का समापन हो गया। 320 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 158 गोल करने वाली वंदना भारतीय महिला हॉकी इतिहास में सबसे अधिक मैच खेलने वाली खिलाड़ी के रूप में विदाई ले रही हैं। आंकड़ों से कहीं अधिक, वह एक प्रेरणादायक धरोहर छोड़कर जा रही हैं, जो एक संघर्ष, संकल्प और भारतीय महिला हॉकी को उच्च शिखर पर पहुंचाने की अनवरत भूख की कहानी है।

सिकरी में युवक ने लगायी फांसी

जारी (आजाद सिपाही)। जारी थाना क्षेत्र अंतर्गत सिकरी पंचायत के सिकरी गांव निवासी चौकीदार बलदेव उरांव के 25 वर्षीय पुत्र राम उरांव ने अपने ही घर मे लगे लोहा के पाइप में प्लास्टिक के रस्सी के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। चौकीदार बलदेव उरांव ने घटना की जानकारी देते हुए कहा कि बेटा कहीं से शराब पीकर घर आया और झगड़ा करने लगा। उसकी मां ने खाना खाने की बात कही तो वह खाना खाया और कहने लगा कि मै फांसी लगाने जा रहा हूं और वह अपने रूम मे घुस गया और दरवाजा बंद कर दिया। यह बात उसकी मां ने गाव वालो की बतायी तो गांव वाले आये और राम को बाहर से हल्ला कर खोलने के लिए कहने लगे। लेकिन अन्दर से कोई आवाज नहीं आयी तो दरवाजा तोड़ा गया तो देखा गया कि रूम मे लगे लोहा के पाइप में रस्सी के सहारे फांसी लगाया हुआ है ।

आजाद सिपाही
रांची, बुधवार, 02 अप्रैल, 2025
www.azadsipahi.in
11

ग्रामीणों ने आउट सोर्सिंग कंपनी के अधिकारियों के सामने किया विरोध

आजाद सिपाही संवाददाता

झरिया/जोड़ापोखर। बीसीसीएल लोदना एरिया अंतर्गत भूलन बरारी में आउट सोर्सिंग कार्य को शुरू करने का मोदीभीटा ब्राह्मण बरारी के ग्रामीणों ने कंपनी के अधिकारियों के सामने किया विरोध प्रदर्शन। ग्रामीणों ने झरखंड लोकतांत्रिक कांतकारी मोर्चा के बैनर तले प्रदर्शन किया है। जिला उपाध्यक्ष रामप्रवेश सिंह ने आउट सोर्सिंग कंपनी के संचालक कुंभनाथ सिंह को चेतावनी देते हुए कहा है की ग्रामीणों की एक इंची जमीन पर भी काम को शुरू किया गया तो जयराम महतो टाइगर के नेतृत्व में ईंट से ईंट बजा देगे। वही सुरेश चक्रवती ने कहा है की आउट सोर्सिंग कंपनी ने बिना अनुमति के पांच हजार पेड़ो को काट दिया गया है। पड़ोस में प्रोजेक्ट चलाया जाता हैं जिससे प्रदूषण फैलता है, वही ग्रामीणों के घरों में दरार पड़ गया है। जब पड़ोस में प्रोजेक्ट चलेगा तो गरीबो का घर गिर जायेगा। उन्होंने कहा है की अब जब भी वार्ता होगा ग्रामीणों एवं उच्च अधिकारियों के बीच गांव में ही होगा। प्रदर्शन करने वालों में शामिल है कार्तिक महतो,संतोष बावरी, अविनाश महतो, दीपक महतो, मुन्ना निषाद, कृष्ण देवी, अंजली देवी आदि। ग्रामीणों से वार्ता करने पहुंचे थे लोदना एरिया के एजीएम परवेज आलम,एजेंट अरुण पांडेय, प्रबंधक एस शील, दिनेश मिश्रा आदि। आलम ने बताया है की कंपनी की सूची के अनुसार सभी 296 ग्रामीणों को जरेड़ा के तहत मुआवजा दिया जायेगा। मुआवजा के लिए झरिया सीओ से वार्ता किया जा रहा है। सभी ग्रामीणों को जमीन के बदले पैसा मिलेगा वही सम्पूर्ण विस्थापित कर ही प्रोजेक्ट को शुरू किया जायेगा।

पीएम ने उत्कल दिवस पर ओड़िशा के लोगों को दीं शुभकामनाएं

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर-नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्कल दिवस के अवसर पर ओड़िशा के लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भारत को ओड़िशा के इतिहास, साहित्य और संगीत पर गर्व है। इसके साथ ही, उन्होंने कहा कि केंद्र और ओड़िशा सरकारें राज्य की प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर काम कर रही हैं।

एक्स पर अलग-अलग पोस्ट में उन्होंने लिखा:

यह दिन ओड़िशा की गौरवशाली संस्कृति के लिए उपयुक्त श्रद्धांजलि है। भारत को ओड़िशा के इतिहास, साहित्य और संगीत पर गर्व है। ओड़िशा के लोग मेहनती हैं और उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। पिछले एक वर्ष में, केंद्र और ओड़िशा सरकारें राज्य की प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर काम कर रही हैं।

कटक में मनाया गया 90वां राज्य पुलिस स्थापना दिवस

डीजीपी ने पुलिस सेवा में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाले अधिकारियों को किया पुरस्कृत

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। ओड़िशा पुलिस का मूल मंत्र 'सेवा और सुरक्षा' समाज के कमजोर वर्गों, अवहेलित, उपेक्षित, महिलाओं और बच्चों को उचित पुलिस सेवा प्रदान करना हम सभी का प्राथमिक कर्तव्य है। ओड़िशा पुलिस के 90वें पुलिस स्थापना दिवस भव्य समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेते हुए राज्य पुलिस महानिदेशक योगेश बहादुर खुरानिया ने कहा कि सभी पुलिस अधिकारी और कर्मचारी उन्हें उचित सुरक्षा और न्याय प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे। समारोह में डीजीपी खुरानिया ने परेड की सलामी ली और पुलिस सेवा में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाले पुलिस अधिकारियों और कर्मियों को पुरस्कृत किया। मुख्य अतिथि डीजीपी ने सबसे पहले शहीद पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि दी और उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। डीजीपी ने अपने संबोधन में कहा कि सभी लोग इसे सुव्यवस्थित ढंग से व्यवस्थित एवं प्रबंधित करने का ध्यान रखेंगे। पुलिस महानिदेशक (मुख्यालय) दयाल गंगवार ने पुलिस स्थापना दिवस के अवसर पर माननीय राज्यपाल और मुख्यमंत्री का शुभकामना संदेश पढ़ा। इस अवसर पर एडिशनल एसपी प्रभात कुमार बिस्वाल, एसडीपीओ प्रशांत कुमार साहू, इंस्पेक्टर दुर्गेश नंदिनी महांति, डीएसपी मानस रंजन प्रधान को जांच के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए केंद्रीय गृह मंत्री पदक से सम्मानित किया गया। आज इस औपचारिक परेड में एसओजी, ओएसएपी, आइआरबी, यूपीडी कटक (एपीआर महिला), यूपीडी कटक (एपीआर पुरुष)/ट्रैफिक कांस्टेबल, यूपीडी कटक, ओडीआरएएफ, ओआइएसएफ, ओएसएएफ और फायर सर्विस सहित कुल दस (10) टीमों ने भाग लिया। परेड के मुख्य कमांडर अनुगु शिव मारुथी रेड्डी, आइपीएस (अंडर ट्रेनिंग) की प्रत्यक्ष देखरेख में आयोजित की गयी थी । कार्यक्रम में कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, पुलिस अधिकारी और मीडिया के सदस्य उपस्थित थे।

कांग्रेस के वादे को पूरा करे सरकारः ब्रजेंद्र सिंह

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। झारखंड प्रदेश कांग्रेस के अनुशासन समिति के अध्यक्ष ब्रजेंद्र प्रसाद सिंह ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को लिखकर पत्र। बताया है कि चुनाव के पहले जो कांग्रेस पार्टी के घोषणा पत्र में और राहुल गांधी के द्वारा घोषणा की गयी थी की सरकार बनने के तुंरत बाद झारखंड के जनता को चाहे वह किसी भी कैटेगरी का हो उन्हें 450 रुपये में गैस सिलेंडर दी जायेगी। राहुल गांधी का यह भावनात्मक वक्तव्य कई जगहों पर चुनाव के समय कहा भी था, लेकिन बहुत दुःख के साथ लिखना और बोलना पड़ रहा है की अभी तक हम जनता को जो 450 रुपये में गैस सिलेंडर देने का वादा किया था, वह अभी तक पूरा नहीं किया जा सका है। सरकार के द्वारा बहुत सारे कार्य किये जा रहे हैं जो जनहित में बहुत ही लाभदायक है, लेकिन कांग्रेस पार्टी का यह वादा भी अभिलंब पूरा किया जाये ताकि हम भी अपने नेता राहुल गांधी के बोले हुए वचन को जनता के बीच में बता सके। मुझे पूर्ण उम्मीद है की आने वाले कुछ ही दिनों में सरकार इसे भी लागू करावेगी और जनता को 450 रुपये में गैस सिलेंडर मिलने लगेगा।

पुलिस लाइन में आयोजित सरहुल महोत्सव में शामिल हुई उपायुक्त

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। डीसी माधवी मिश्रा मंगलवार को पुलिस लाइन में आयोजित सरहुल महोत्सव में शामिल हुई। इस अवसर पर पुलिस एसोसिएशन और सरना समिति ने माधवी मिश्रा, सिटी एसपी अजीत कुमार, डीएसपी ट्रैफिक अरविंद सिंह, डीएसपी प्रदीप मिंज और डीएसपी अर्चना खलको सहित अन्य अतिथियों का सरना रीति रिवाज से पगड़ी बांधकर स्वागत किया। इसके बाद सभी ने साल के फूलों, फलों और महुआ के फलों के साथ पूजा-अर्चना कर सरहुल पर्व की शुरूआत की। उपायुक्त ने कहा कि सरहुल पर्व प्रकृति के संरक्षण का संदेश देता है। साथ ही मनुष्य के जीवन को सरलता से जीने की प्रेरणा देता है। इसमें आदिवासी समाज द्वारा साल वृक्ष की पूजा की जाती है, क्योंकि यह आश्रय देता है, मौसम की मार से बचाता है। उन्होंने कहा इस पर्व के माध्यम से आदिवासी समाज जल, जंगल और जमीन को सुरक्षित व संरक्षित रखने का संकल्प भी लेते हैं। इसके बाद मांदर की थाप पर उपायुक्त और सिटी एसपी समेत अन्य पदाधिकारियों ने मनमोहक आदिवासी नृत्य भी किया।

पूर्व तट रेलवे ने 259.254 मिलियन टन माल ढुलाई का रिकॉर्ड हासिल किया

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। पूर्व तट रेलवे ने 2024-25 वित्तीय वर्ष (1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 तक) में 259.254 मिलियन टन की मूल माल ढुलाई का रिकॉर्ड हासिल करके माल परिवहन में एक नया मानक स्थापित किया है। यह उल्लेखनीय उपलब्धि एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, क्योंकि देश में 259 मिलियन टन के आंकड़े को पार करने वाला पहला रेलवे क्षेत्र बन गया है, जिसने माल ढुलाई में पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिये हैं। यह उपलब्धि पिछले वर्ष की तुलना में 1.2% की वृद्धि दशार्ती है, 2023-24 वित्तीय वर्ष से 3.034 मिलियन टन की वृद्धि हुई है। इस अवधि के दौरान, 200 मिलियन टन माल ढुलाई को पार करने वाले अन्य क्षेत्रीय रेलवे में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने 253.208 मिलियन टन, दक्षिण पूर्व रेलवे ने 212.361 मिलियन टन और पूर्व मध्य रेलवे ने 202.62 मिलियन टन माल ढुलाई की। पूर्व तट रेलवे ने लगातार माल संचालन में अपनी ताकत दिखाई है, लगातार छठे वर्ष 200 मिलियन टन के आंकड़े को पार करने की ऐतिहासिक उपलब्धि बनाए रखी है। यह उपलब्धि विशेष रूप से वर्ष भर में आने वाली चुनौतियों को देखते हुए उल्लेखनीय है, जो क्षेत्र की दक्षता, रणनीतिक योजना और इसके कार्यबल के अटूट समर्पण को दशार्ती है। प्रयासों को मान्यता देते हुए, पूर्व तट रेलवे के महाप्रबंधक परमेश्वर फंकवाल ने कर्मचारियों और अधिकारियों की टीम को बधाई दी। आगे बढ़ते हुए, पूर्व तट रेलवे अपनी क्षमताओं को बढ़ाने, संचालन को अनुकूलित करने और आने वाले वर्षों में असाधारण परिणाम देना जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

इनर व्हील क्लब माइलस्टोन ने नेत्रहीन आवासीय विद्यालय में कराया हेल्थ चेकअप

धनबाद (आजाद सिपाही)। मंगलवार को इनर व्हील क्लब धनबाद,माइलस्टोन के बैनर तले क्लब के सदस्यों द्वारा सरायढेला स्थित नेत्रहीन आवासीय विद्यालय में रहने वाले सभी बच्चों और उनके शिक्षकों का हैल्थ चैकअप विशेषज्ञ डॉक्टर और उनकी टीम के द्वारा कराया गया। क्लब द्वारा उक्त हैल्थ चैकअप, अमेरिका में रहने वाले इशान सिंह लीड इंटरनेशनल स्टूडेंट एंबेसडर के सौजन्य से किया गया। ताकि नेत्रहीन आवासीय विद्यालय में रहने वाले सभी बच्चों का स्वास्थ्य सुनिश्चित किया जा सके। कार्यक्रम में उपस्थित चिकित्सकों को उनके योगदान के लिए क्लब की ओर से सम्मानित किया गया। क्लब का प्रयास है कि बच्चों के लिए हेल्थ चैकअप कैंप क्लब द्वारा समय समय पर कराया जायेगा। इस अवसर पर इनर व्हील क्लब की अध्यक्ष रश्मि सहाय, उपाध्यक्ष लीना झा, सचिव ऋतु श्रीवास्तव और कोषाध्यक्ष रेणु कौशल, एडिटर गीता चौबे, निवेदिता सरकार, मनीषा गांधी, ऊषा सिंह , कविता गुप्ता, सरिता गुप्ता और इंदिरा महापात्र और इशान सिंह भी मौके पर उपस्थित रहे।

अभिभावक-शिक्षक सम्मेलन में बच्चे सम्मानित

महुदा (आजाद सिपाही)। रॉयल रूट्स प्ले स्कूल में वार्षिक परीक्षा के परिणामों की घोषणा के साथ ही अभिभावक-शिक्षक सम्मेलन बड़े धूमधाम से संपन्न हुआ। इस सम्मेलन में विद्यालय के प्राचार्य अमित कुमार पाठक और सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया। सम्मेलन में सैकड़ों अभिभावकों ने शिरकत की और विद्यालय की शिक्षा पद्धति और परीक्षा प्रणाली की सराहना की। अभिभावकों ने कहा कि विद्यालय में बच्चों की पढ़ाई के तरीके के साथ-साथ उनका मूल्यांकन भी अत्यधिक प्रभावी है। साथ ही, परिणामों में अच्छे अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहन राशि प्रदान की गयी, जिससे छात्र-छात्राएं बेहद खुश नजर आये। इसके अलावा, बच्चों को स्पेशल बैच से भी सम्मानित किया गया। सम्मेलन के दौरान, प्रत्येक अभिभावक के साथ उनके बच्चों के क्लास टीचर्स और विद्यार्थियों की तस्वीरें भी ली गयी। इस दौरान, प्राचार्य अमित कुमार पाठक ने आगामी शैक्षिक सत्र की शुरूआत सात अप्रैल से करने की घोषणा की। इस सम्मेलन को सफल बनाने में विद्यालय के सलाहकार निर्मल कुमार रवानी, शिक्षक कुंदन पाठक, खालिद अंसारी, और शिक्षिकाएं प्रिया कुमारी, सुजाता कुमारी, प्रीति कुमारी, रंजना कुमारी, आखि चटर्जी, लक्ष्मी कुमारी, सीता कुमारी, माहि कुमारी और निरंजन सिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सम्मेलन ने अभिभावकों और शिक्षकों के बीच एक मजबूत साझेदारी को और प्रगाढ़ किया, जो विद्यालय के विकास और बच्चों की बेहतरी के लिए प्रेरणास्त्रोत साबित होगा।

अंकिता बनर्जी ने एमएस इंडिया रनरअप का जीता खिताब

धनबाद (आजाद सिपाही)। धनबाद की बेटी अंकिता बनर्जी ने नयी दिल्ली में 29 मार्च को आयोजित इंडिया के सबसे बड़े कंपीटीशन मिस एंड मिस्ट्रेस इंडिया कॉन्टेस्ट 2025 के नेशनल लेवल में भीजी एमएस इंडिया रनरअप का खिताब जीत कर धनबाद समेत झारखंड का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है।

सुरक्षा प्रहरी कर्मचारी संघ ने आइआइटी से हटाये गये गार्डों को लेकर की बैठक

हमारी मांगों को नहीं माना गया तो हम लोग धरना-प्रदर्शन करेंगे

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। मंगलवार को सुरक्षा प्रहरी कर्मचारी संघ संबंध भारतीय मजदूर संघ की बैठक विश्वकर्मा भवन पुलिस लाइन हीरापुर में संपन्न हुई। जिसमें प्रमुख रूप से आइआइटी आइएसएम में कार्य कर रहे सैकड़ो सुरक्षा गार्ड को बिना कारण के नवनियुक्त एजेंसी के द्वारा काम से हटाने के संदर्भ में चर्चा की गयी। सुरक्षा गार्ड एजेंसी के सभी मानकों को पूरा करने में सक्षम है उन्होंने आइआइटी प्रबंधन, एजेंसी से संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन प्रबंधन एवं एजेंसी के द्वारा किसी भी तरह का संवाद नहीं किया गया। इसके बाद सुरक्षा गार्ड धनबाद के विधायक राज सिन्हा से मिला और अपनी व्यथा बताई। इस पर विधायक ने कहा की जरूरत पड़ी तो मैं भी आप लोगों के साथ धरने पर बैठूंगा। सुरक्षा प्रहरी कर्मचारी संघ से जुड़े सभी सुरक्षा गार्ड ने एक स्वर में निर्णय लिया की अगर प्रबंधन हमारी मांगों को नहीं मानती है तो हम लोग आइएसएम गेट के समक्ष अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन करेंगे। बैठक में भारतीय मजदूर संघ के जिला मंत्री धर्मजीत चौधरी भी उपस्थित हुए। उन्होंने कहा की आइआइटी आईएसएम प्रबंधन, सुरक्षा गार्ड के साथ नाइंसाफी कर रहा है। जल्द ही उपायुक्त को ज्ञापन दिया जायेगा एवं मंत्रालय में मंत्री से मिलकर उनके समस्याओं को अवगत कराया जायेगा। संघ के महामंत्री प्रभात सिंह ने कहा कि सुरक्षा कर्मी को कम से हटा देने के बाद उनके सामने रोजी-रोटी की समस्या उत्पन्न हो गयी है वह अपने परिवार का भरण पोषण कैसे करेंगे यह काफी चिंता का विषय है उम्र के इस पड़ाव में वह अब कहां काम करेंगे। प्रबंधन से आग्रह किया जाता है कि आप इन सभी सुरक्षा कर्मी को कम पर वापस रखें। ये मानवता भी है। बैठक में मनोज शाह,गोरख राम, जितेंद्र सिंह, सुशील सिंह, मनदीप कुमार और सभी सुरक्षा कर्मी उपस्थित थे।

दो सतर्क रेल कर्मचारी सम्मानित

आजाद सिपाही संवाददाता

संबलपुर। प्रभात कुमार घड़ई, तकनीशियन/रहेनभाटा और अशोक कुमार शसमल, सिग्नल मेंटेनर/नरला रोड को संरक्षा में उनकी सतर्कता और ट्रेनों के सुरक्षित परिचालन में उत्कृष्ट योगदान और संरक्षा नियमों और विनियमों से अच्छी तरह परिचित होने के लिए सम्मानित किया गया। संबलपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक, तुषार कांत पांडे ने आनंद सिंह, अपर मंडल रेल प्रबंधक, प्रभात कुमार, वरिष्ठ मंडल सिग्नल और दूरसंचार इंजीनियर, संबीत सौरव नायक, वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी और अन्य शाखा अधिकारियों की उपस्थिति में उन्हें उत्कृष्टता प्रमाण पत्र और नकद पुरस्कार से सम्मानित किया।

जल वाहिनी परियोजना का उद्घाटन

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। एक अप्रैल 2025 को आदित्य एल्यूमिनियम लपंगा ने अपनी सीएसआर पहल के तहत जल वाहिनी परियोजना का उद्घाटन किया। इस गर्मी के मौसम में ग्रामीणों के लिए पीने के पानी की सुविधा की हमेशा आवश्यकता रहती है, जो स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं और समय की मांग को पूरा करती है। कार्यक्रम का उद्घाटन जगन्नाथ प्रसाद नायक (यूनिट हेड, आदित्य एल्यूमिनियम लपंगा), विनोद नंद ठाकुर (यूनिट एचआर हेड), अजोय पालित (कास्ट हाउस हेड), मनोरंजन बेहरा (डिप्टी मैनेजर सीएसआर), ब्लॉक चेयरमैन सत्यानारायण अग्रवाल, बोमलोई सरपंच सरस्वती पधान, पूर्व सरपंच सेसदेव पधान, अन्य राजनीतिक प्रतिनिधियों और प्रभावशाली नेताओं द्वारा किया गया।

रामनवमी अखाड़ा को मस्जिद के पास नहीं रोकने का दोनों समुदाय की कमिटियों ने लिया निर्णय

आजाद सिपाही संवाददाता

झरिया/जोड़ापोखर। रामनवमी की त्योहार को लेकर अखाड़ा निकाले जाने के क्रम में डिगवाडीह मस्जिद के समीप से गुजरने के दौरान शांति व्यवस्था बनाये रखने को मंगलवार को जोरापोखर थाना में डिगवाडीह के अखाड़ा और मस्जिद कमिटी के सदस्यों की बैठक हुई। थाना प्रभारी राजेश प्रकाश सिन्हा की अध्यक्षता में हुई बैठक में दोनों कमिटी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने अपनी सूझ बुझ का परिचय देते हुए भाईचारे की सौहार्द बनाये रखने को रामनवमी के दिन अखाड़ा जुलुश को मस्जिद के समीप नहीं रोकने का निर्णय लेते हुए मिलजुलकर जुलुश निकालने का संकल्प लिया। थाना प्रभारी सहित क्षेत्र के लोगों ने कमिटी के निर्णय की प्रशंसा की है। मालूम हो कि रामनवमी की अखाड़ा जुलुश को मस्जिद के समीप रोके जाने को लेकर हर वर्ष तनाव की स्थिति बनी रहती थी। थाना प्रभारी ने कहा कि दोनों कमिटी का निर्णय प्रशंसनीय है, इसके बाद भी अगर किसी ने शांति में खलल डालने की किसी ने कोशिश किया तो प्रशासन उसके साथ सख्ती से निबटेगी। बैठक में शंकर साव, डॉ एम के ठाकुर, दिनेश यादव, मंटू पांडेय, राजू कुंडू, आफताब अंसारी, मुन्ना साव मस्जिद कमिटी के सदर मुख्तार अहमद, सचिव हाजी इजहार, अख्तर अंसारी आदि थे।

वर्ष 2024-25 में एमसीएल ने कोयला उत्पादन और प्रेषण में वृद्धि दर्ज की

आजाद सिपाही संवाददाता

संबलपुर। महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में 225.2 मिलियन टन कोयले का रिकॉर्ड उत्पादन कर पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 9% की वृद्धि दर्ज की है। एमसीएल ने, देश की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए अब तक का सबसे अधिक 210.5 मिलियन टन कोयला प्रेषण किया है, जो वित्तीय वर्ष 2023-24 की तुलना में 6% अधिक है। कंपनी ने ऊर्जा क्षेत्र को कोयला प्रेषण में भी वृद्धि दर्ज की, जो वित्तीय वर्ष 2024 में 150 मिलियन टन से बढ़कर वित्तीय वर्ष 2025 में 158 मिलियन टन रहा, जिसमें 5% की वृद्धि हुई है। एमसीएल ने 338 मिलियन क्यूबिक मीटर अधिभार निकासी कर, पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 22% की वृद्धि दर्ज की। यह उपलब्धि कंपनी के वर्तमान वित्तीय वर्ष में कोयला उत्पादन बढ़ाने में सहायक होगी। वित्त वर्ष 2024-25 एमसीएल के लिए उपलब्धियों से भरा रहा, जहां कंपनी ने कोयला उत्पादन, प्रेषण और अधिभार निकासी के तीनों प्रमुख प्रदर्शन मानकों में नये कीर्तिमान स्थापित किये। उदय ए काओले, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक ने इस उपलब्धि के लिए अधिकारियों, कर्मचारियों, श्रमिकों और अन्य हितधारकों को बधाई दी। सामाजिक और आर्थिक विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को कायम रखते हुए, एमसीएल वित्त वर्ष 2024-25 में ओड़िशा में लगभग 215 करोड़ रुपये की राशि विभिन्न सीएसआर पहलों के तहत खर्च करने वाला सबसे बड़ा सार्वजनिक उपक्रम है।

भारत की 40 प्रतिशत आबादी टीबी के जीवाणु से प्रभावित : डॉ सुदर्शन पोथल

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। एक प्रतिष्ठित तपेदिक विशेषज्ञ ने कहा कि भारत की 40 प्रतिशत से अधिक आबादी तपेदिक के जीवाणु को ढो रही है, भले ही उनकी सूक्ष्मजैविक परीक्षण रिपोर्ट नकारात्मक पाई जाती है। हालांकि वे जीवाणु को ढोते हैं, उनमें यह बीमारी प्रकट नहीं होती है और उनमें से लगभग 10 प्रतिशत में बाद में यह बीमारी विकसित हो जाती है। हालांकि, तपेदिक के ये लक्षणहीन मामले बीमारी को फैलाते रहते हैं, पुरी के श्री जगन्नाथ मेडिकल कॉलेज अस्पताल के प्रोफेसर डॉ सुदर्शन पोथल ने कहा। उन्होंने शनिवार को इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज और एसयूएम अस्पताल में विश्व टीबी सप्ताह के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए कहा कि जरूरत यह है कि किसी भी बीमारी के इलाज के लिए डॉक्टर या अस्पताल में आने वाले सभी रोगियों की गुप्त तपेदिक का पता लगाने के लिए जांच की जाये। नयी पद्धति चार दवाओं- बेडाक्विलाइन, प्रेटोमैनिड, लाइनजोलिड और मोक्सीफ्लोक्सासिन का संयोजन है, जिसका बेहतर सुरक्षा प्रोफाइल और 94 प्रतिशत सफलता दर है। उन्होंने कहा कि उपचार की अवधि भी 26 से 38 सप्ताह की बहुत कम है।

कार्यक्रम को मेदांता-द मेडिसिटी, गुरुग्राम में इंस्टीट्यूट ऑफ चेस्ट सर्जरी, चेस्ट आंको-सर्जरी और लंग ट्रांसप्लांटेशन के सलाहकार थोरैसिक सर्जन डॉ मोहन वेंकटेश पुल्ले, आइएमएस और एसयूएम अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक प्रोफेसर डॉ पुष्पराज सामंतसिंघार और अस्पताल में श्वसन चिकित्सा विभाग की प्रमुख और ओड़िशा चेस्ट सोसाइटी की अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ बनानी जेना ने भी संबोधित किया। डॉ पुल्ले ने कहा कि 1940 से पहले तपेदिक का इलाज केवल सर्जनों द्वारा किया जा रहा था क्योंकि सर्जरी ही उपचार का एकमात्र विकल्प था। प्रोफेसर डॉ जेना ने भारत को तपेदिक मुक्त बनाने के दृष्टिकोण और इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उठाये जा रहे कदमों के बारे में बात की। श्वसन चिकित्सा विभाग के प्रोफेसर प्रोफेसर डॉ राखी लुडाम और प्रोफेसर डॉ प्रियदर्शिनी बेहरा भी उपस्थित थे।

सेक्स समस्याएँ
छोटापन से निराश क्यों ?
नई खोज
मात्र 800/-, 1200/-
18 से 80 वर्ष तक के लिए लाभदायक
शीघ्रपतन, यौन समस्याएं स्वप्नदोष, नपुंसकता, धात आना, छोटापान पतलापन टेढ़ापन दूर कर क्षमता बढ़ायें।
लाभ नहीं तो पैसा वापस
हमारे इलाज से 12 घंटो में असर शुरू
फोन कर डॉ0 से सलाह लें
9341453240

हिन्दी दैनिक आजाद सिपाही Classified

Shreshtha Soni 7481000333
RATNA SAGAR
Wholesale & Retail :
रत्न उपरत्न, रूद्राक्ष, वास्तु सामग्री, हस्तरेखा एवं कुण्डली द्वारा तरक्की के सटीक उपाय
CERTIFIED GEMS, ORIGINAL RUDRAKSH, FENGSUI ITEMS

ANAL'S CAREER PLUS
Economics for JET by Anal Kumar
Courses Available
CSAT NET JPSC J-TET C-TET TGT NET
नये पाठ्यक्रम के अनुसार
ADMISSION OPEN
PISKA MORE, TEL MILL GALI, RANCHI-05
PHONE: 9334431753/ 9608311660 / 9504000077
www.careerplusedu.com

Dr. Pooja Sahu
(Oral and Dental Surgeon)
Bds,mph
DR. AVAILABLE
Days - Monday Wednesday Friday And Sunday
9341731744
Sugnu Basti Near Shiv Mandir Aata Chakki Home

TATA MOTORS
RISING AUTO WHEELS PVT. LTD.
NEW TATA MOTORS CAR SHOWROOM
NOW AT BOOTY MORE
Starting Price 4.99 Lakh Only
LARGEST SHOWROOM OF JHARKHAND
Showroom: Booty More, Beside Budhia Agency | Piskamore, Itki Road, Ranchi
E.M.O.: K.D. Road, Khelari | Main Road, Khunti | Surya Mandir, Bundu
09297928073/09153996278 sales@risingautowheel.com

FURNITURE GHAR PLUS
Deals In : Home Furniture | Office Furniture | Modular Kitchen | School Furniture | Kids Furniture.
CONTACT NOW : 8409679099
Near Surendranath School, Old H.B. Road, Dipatoli Ranchi Jharkhand - 834001

SHANTI ENTERPRISES
Authorised Distributors
Deals in : All Type of home Appliances available here
70456 59822, 0651 3500469
308, 3rd Floor, Estate Plaza, Behind Mangal, Tower, Kantatoli, Ranchi

प्रो. साधु जी
9262249347 8825349255 9097426633
!! ओम साईं राम !!
टीक फर्नीचर घर
फैन्सी फर्नीचर के विक्रेता एवं निर्माता
इंटीरियर डिजाइनिंग के लिए सम्पर्क करें।
नियर केनरा बैंक, एच.बी. रोड, कोकर, रांची (झारखण्ड)

Shree Ratan Jewellers
Apni Manufacturing Company
पुराना सोना खरीद - बिक्री की जाती है
Contact Us :
9263983157, 7632913111
Add.: Lower Grand Floor, Shop No.- 7
R. Alis Grand Mall, Main Road, Ranchi - 834001

NEON ENTERPRISES
8210108590 8789361453 8709790158
आधार सुधार
पैन कार्ड, वोटर कार्ड, मजदूर कार्ड, E-STAMP, राशन कार्ड, पैसा निकासी, स्मार्ट कार्ड प्रिंट
अपॉइंटमेंट लेकर जाने से फार्म नहीं भरना पड़ता है, लाईन नहीं लगना पड़ता है, काम जल्दी हो जाता है
फोटो कॉपी, ड्राइविंग लाइसेंस, पासपोर्ट फोटो प्रिंट, जाति, आवासीय, आय, जमीन रसीद होल्डिंग, ऑनलाइन फार्म, पीएफ अप्लाई
Digital Print Designing & Advertising
Shop No.110(A) मंगल टावर, कांटाटोली चौक, रांची (झारखंड)

BOB Furniture
Sofa Bed, Almirah, Dressing & Center Table
Dahej Set @ 55000/-
Contact : 9279630961
G-5, Estate Plaza Behind, Mangal Tower Kantatoli, Ranchi (Jharkhand)

M.R. INDUSTRIAL ENTERPRISES
Furniture, Material Handling, Matters
Manufacture Of :-
CRCA Products, Particle Board Products, Bunawat Products / Swing, MDF Products, Epoxy Coating Product, Stainless Steel Products
-: Contact Us :-
+91 9304129368, 79797864572, 7004518458, 6203807455
www.mrichair.com mrikokar@gmail.com
Head Office : Industrial Area, Kokar
Branch Office : Hotel Gali, Vikrant Chowk,

Life STYLE NEXGEN
Make Up Studio
UNISEX SALOON
DISCOUNT 10% An all Service*
Contact Us :
+91-6513166163, 9431101252, 8789333635, 7631001547
NILE COMPLEX, OLD H.B. ROAD, KANTATOLI, RANCHI

Guddu Soni
GUDDU ELECTRICALS
Repairing & Rewinding of all Types of Motors, Pumps, Fans & Geyser
7992372475, 9386422109, 8102406846
Industrial Area, Near Udyog, kokar, H.B. Road, Ranchi-1

Panasonic BRANDSHOP
Panasonic ideas for life
DIVYA ENTERPRISES
Nile Complex, Old HB Road, Near PNB Kantatoli Branch Ranchi - 834001
Mob.: 9576777385, 9304809352

उड़ान
ई- रिक्शा
मो . 9234082690
ओम इलेक्ट्रिक व्हीकल्स
हेहल अंचल ऑफिस के सामने, रांची
लक्ष्मी टावर, दुकान न. 21 कोकर, रांची (झारखण्ड)

POPKORN Cinemas
SUJATA PICTURE PALACE
Now Showing
SIKANDAR
at Screen-1 (Sujata) Schedule For 30th Mar, 2025 onwards!
Sikandar : 10.00, 12.45, 3.30, 6.15, 9.00
at Screen-2 (Miniplex)
Sikandar : 11.15, 2.15, 5.15, 8.00
at Popkorn Cinemas
Sikandar : 10.00, 11.45, 12.45, 2.30, 3.30, 5.15, 6.15, 8.00, 9.00
*Due to security reasons, only mobiles, wallets & ladies handbags allowed. Patrons are requested to reach the cinema 30 mins before the start of the show to avoid any inconvenience.
*All above information is subject to change without prior notice.

GULFAM KASHMIR HADICRAFTS
Shawls, Suit, Blankets, Furniture & Gift Items
9608286786, 9431708786
R. Ali Grand Mall, M.G. Road, Ranchi - 834001 (Jharkhand)

ADMISSION OPEN
90+ INSTITUTE
CLASS VI-XII
Open Registration for 2025-2026
ICSE | CBSE
Separate Classes
ENROLL NOW
Struggling with Studies ?
Get the best Guidance for Success!
Free Demo Classes For 1 Week From 20th March
For More Details Please
Contact - 8210419469, 9798196834
Address: 1st Floor Bhowmick Complex Kokar Bazar Ranchi, Jharkhand Devi Mandap, Bandhgari, Dipatoli, Ranchi, Jharkahnd

DARSANI ASTROLOGY
Dr. V. Shankar P.G अब आपके शहर में
कुंडली से जुड़ी समस्याओं का पूर्ण समधान
ASTROLOGY
M.A, M. Phill & Astrology, PhD
परामर्श शुल्क - 2100
नम्बर लगवाने समपाह को (1 दिन Sunday को Available)
पता : हिरा पन्ना जेम्स मेन रोड पहले सम्पर्क करें : 7004769566

LAKSHMI VASTRALAYA
अच्छे से अच्छा फिर भी सस्ता फैन्सी
हमारे यहाँ फैंसी साड़ी, लहंगा, सूट सभी तरह के वस्त्र उचित दामों में मिलते है।
7033265646
Coal Board Colony, Near Dy.SP Bunglow Police Line Hirapur, Dhanbad

RAVINDRA NATH ACADEMY
LIMITED SEATS
ADMISSION OPEN
TRANSPORT FACILITY AVAILABLE
BABY PRE-NURSERY TO CLASS X
MOB. 9905504970, 7992281709
BASUKI NAGAR,
Haidar Ali, Road No.-10, Kokar, Ranchi

जयपुर रत्न मंदिर
जेम्स एण्ड ज्वेलर्स
होलसेल के भाव में शुद्ध रत्न विक्रेता
CERTIFIED GEMS
ज्योतिषीय परामर्श उपलब्ध
फोन : 9431184212 9334718303
बाबा टावर, गुरुद्वारा के सामने, मेन रोड, रांची (झारखण्ड)

प्रकाशित
झारखंड अधिविद्य परिषद, रांची द्वारा आयोजित वर्ग-XI की बोर्ड परीक्षा - 2025 के लिए JCERT, रांची द्वारा जारी नये संशोधित पाठ्यक्रम (व्यावसायिक प्रश्न) पर पूर्णतः आधारित एक अत्यंत महत्वपूर्ण परीक्षोपयोगी प्रश्नों का उत्तर सहित संकलन
Verma's Today CHAPTER WISE CLASS - XI 2025
ARTS, SCIENCE, COMMERCE
All Subjects Combined in ONE BOOK
मिलते-जुलते नाम वाली नकली पुस्तकों से सावधान!
VERMA PRESS PVT. LTD.
4, R. G. STREET, THARPAKHNA RANCHI (JHARKHAND) - 834 001

स्वामी आयुर्वेदिक सेन्टर
बाबा टावर, मेन रोड, गुरुद्वारा के सामने (नजदीक कश्मीर वस्त्रालय), रांची
मिलें हर रोज सुबह 10:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक (रविवार बंद)

विवाह संतान, उच्च शिक्षा, नौकरी, व्यापार, विदेश यात्रा, प्रमोशन के समस्याओं के समाधान हेतु सम्पर्क करें।
ज्योतिषाचार्य जयप्रकाश नारायण
परामर्श शुल्क 501/-
36 वर्षो का अनुभव
मिलने का समय 3 से 5 बजे तक। सम्पर्क करें : 94313595523
L-78, Argora, Housing Colony, Ranchi 06 AM to 11AM
12 AM to 07 PM जयपुर रत्न मंदिर, बाबा टावर, मेन रोड, रांची

DARSANI GEMS & ASTROLOGY
मेन रोड, हिरा - पन्ना जेम्स
Certify Gems MRP के साथ रत्न लेने से पहले जरूर कॉल करें आपके घर तक स्टोन उपलब्ध कराया जायेगा।
तक स्टोन उपलब्ध कराया जायेगा।
देखने के लिए भी और बनवाने के लिए भी
हम दिल से रिस्ते बनाते है
सम्पर्क करें : 7004769566

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित। **संपादक :** हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक*** : विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**